▶▶ वर्ष 69 ▶▶ अंक 180 ▶▶ पृष्ठ 12
भोपाल, सोमवार 30 मार्च, 2026
▶▶ चैत्र शुक्ल पक्ष 12, विक्रम संवत् 2083
▶▶ महानगर ▶▶ मूल्य 5 रुपए

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

जीवन का उद्देश्य ही किसी मनुष्य को असल में मनुष्य बनाता है। उद्देश्य के बिना मनुष्य का कोई अर्थ नहीं है।
-अज्ञात

ऑफ बीट

एआई का कमाल
चैटजीपीटी की मदद से 5 दिन में बिका घर

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) अब केवल टेक्नोलॉजी या कंटेंट बनाने तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह रियल एस्टेट जैसे पारंपरिक क्षेत्रों में भी बड़ा बदलाव ला रहा है। इसका ताजा उदाहरण अमेरिका के फ्लोरिडा से सामने आया है, जहां एक व्यक्ति ने एआई टूल चैटजीपीटी की मदद से अपना घर करीब 1 मिलियन डॉलर (लगभग 9.5 करोड़) में बेच दिया। वह भी बिना किसी रियल एस्टेट एजेंट के। इस पूरी प्रक्रिया की खास बात यह रही कि घर महज 5 दिनों के भीतर बिक गया और मालिक को स्थानीय एजेंट्स के अनुमान से करीब 95 लाख रुपए ज्यादा कीमत मिली। मियामी निवासी रोबर्ट लेविन ने फैसला किया कि एआई घर बेचने की प्रक्रिया को संभाल सकता है।

आईपीएल में आज

चैन्नई बनाम राजस्थान
समय : शाम 7.30 बजे से
प्रसारण: स्टार स्पोर्ट्स और जियो हॉटस्टार पर

परिणाम: मुंबई ने कोलकाता को 6 विकेट से हराया।

संक्षिप्त खबरें

रेमंड के पूर्व चेयरमैन सिंघानिया का निधन

मुंबई, जेएनएन। देश के प्रमुख उद्योगपतियों में शामिल और टेक्सटाइल ब्रांड रेमंड को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने वाले समूह के पूर्व चेयरमैन विजयपत सिंघानिया का 87 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। शनिवार शाम उनके निधन के बाद रविवार को मुंबई के चंदनवाड़ी श्मशान घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। उनके बेटे और रेमंड समूह के मौजूदा चेयरमैन गौतम सिंघानिया ने मुखाग्नि दी। विजयपत सिंघानिया अपने पीछे पत्नी आशादेवी और तीन बच्चों शेफाली रुइया, मधुपति और गौतम सिंघानिया को छोड़ गए हैं। उनके निधन के साथ भारतीय उद्योग जगत का एक महत्वपूर्ण अध्याय समाप्त हो गया।

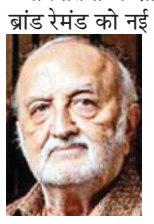

(संबंधित खबर पेज-11 पर)

बंगाली अभिनेता राहुल अरुणोदय का निधन

कोलकाता/ओडिशा, जेएनएन। बंगाली फिल्म और टीवी के लोकप्रिय अभिनेता राहुल अरुणोदय बनर्जी का रविवार को दर्दनाक हादसे में निधन हो गया। वे ओडिशा के तलसारी बीच पर एक टीवी शो की शूटिंग कर रहे थे। अचानक संतुलन बिगड़ने से राहुल समुद्र में गिर गए। मौके पर मौजूद टीम ने तुरंत उन्हें बाहर निकाला और नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। राहुल टीवी शो 'भोले बाबा पार करेगा' की शूटिंग के लिए तलसारी बीच पर मौजूद थे।

खतरा बरकरार: अमेरिकी रिसर्च इकाई की रिपोर्ट ने बढ़ाई दक्षिण एशिया में सुरक्षा स्थिति पर चिंता

पाक में अब भी सक्रिय हैं भारत विरोधी आतंकी संगठन

वॉशिंगटन/नई दिल्ली, जेएनएन। अमेरिका की एक महत्वपूर्ण रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पाकिस्तान अब भी कई आतंकी संगठनों को पनाह दे रहा है, जिनमें वे संगठन भी शामिल हैं जो भारत और कश्मीर को निशाना बनाते रहे हैं। अमेरिकी कांग्रेस की रिसर्च इकाई कांग्रेसनल रिसर्च सर्विस (सीआरएस) की इस रिपोर्ट ने दक्षिण एशिया में सुरक्षा स्थिति को लेकर नई चिंता पैदा कर दी है।

रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान की जमीन पर कई ऐसे आतंकी संगठन अब भी सक्रिय हैं, जिनका मुख्य फोकस भारत है। इनमें 2008 के मुंबई हमलों के लिए जिम्मेदार लश्कर-ए-तैयबा और 2001 में भारतीय संसद पर हमले से जुड़ा जैश-ए-मोहम्मद प्रमुख रूप से शामिल हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्षों से चल रही सैन्य कार्रवाइयों और नीतिगत कदमों के बावजूद ये संगठन 'अब भी पाकिस्तान की जमीन पर काम कर रहे हैं।'

पाकिस्तान में सक्रिय अधिकांश संगठनों की विचारधारा इस्लामी उग्रवाद से प्रेरित बताई गई है।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 2021 में अफगानिस्तान में तालिबान की वापसी के बाद क्षेत्र में उग्रवाद को बढ़ावा मिला है। इससे पाकिस्तान समेत पूरे दक्षिण एशिया में आतंकी गतिविधियां बढ़ी हैं। सीआरएस अमेरिकी कांग्रेस की एक स्वतंत्र शोध इकाई है, जो विभिन्न मुद्दों पर रिपोर्ट तैयार कर सांसदों को नीति निर्माण में मदद करती है। हालांकि, इसकी रिपोर्ट को अमेरिकी सरकार की आधिकारिक नीति नहीं माना जाता, लेकिन इसे एक विश्वसनीय विश्लेषण के रूप में देखा जाता है।

पाक में पांच तरह के आतंकी नेटवर्क

- वैश्विक स्तर पर सक्रिय संगठन
- अफगानिस्तान केंद्रित संगठन
- भारत व कश्मीर केंद्रित संगठन
- पाक के अंदर सक्रिय संगठन
- सांप्रदायिक (सेक्टेरियन) संगठन

आतंकवाद में तेजी से बढ़ोतरी

रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान में हाल के वर्षों में आतंकवाद की घटनाओं में तेज वृद्धि हुई है।

2019 में आतंकवाद से जुड़ी मौतें घटकर 365 तक आई थी

2025 में यह आंकड़ा बढ़कर 4,001 मौतों तक पहुंच गया।

11 सालों में सबसे ज्यादा मौतें हुई पिछले साल।

पाकिस्तान: ठिकाना भी, निशाना भी

रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान एक ऐसा देश बन गया है जहां आतंकी संगठन न केवल शरण लेते हैं, बल्कि खुद पाकिस्तान भी उनके हमलों का शिकार बनता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान का इस्तेमाल इन संगठनों द्वारा 'आधार और लक्ष्य' दोनों के रूप में किया जा रहा है।

पाक के भीतर सबसे बड़ा खतरा टीटीपी

अमेरिका की इस रिपोर्ट में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को पाकिस्तान के अंदर सक्रिय समूहों में सबसे घातक आतंकी संगठन बताया गया है। इसके पास करीब 2,500 से 5,000 लड़ाके हैं। इसका लक्ष्य पाकिस्तान सरकार को गिराकर शरिया कानून लागू करना है।

अल-कायदा और आईसिस का भी असर

रिपोर्ट में कहा गया है कि अल-कायदा का नेटवर्क कमजोर जरूर हुआ है, लेकिन वह अब भी क्षेत्र में सक्रिय है और अन्य संगठनों के साथ गठजोड़ बनाए हुए है। वहीं, इस्लामिक स्टेट खोरासन प्रोविंस (आईएसकेपी) के पास अनुमानित 4,000 से 6,000 लड़ाके हैं, जो अफगानिस्तान और पाकिस्तान दोनों में सक्रिय हैं।

अमेरिकी रिपोर्ट ने एक बार फिर यह संकेत दिया है कि पाकिस्तान में आतंकी नेटवर्क अब भी सक्रिय हैं और क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बने हुए हैं।

भारत-केंद्रित संगठनों की मौजूदगी, आतंकवाद में बढ़ोतरी और वैश्विक आतंकी नेटवर्क की सक्रियता ये सभी कारक दक्षिण एशिया में अस्थिरता को बढ़ा सकते हैं। ऐसे में आने वाले समय में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय इस चुनौती से निपटने के लिए क्या कदम उठाता है और क्षेत्र में शांति और सुरक्षा कैसे सुनिश्चित की जाती है।

गड्ढे में गिरी कार, ससुर बहू और पोता जिंदा जले

जागरण, बालाघाट। बालाघाट में रविवार को फिर दर्दनाक हादसा हुआ। यहां एक चलती कार अनियंत्रित होकर गड्ढे में जा गिरी, जिसके बाद उसमें आग लग गई। लपटें इतनी तेजी से फैली कि अंदर बैठे लोगों को संभलने का मौका नहीं मिला। हादसे में ससुर-बहू और पोता जिंदा जल गए। घटना देर रात बैहर-मलाजखंड रूट पर केवलारी चौराहे के पास की है। मृतकों की पहचान नगारची केलकर (65 साल), बहू सविता केलकर (28 साल) और पोता अभि केलकर (3 साल) के रूप में हुई है। कार चला रहा सीतम और उसकी मां नाना बाई गंभीर रूप से झुलस गए हैं। दोनों को गोंदिया (महाराष्ट्र) रेफर किया है। सड़क से गुजर रहे लोगों ने कार का कांच फोड़कर तीन लोगों को बाहर निकाला। इनमें 8 साल की बच्ची पूर्वी राहांगडाले पूरी तरह सुरक्षित है।

पश्चिम एशिया जंग: जमीनी युद्ध की आशंका के बीच 3500 अमेरिकी सैनिक खाड़ी पहुंचे, इधर... इस्लामाबाद में कूटनीतिक कोशिशें शुरू

ईरान पर जमीनी हमले की तैयारी में अमेरिका

तेहरान/ वॉशिंगटन/ रियाद/ इस्लामाबाद, जेएनएन। पश्चिम एशिया में ईरान और इजराइल-अमेरिका के बीच टकराव अब निर्णायक मोड़ पर पहुंचता दिख रहा है। एक ओर अमेरिका जमीनी सैन्य कार्रवाई (ग्राउंड ऑपरेशन) की तैयारी करता नजर आ रहा है, वहीं ईरान ने खुली चेतावनी देते हुए कहा है कि अमेरिकी सैनिकों के लिए उसकी धरती 'नरक' साबित होगी। इसी बीच, खाड़ी में हमले तेज हो गए हैं, अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया है, और हालात को नियंत्रित करने के लिए पाकिस्तान में बहुपक्षीय कूटनीतिक बैठक भी शुरू हो गई है।

अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पेंटागन ईरान में कई हफ्तों तक चलने वाले जमीनी सैन्य अभियान की तैयारी कर रहा है। इस योजना में स्पेशल ऑपरेशन फोर्सेज द्वारा छापेमारी, पारंपरिक पैदल सेना की तैनाती और अमेरिकी सेना की 82वीं एयरबोर्न डिवीजन के हजारों सैनिकों को क्षेत्र में भेजना शामिल हो सकता है।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने भी पुष्टि की है कि लगभग 3,500 मरीन और नौसैनिकों को लेकर यूएसएस त्रिपोली युद्धपोत 27 मार्च को पश्चिम एशिया पहुंच चुका है।

इन तैयारियों के बीच ईरान ने बेहद आक्रामक प्रतिक्रिया दी है। भारत स्थित ईरानी दूतावास ने सोशल मीडिया पर संदेश जारी करते हुए कहा, 'हम आपका इंतजार कर रहे हैं।' और चेतावनी दी गई कि 'जो अमेरिकी सैनिक ईरान की जमीन पर कदम रखेंगे, वे ताबूत में लौटेंगे।'

इस बीच इजराइल ने ईरान के 4 प्रमुख बैलिस्टिक मिसाइल निर्माण केंद्र नष्ट किए और 29 लॉन्च साइट्स को नुकसान पहुंचाया गया। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि इन हमलों के बावजूद ईरान की मिसाइल क्षमता पूरी तरह खत्म नहीं हुई है और वह अब भी हमले करने में सक्षम है।

अमेरिका के लिए 'नरक' साबित होगी हमारी धरती: ईरान

अमेरिकी सैनिकों की पश्चिम एशिया में मौजूदगी पर ईरान ने अपने संदेश में लिखा था- 'वेलकम टू हेल' (नरक में आपका स्वागत है) इसे तेहरान टाइम्स ने अपनी हेडलाइन बनाया है। ईरान ने स्पष्ट किया है कि वह अमेरिकी और इजरायली ठिकानों को 'वैध लक्ष्य' मानता है। साथ ही उसने साफ किया है कि वह जमीनी लड़ाई में अमेरिका का इंतजार कर रहा है।

"अमेरिका एक ओर कूटनीति की बात करता है, जबकि दूसरी ओर गुप्त रूप से जमीनी हमले की योजना बना रहा है। ईरानी लड़ाके अमेरिकी सैनिकों को 'सबक सिखाने' के लिए तैयार हैं।
-मोहम्मद बाकर गालिबाफ, स्पीकर ईरानी संसद

वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति बाधित करना चाहता है ईरान

ईरान वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को बाधित करना चाहता है। होर्मुज जलडमरूमध्य से दुनिया के 20 फीसदी तेल और गैस की आपूर्ति होती है, यहां जहाजों का संचालन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। इससे वैश्विक तेल बाजार में अस्थिरता बढ़ने का खतरा है। इस बीच रूस ने भी पेट्रोल के निर्यात पर रोक लगा दी है। इससे दुनियाभर में ऊर्जा संकट बढ़ गया है।

अमेरिकी अवाक्स विमान क्षतिग्रस्त: जमीनी युद्ध की आशंका के बीच ईरान ने खाड़ी क्षेत्र में हमले तेज कर दिए हैं। सऊदी अरब के प्रिंस सुल्तान एयरबेस पर हुए बड़े हमले में अमेरिका का अत्याधुनिक ई-3 सेंट्री अवाक्स विमान क्षतिग्रस्त हो गया।

केमिकल प्लांट पर हमले से आग लगी, जहरीले रिसाव की आशंका

ईरान ने दक्षिणी इजराइल में एक केमिकल प्लांट पर मिसाइल हमला किया है, जिससे प्लांट में भीषण आग लग गई है। इससे इलाके में जहरीले रिसाव का खतरा पैदा हो गया है। एक व्यक्ति घायल भी हुआ है। हमला नियोत होवाव इंडस्ट्रियल जोन में हुआ, जो बीयरशेवा से 9 किलोमीटर दूर स्थित है। हमले के बाद अधिकारियों ने आसपास के लोगों को घरों में रहने और खिड़कियां बंद रखने की सलाह दी है, क्योंकि प्लांट में खतरनाक रसायन मौजूद हैं। वहीं ईरान में बुनियादी ढांचे पर हुए हमलों के बाद तेहरान के कुछ हिस्सों और अल्बोर्ज प्रांत में बिजली काट दी गई है।

कूटनीतिक मोर्चा: इस्लामाबाद में अहम बैठक

पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में सऊदी अरब, तुर्की और मिस्र के विदेश मंत्रियों की अहम बैठक शुरू हुई है। इस बैठक की मेजबानी पाकिस्तान कर रहा है, जिसने खुद को इस संकट में मध्यस्थ के रूप में पेश किया है।

चर्चा के बिंदु... ■ तनाव कम करना ■ संभावित युद्धविराम ■ कूटनीतिक समाधान

इंदौर: सीएम ने किया इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 का लोकार्पण

मप्र बन रहा देश का लॉजिस्टिक हब: सीएम

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में रेल और विमानन सेवाओं के साथ रोड कनेक्विटी के लिए हो रहे कार्यों से विकास की गति ने तेजी पकड़ ली है। इससे मध्यप्रदेश देश का लॉजिस्टिक हब बनता जा रहा है। हमारी सरकार का संकल्प है कि राज्य में हर 150 किलोमीटर पर एक कमर्शियल एयरपोर्ट विकसित किया जाएगा। सीएम रविवार को इंदौर में लोकमाता अहिल्याबाई इंटरनेशनल एयरपोर्ट में टर्मिनल-1 का लोकार्पण करने के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे।

सीएम ने कहा कि वर्तमान में प्रदेश में 8 एयरपोर्ट, 20 हवाई पट्टियां और 220 हेलीपैड्स मौजूद हैं। बीते दो साल में ही हमने प्रदेश में रीवा, सतना और दतिया में नए एयरपोर्ट का संचालन शुरू किया है। उज्जैन और शिवपुरी में भी नया एयरपोर्ट बनाने की तैयारी है।

डॉ. यादव ने कहा है कि अब हवाई चप्पल पहनने वाला व्यक्ति भी हवाई जहाज की यात्रा करने में समर्थ्य हुआ है।

प्रदेश में हर 150 किमी पर कमर्शियल एयरपोर्ट का लक्ष्य

सीएम ने कहा कि प्रदेश में हर 150 किमी पर एक कमर्शियल एयरपोर्ट, हर 75 किमी पर एक एयरस्ट्रिप और प्रत्येक 45 किमी पर एक हेलीपैड की सुविधा उपलब्ध हो, इस लक्ष्य को लेकर राज्य सरकार काम कर रही है। तीनों क्षेत्रों में अभूतपूर्व विस्तार हो रहा है।

नया टर्मिनल प्रति घंटे 400 यात्रियों को संभालने में सक्षम

सीएम ने कहा कि इंदौर के नए टर्मिनल में यात्रियों को वर्ल्ड क्लास सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी। अब यह नया टर्मिनल प्रति घंटे लगभग 400 यात्रियों को संभालने में सक्षम हो गया है। इसमें 14 चेक-इन काउंटर्स बनाए गए हैं और लगभग 300 यात्रियों के बैठने की व्यवस्था भी यहां की गई है। करीब 6 हजार वर्गमीटर क्षेत्रफल में बने इस टर्मिनल की वार्षिक यात्री क्षमता 15 लाख है। यात्रियों की सुविधा के लिए यहां उड़ान यात्री कैफे की शुरुआत भी की जा रही है। इसमें यात्रियों को 10 रुपये में चाय और 20 रुपये में नाश्ता मिलेगा।

प्रदेश में पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा की शुरुआत भी की गई है, इससे गंभीर रोगों से ग्रसित मरीजों को त्वरित उपचार के लिए हायर सेंटर पहुंचाया जा रहा हैं।

नये टर्मिनल के लोकार्पण कार्यक्रम में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजारापु राममोहन नायडू ने भी वर्चुअली सहभागिता की।

बड़ा फैसला: पेट्रोल पंपों पर भी मिलेगा केरोसिन

केंद्र ने हर जिले में 2 पंपों को दी अनुमति

नई दिल्ली, जेएनएन। देश में ईंधन आपूर्ति को सुचारू बनाए रखने के लिए केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। अब राशन की दुकानों के साथ-साथ पेट्रोल पंपों पर भी केरोसिन (मिट्टी का तेल) उपलब्ध कराया जाएगा। सरकार ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के नियमों में अस्थायी ढील देते हुए यह व्यवस्था लागू करने का निर्णय लिया है।

सरकार के फैसले के मुताबिक हर जिले में अधिकतम 2 पेट्रोल पंप चुने जाएंगे। इन पंपों पर केरोसिन स्टोर और वितरण किया जा सकेगा। प्रत्येक पंप पर अधिकतम 5,000 लीटर केरोसिन रखने की अनुमति होगी राज्य सरकारें और केंद्रशासित प्रदेश प्रशासन इन पेट्रोल पंपों का चयन करेंगे। यह फैसला पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के कारण लिया गया है, जिससे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित हो रही है।

इन नियमों में छूट

- केरोसिन डीलरों और एजेंटों को कुछ लाइसेंस लेने से छूट
- टैंकर से सप्लाई (अनलोडिंग) के नियम आसान
- पेट्रोल पंपों पर अस्थायी रूप से स्टोरेज और वितरण की अनुमति

60 दिनों के लिए ढील

सरकार ने केरोसिन की सप्लाई आसान बनाने के लिए 60 दिनों के लिए पीडीएस नियमों में ढील दी है। इसका उद्देश्य जरूरतमंद परिवारों तक समय पर ईंधन पहुंचाना, सप्लाई चेन को मजबूत करना और वैकल्पिक ईंधन की उपलब्धता बढ़ाना है।

तेलंगाना: पेरेंट्स सपोर्ट बिल

माता-पिता की अनदेखी की तो कटेगा वेतन

हैदराबाद, जेएनएन। तेलंगाना सरकार ने बुजुर्ग माता-पिता की उपेक्षा के बढ़ते मामलों को देखते हुए बड़ा कदम उठाया है। राज्य कैबिनेट ने एक महत्वपूर्ण विधेयक को मंजूरी दी है, जिसके तहत यदि कोई व्यक्ति अपने वृद्ध माता-पिता की देखभाल नहीं करता है, तो उसकी सैलरी से कटौती कर सीधे माता-पिता को आर्थिक सहायता दी जाएगी। यह निर्णय मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में लिया गया, जहां सामाजिक सुरक्षा और कानून व्यवस्था से जुड़े कई अहम प्रस्तावों को भी मंजूरी दी गई। प्रस्तावित 'पेरेंट्स सपोर्ट बिल' के तहत यदि कोई जनप्रतिनिधि, सरकारी कर्मचारी या निजी कर्मचारी अपने बुजुर्ग माता-पिता की देखभाल नहीं करता है तो उसकी सैलरी का 15 फीसदी या अधिकतम 10,000 रुपए (जो भी कम हो) काट लिया जाएगा। यह राशि सीधे माता-पिता को दी जाएगी। बिल में प्राइवेट सेक्टर के कर्मचारियों को भी शामिल किया गया है।

नैतिकता बनाम कानून बहू को गुजारा भत्ता देने के लिए बाध्य करने से इलाहाबाद हाईकोर्ट का इनकार

सास-ससुर को बहू से भरण-पोषण लेने का अधिकार नहीं

प्रयागराज, जेएनएन। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपने एक महत्वपूर्ण फैसले में यह स्पष्ट किया कि नैतिक दायित्व को कानूनी दायित्व में नहीं बदला जा सकता। अदालत ने एक वृद्ध दंपति की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने अपने बेटे की मृत्यु के बाद बहू से भरण-पोषण दिलाने की मांग की थी। अदालत ने कहा कि कानून में सास-ससुर को उन श्रेणियों में शामिल नहीं किया गया है, जो भरण-पोषण की मांग कर सकते हैं, इसलिए इस प्रकार की मांग को स्वीकार नहीं किया जा सकता।

यह मामला सामाजिक और कानूनी विमर्श के बीच के अंतर को उजागर करता है, जहां एक ओर पारिवारिक और नैतिक जिम्मेदारियों की बात होती है, वहीं दूसरी ओर कानून की सीमाएं स्पष्ट रूप से निर्धारित होती हैं।

यह है पूरा मामला

याचिकाकर्ता वृद्ध दंपति ने अदालत में कहा कि उनका इकलौता बेटा, जो पुलिस कांस्टेबल था, उनकी आजीविका का एकमात्र सहारा था। बेटे की मृत्यु 31 मार्च 2021 को हो गई और वे असहाय हो गए। उनकी बहू भी कांस्टेबल है। याचिका में कहा गया कि बेटे की मृत्यु के बाद बहू को उसकी सेवा से जुड़े सभी लाभ और सेवानिवृत्ति संबंधी धनराशि प्राप्त हुई है। ऐसे में, उनके अनुसार, बहू का यह नैतिक कर्तव्य बनता है कि वह अपने वृद्ध सास-ससुर की देखभाल करे और उनका भरण-पोषण करे।

"विधायिका ने अपनी समझ के अनुसार इस प्रावधान में सास-ससुर को शामिल नहीं किया है। इसका अर्थ यह है कि कानून का उद्देश्य बहू पर ऐसा दायित्व डालना नहीं है। नैतिक दायित्व चाहे जितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, उसे कानून के रूप में लागू नहीं किया जा सकता, जब तक कि इसके लिए विधिक आधार न हो।
- हाईकोर्ट की टिप्पणी

कानून की सीमाएं स्पष्ट

न्यायमूर्ति मदन पाल सिंह की एकल पीठ ने अपने फैसले में कहा कि दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 125 (अब भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता–बीएनएसएस के अंतर्गत संबंधित प्रावधान) के तहत भरण-पोषण का अधिकार एक वैधानिक अधिकार है, जो केवल उन्हीं व्यक्तियों तक सीमित है, जिन्हें कानून में स्पष्ट रूप से उल्लेखित किया गया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि इन प्रावधानों में सास-ससुर को शामिल नहीं किया गया है। इसलिए बहू पर यह कानूनी दायित्व नहीं डाला जा सकता कि वह अपने सास-ससुर का भरण-पोषण करे।

दलील: दंपति वृद्ध, अशिक्षित और आर्थिक रूप से हैं कमजोर

मामले की शुरुआत आगरा की फैमिली कोर्ट से हुई। 21 अगस्त 2025 को प्रधान न्यायाधीश ने दंपति की याचिका को खारिज कर दिया था। इसके बाद इलाहाबाद हाईकोर्ट में पुनरीक्षण याचिका दायर की। वकील ने दलील दी कि फैमिली कोर्ट का आदेश मनमाना और अवैध है। उन्होंने कहा कि दंपति वृद्ध, अशिक्षित और आर्थिक रूप से कमजोर हैं और अपने बेटे पर पूरी तरह निर्भर थे। वकील ने यह भी कहा कि बहू का सास-ससुर के प्रति नैतिक दायित्व होता है। अदालत ने कहा कि नैतिक दायित्व और कानूनी दायित्व अलग-अलग होते हैं। नैतिक रूप से यह अपेक्षा की जा सकती है कि बहू सास-ससुर की देखभाल करे, लेकिन इसे कानून के माध्यम से लागू नहीं किया जा सकता, जब तक कि स्पष्ट वैधानिक प्रावधान न हो।

वित्त मंत्रालय का मासिक आर्थिक सर्वेक्षण

अर्थव्यवस्था की रफ्तार धीमी तेल-सप्लाई संकट का असर

नई दिल्ली, जेएनएन। वित्त मंत्रालय ने अपनी ताजा मंथली इकोनॉमिक रिव्यू रिपोर्ट में स्वीकार किया है कि भारतीय अर्थव्यवस्था की रफ्तार अब धीमी पड़ने लगी है। रिपोर्ट के मुताबिक, पश्चिम एशिया में जारी तनाव और वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने देश की आर्थिक गतिविधियों पर दबाव बढ़ा दिया है।

मंत्रालय ने साफ कहा है कि बाहरी परिस्थितियों के कारण उत्पादन लागत (इनपुट कॉस्ट) बढ़ी है, जिससे उद्योग और सप्लाई सिस्टम दोनों प्रभावित हुए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, फरवरी 2026 तक भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत स्थिति में थी। घरेलू मांग अच्छी बनी हुई थी। इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में विस्तार जारी था। मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर में ग्रोथ बनी हुई थी। वाहन बिक्री और डिजिटल पेमेंट में भी लगातार वृद्धि हो रही थी लेकिन मार्च में वैश्विक हालात बदलने लगे और इसका असर भारत पर भी दिखने लगा।

रिपोर्ट में कुछ प्रमुख संकेतकों के आधार पर भी सुस्ती की पुष्टि की गई है। इनमें ई-वे बिल जनरेशन में कमी और फ्लैश पीएमआई (परचेज मैनेजर इंडेक्स) के आंकड़े कमजोर हैं। ये संकेत बताते हैं कि महीने-दर-महीने आधार पर आर्थिक गतिविधियों की गति धीमी हुई है।

ये हैं बड़े कारण

- महंगा कच्चा तेल
- लॉजिस्टिक्स और इंश्योरेंस महंगा
- माल ढुलाई का किराया बढ़ा
- इंश्योरेंस प्रीमियम महंगे हुए
- सप्लाई चेन में बाधा

संक्षिप्त खबरें

आरजीपीवी भर्ती कराने 31 तक जमा कराएगा आवेदन

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विवि के यूआईटी शिवपुरी में अतिथि विद्वानों की भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। यूआईटी शिवपुरी के सिविल इंजीनियरिंग विभाग और एप्लाइड साइंस विभाग (गणित) में रिक्त पदों के लिए योग्य उम्मीदवारों से आवेदन जमा कराए जा रहे हैं। चयन प्रक्रिया मप्र शासन के तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार विभाग द्वारा निर्धारित मापदंडों के अनुसार होगी। उम्मीदवारों को यूआईटी शिवपुरी द्वारा जारी गूगल फॉर्म के माध्यम से 31 तक अपना आवेदन ऑनलाइन जमा करना है। स्क्रूटनी होने के बाद उम्मीदवारों को छह अप्रैल को सुबह साढ़े दस बजे संबंधित विभाग में रिपोर्ट करना होगी। इस दौरान उम्मीदवारों को अपने साथ मूल शैक्षणिक दस्तावेज, उनकी स्व-प्रमाणित छायाप्रति और विधिवत भरा हुआ आवेदन फॉर्म लाना आवश्यक है।

महिला उत्पीड़न को लेकर कांग्रेस ने व्यक्त की चिंता

जागरण संवाददाता, भोपाल। देशभर में जनप्रतिनिधियों सहित विभिन्न प्रभावशाली लोगों द्वारा किए जा रहे महिला उत्पीड़न को लेकर महिला कांग्रेस भोपाल द्वारा चिंता व्यक्त की गई। रविवार दोपहर को 1100 क्वार्टर में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान महिला कांग्रेस भोपाल की रूपाली शर्मा द्वारा महिलाओं पर हो रहे अत्याचार का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। इस दौरान हाल ही में भाजपा से जुड़े कुछ लोगों पर लगे महिला उत्पीड़न के आरोपों को लेकर सरकार से मांग की गई कि सभी मामलों की निष्पक्ष जांच कराई जाए। क्योंकि यह केवल व्यक्तिगत घटनाएं नहीं, जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इस अवसर पर महिला कांग्रेस की प्रमुख नेता रूपाली शर्मा, महक राणा, शोभा चहांडे एवं शोभा चौहान उपस्थित रहे।

रेलकर्मियों को फ्रॉड से बचाने जारी की एडवाइजरी

नगर संवाददाता, भोपाल। रेल कर्मचारियों व पेंशनर्स को साइबर फ्रॉड से बचाने के लिए भोपाल रेल मंडल ने एडवाइजरी जारी की है। अधिकारियों ने बताया कि संज्ञान में आया है कि अज्ञात व्यक्ति स्वयं को रेल अधिकारी बताकर सेवानिवृत्त एवं सेवानिवृत्ति के निकट कर्मचारियों को फोन कॉल कर रहे हैं तथा बैंक खाता, एटीएम विवरण, ओटीपी, पिन एवं अन्य जानकारी लेने का प्रयास कर रहे हैं। रेल प्रशासन स्पष्ट करता है रेलवे का कोई भी अधिकारी अथवा विभाग फोन के माध्यम से बैंकिंग से संबंधित गोपनीय जानकारी, ओटीपी, पिन या पासवर्ड नहीं मांगता है। कॉल फर्जी एवं धोखाधड़ी का प्रयास है। रेल प्रशासन ने कर्मचारियों व पेंशनर्स से अपील की है कि वह किसी भी प्रकार की साइबर धोखाधड़ी की आशंका होने पर तुरंत राष्ट्रीय साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 पर संपर्क करें अथवा निकटतम रेलवे कार्यालय को सूचित करें।

चित्रांश समाज का मंदिर चलो अभियान शुरू

भोपाल। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के प्रदेश अध्यक्ष सुनील श्रीवास्तव के नेतृत्व में मंदिर चलो अभियान के अंतर्गत चित्रांश समाज की धार्मिक एवं सांस्कृतिक यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा के दौरान सर्वप्रथम राम राजा मंदिर में भगवान श्रीराम के दिव्य दर्शन किए गए। तत्पश्चात दल ने पीतांबरा पीठ पहुंचकर मां पीतांबरा के दर्शन किए एवं मंदिर में अन्य देवी-देवताओं के दर्शन कर आध्यात्मिक ऊर्जा अर्जित की। इसके उपरांत विश्व प्रसिद्ध उन्नाव स्थित भगवान सूर्य मंदिर में दर्शन कर सभी सदस्य भोपाल के लिए प्रस्थान किए।

8 साल बाद प्रदेश में कराए जा सकते हैं सहकारिता चुनाव

सरकार और भाजपा संगठन ने शुरू की तैयारी, कृषि कल्याण वर्ष के दौरान हो सकते हैं चुनाव

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश में यदि सबकुछ ठीक रहा तो लगभग 8 साल बाद सहकारिता के क्षेत्र में आने वाली साख समितियों और सहकारी बैंकों के चुनाव इस साल के अंत में कराए जा सकते हैं। सूत्रों की मानें तो इसके लिए सरकार ने अपने स्तर पर तैयारी शुरू कर दी है, तो भाजपा संगठन भी इन चुनावों को लेकर अपनी स्थिति का आंकलन करने में जुट गई है।

जानकारों की मानें तो मुख्यमंत्री किसानों को कृषि कल्याण वर्ष के दौरान सहकारिता के चुनाव कराकर किसानों को पदों पर बैठाने का तोहफा दे सकते हैं। मुख्यमंत्री द्वारा पिछली बार जब विभागीय समीक्षा की गई थी, तब कृषि और सहकारिता विभाग के अधिकारियों को ये चुनाव कराने की तैयारी करने के निर्देश दिए थे। इन दोनों विभागों के मंत्रियों से भी कहा था कि वे अपने विभागों की योजनाओं के माध्यम से किसानों तक पहुंचे और उन्हें तमाम योजनाओं का लाभ देकर उनकी नब्ज को टटोलें। गौरतलब है कि मध्यप्रदेश में वर्ष 2013 को राज्य की 4,523 प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति और 38 जिला सहकारी केन्द्रीय बैंकों के चुनाव कराए गए थे। जिनका कार्यकाल वर्ष 2018 में पूरा हो गया था,यानि कि इसी वर्ष सहकारिता के चुनाव कराए जाने थे, किंतु विधानसभा और फिर लोकसभा चुनाव के कारण मध्यप्रदेश में ये चुनाव टाल दिए गए। हालांकि जानकारों का कहना है कि सरकार न जानबूझकर यह चुनाव इसलिए नहीं कराए, क्योंकि तब सत्ता पर बैठी भाजपा सरकार ने पूर्ववर्ती कमलनाथ सरकार की किसान कर्ज माफी योजना को बंद कर दिया था, जिससे उसे किसानों के बीच अपना ग्राफ कम होने की आशंका थी, जिसकी वजह से चुनाव नहीं कराए गए। बाद में सरकार ने अधिनियम में संशोधन कर यह तय कर दिया कि विशेष परिस्थितियों में चुनाव संबंधी प्रावधान शिथिल भी किए जा सकते है। इस संबंध में जब भी कांग्रेस या दूसरे दलों ने सहकारी चुनाव नहीं कराने का आरोप सरकार पर मढ़ा,तो सदन से लेकर सरकारी कार्यक्रमों में जल्द ही चुनाव कराने की बात जिम्मेदारों द्वारा कही गई। सूत्रों का कहना है कि अब सरकार चाहती है कि मध्यप्रदेश में सहकारी चुनाव कराकर अपनी किसानों के मध्य अपनी पकड़ को और मजबूत किया जा सके। हालांकि गैरदलीय चुनाव होने की वजह से राजनैतिक दलों का सीधा हस्तक्षेप नहीं रहता है,लेकिन राजनीतिक तौर पर यह चुनाव काफी अहम माने जाते है,ऐसे में राजनैतिक दल इन चुनावों में अपने-अपने समर्थकों के जरिए अपना जनाधार का मूल्यांकन भी करते है।

कृषि मंडियों के चुनाव कराने पर भी फोकस

इसी तरह सरकार कृषि मंडियों के चुनाव भी इसी साल करा सकती है। यह चुनाव भी वर्ष 2017 में कराए जाने थे,लेकिन तभी से चुनाव टलते आ रहे है और राज्य की कृषि उपज मंडियां प्रशासकों के हवाले हैं। गौर करने वाली बात यह भी है कि नियमतया कृषि उपज मंडियों में अधिकतम दो साल तक के लिए ही प्रशासकों को बैठाया जा सकता है। लेकिन अब यह समय सीमा काफी आगे निकल चुकी है। जल उपभोक्ता संस्था समितियों के चुनाव की भी स्थिति कुछ ऐसी ही है। इनके भी चुनाव वर्ष 2018 से नहीं कराए गए है। हालांकि सरकार ने नियमों में संशोधन कर जल उपभोक्ता संस्था समितियों का कार्यकाल 2 से बढ़ाकर 5 साल कर दिया था।

पंचायती राज चुनाव अप्रैल 2027 में प्रस्तावित

जानकारों की मानें तो सरकार चाहती है कि प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायती राज चुनाव से पहले सहकारिता और कृषि उपज मंडी और जल उपभोक्ता संस्था समितियों के चुनाव करा दिए जाएं। पंचायती राज चुनाव अप्रैल 2027 में प्रस्तावित है। ऐसे में सरकार इन चुनावों को इसी साल दिसम्बर माह से पहले तक कराना चाहती है। सूत्रों का कहना है कि तो सरकार कृषि कल्याण वर्ष के दौरान भोपाल या राज्य के किसी दूसरे स्थान पर किसानों से जुड़ा एक बड़ा सम्मेलन कर सकती है,जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी होगी। इसी कार्यक्रम में सरकार सहकारिता और कृषि उपज मंडी सहित किसानों से जुड़े दूसरे चुनाव कराने की घोषणा कर सकती है।

भोपाल को प्रवेश में अव्वल बनाने छुट्टी के दिन भी काम करेंगे शिक्षक

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। विद्यार्थियों के प्रवेश में फिसड्डी भोपाल जिले को पहले नबंर पर लाने हर कोशिश की जा रही है। इसके चलते जिला शिक्षा अधिकारी ने शनिवार और रविवार की छुट्टी में भी शिक्षकों को विद्यार्थियों का नामांकन करने में मेहनत करनी होगी। ऐसा नहीं करने पर उनका वेतन भी रोका जा सकता है। जिला शिक्षा अधिकारी ने अवकाश के बीच सभी संकुल प्राचार्यों और बीआरसीसी को अपने कार्यालय में तलब किया। जिला शिक्षा अधिकारी नरेंद्र अहिरवार ने स्पष्ट किया कि मौजूदा शिक्षण सत्र में भोपाल को नामांकन की स्थिति में अव्वल बनाना है। हर प्राचार्य और शिक्षक को कड़ी मशक्कत करनी होगी। उन्होंने कहा कि प्रवेश की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। शनिवार और रविवार को भी सभी को कार्य करना होगा। शिक्षक शनिवार और रविवार को स्कूल नहीं जा सकते हैं, तो घर पर भी विद्यार्थियों के ऑनलाइन प्रवेश कर सकते हैं। कितना नामांकन हुआ इसकी रिपोर्ट जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय स्वंय लेगा।

सरकार ने प्रदेश के निकायों में 768 पार्षद किए मनोनीत, जल्द जारी होगी दूसरी सूची

सरकारी पदों पर शुरू हुआ नियुक्तियों का सिलसिला, सहमति बनाने के प्रयास जारी

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश में सरकारी पदों पर राजनीतिक नियुक्तियों का सिलसिला शुरू हो गया है। सरकार ने 169 निकायों में एल्डरमैन (मनोनीत पार्षद) की नियुक्ति कर दी है। इनमें 123 नगर परिषद और 46 नगर पालिका परिषदों में 768 नियुक्तियां की गई हैं। ऐसा माना जा रहा है कि अगले सप्ताह तक राज्य की सभी नगर निगमों सहित शेष परिषदों में भी एल्डरमैन बना दिए जाएंगे। निगम-मंडल-प्राधिकरण, जनभागेदारी समितियों और निकायों में एल्डरमैन की नियुक्ति को लेकर तकरीबन छह माह से चल रही कवायद के बाद सरकार से जुड़ी संस्थाओं पर राजनीतिक नियुक्तियों का सिलसिला शुरू कर दिया है।

रविवार को सरकार ने 123 नगर परिषदों के लिए 492 और 46 नगर पालिकाओं के लिए 276 मनोनीति पार्षदों के नाम की सूची जारी कर दी। गौरतलब है कि प्रदेश में मौजदा समय में 400 से नगर परिषद-नगर पंचायत और 99 नगर पालिका परिषद हैं। ऐसे में अभी भी सरकार को 277 नगर परिषदों और 53 नगर पालिका परिषदों के लिए एल्डरमैन बनाने हैं। जानकारों की मानें तो रविवार को उन्हीं नगर परिषदों और नगर पालिका परिषदों के एल्डरमैन की सूची जारी की गई है, जहां पर स्थानीय नेताओं और जिला संगठनों द्वारा सहमति बना ली गई है। जिन परिषदों की सूची जारी नहीं हो सकी है, वहां पर अब तक नामों पर आम राय नहीं बन पाई है। इसी तरह अब तक राज्य के सभी 16 नगर निगमों में एल्डरमैन बनाने को लेकर सहमति बनाने का प्रयास जारी है। पिछले सप्ताह भाजपा का वरिष्ठ नेतृत्व इसके लिए लगातार बैठके करता रहा है। शनिवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की लंबी बैठक के बाद एल्डरमैन की नियुक्तियों का रास्ता साफ हो गया। बताया गया है कि दोनों नेताओं ने निगम और शेष नगरपालिका व नगर परिषदों में पार्षदों को मनोनीत करने के बारे में संबंधित जिला संगठनों को जल्द निर्णय लेने को कहा है। हालांकि भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, रीवा और जबलपुर नगर निगमों में एल्डरमैन बनाने के बारे में प्रदेश भाजपा संगठन द्वारा ही निर्णय लिया जाएगा।

निगम मंडलों में नियुक्तियां जल्द

इन नियुक्तियों के साथ ही निगम मंडलों के अध्यक्ष उपाध्यक्षों पद पाने की उम्मीद लगाए दावेदारों को लगने लगा है कि जल्द ही उनके बारे में सरकार और भाजपा संगठन फैसला ले सकता है। खबर है कि अगले सप्ताह सरकार कुछ पदों पर नियुक्तियां कर सकती हैं।

विकसित मध्यप्रदेश में देंगे सहयोग : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने पार्षदों से उम्मीद जताई है कि वे विकसित मध्यप्रदेश-विकसित भारत के संकल्प के साथ अपनी ऊर्जा, अनुभव और समर्पण से अपने-अपने नगरों में प्रगति के नए आयाम जोड़ेंगे और नागरिकों की अपेक्षाओं पर शतप्रतिशत खरा उतरेंगे। सोशल मीडिया में जारी संदेश में डॉ. यादव ने कहा सभी को शहर के समग्र विकास, सुशासन और जनभागीदारी को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी ।

सम्मेलन में रमन सिंह व देवनानी भी रहेंगे मौजूद

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा में दो दिवसीय युवा सम्मेलन का सोमवार को आगाज होगा। जिसमें मध्यप्रदेश के स्पीकर नरेन्द्र सिंह तोमर के अलावा छत्तीसगढ़ और राजस्थान के विधानसभा अध्यक्ष भी मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मौजूदगी में होगा। राष्ट्रकुल संसदीय संघ (भारत क्षेत्र 6) के तीन राज्यों मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं राजस्थान के युवा विधायकों का दो दिवसीय सम्मेलन सोमवार को प्रारम्भ होगा,जिसमें 45 वर्ष से कम उम्र वाले मध्यप्रदेश के 37, राजस्थान के 13 और छत्तीसगढ़ के 13 विधायक शामिल होंगे। सम्मेलन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, विधानसभा के अध्यक्ष श्री नरेंद्र सिंह तोमर, राजस्थान विस अध्यक्ष वासुदेव देवनानी उपस्थित रहेंगे। प्रथम दिवस 'लोकतंत्र और नागरिकों की भागीदारी को मजबूत करने के लिये युवा विधायकों की भूमिका' विषय पर मंथन होगा। रविवार को स्पीकर तोमर विधानसभा परिसर पहुंचे और उन्होंने सम्मेलन की तैयारियों का जायजा लिया। इस अवसर पर विधानसभा के प्रमुख सचिव श्री अरविंद शर्मा भी उपस्थित रहे। समापन समारोह में राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश उपस्थित रहेंगे।

रविवार को जारी रहा बोर्ड की उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। अप्रैल के दूसरे सप्ताह में रिजल्ट देने की कोशिश में शिक्षकों से रविवार को भी बोर्ड की उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन कराया गया है। इसकी जिम्मेदारी सभी जिला कलेक्टर को दी गई है। कलेक्टर समन्वय केंद्रों से रिपोर्ट तलब कर बताएंगे रविवार को कितने शिक्षकों ने मूल्यांकन में भागीदारी की और कितने अनुपस्थिति रहे। अनुपस्थित शिक्षकों से मंडल जवाब तलब करेगा। जवाब संतोषजनक नहीं होने की दृष्टि पर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों का कहना है कि मंडल को अप्रैल के प्रथम सप्ताह में रिजल्ट देना था, लेकिन कापियों की संख्या अधिक होने पर समय लग रहा है। इसलिए दूसरे सप्ताह में मूल्यांकन पूरा हो जाएगा और रिजल्ट जारी कर पाएंगे। दूसरी परीक्षा का विरोध कर रहे शिक्षकः माध्यमिक शिक्षा मंडल दूसरी परीक्षा मई में कराने की तैयारी में है, जिसका शिक्षक विरोध कर रहे हैं। उनके ग्रीष्मकालीन अवकाश प्रभावित हो रहे हैं। हालांकि एक मई से परीक्षा प्रस्तावित हो चुकी है। इसलिए रिजल्ट अप्रैल दूसरे सप्ताह में जारी करने की कवायद की जा रही है। बोर्ड में अधिकारियों का कहना है कि मूल्यांकन के प्रतिदिन का अपडेट लिया जा रहा है। हर जिले में ऑनलाइन कनेक्टिविटी बढ़ाई गई है। कापियों के आवंटन का कार्य भी काफी तेजी से चल रहा है, ताकि अप्रैल में ही रिजल्ट जारी किया जा सके।

कलेक्टरों से कराई जा रही मूल्यांकन की निगरानी

कांग्रेस की कोई विचारधारा नहीं: हेमंत

भाजपा समाज के साथ देश की सेवा में जुटी, इसलिए दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी

विशेष संवाददाता भोपाल। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने रविवार को हरदा में जिला पदाधिकारी व मंडल अध्यक्ष एवं प्रमुख कार्यकर्ता बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि देश में दो ही दल हैं, जिनकी अपनी विचारधारा है। पहली है पार्टी, दूसरी कम्युनिस्ट पार्टी। भाजपा समाज के साथ देश की सेवा में जुटी है, इसलिए दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बनी। कम्युनिस्ट अपनी विचारधारा के कारण समाज से दूर होती गई और उसका अस्तित्व आज लगभग समाप्त हो चुका है। कांग्रेस पार्टी की कोई विचारधारा नहीं है, इसलिए उसका अस्तित्व भी कमजोर हुआ है। कांग्रेस स्वतंत्रता संग्राम के समय अंग्रेजों के खिलाफ एक मंच था। इसी मंच में विभिन्न विचारधाराओं वाले नेताओं ने एकजुट होकर देश की आजादी की लड़ाई लड़ी। देश के आजाद होने के बाद कांग्रेस एक परिवार की पार्टी बन गई, जिससे वह कमजोर होती चली गई। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता ही पार्टी का चेहरा होते हैं और उनका आचरण पार्टी की छवि को जनता में प्रस्तुत करता है। हमें ऐसा आचरण अपनाना चाहिए जिससे पार्टी की छवि और निखरे।भाजपा लगातार सत्ता में है तो इसका पूरा श्रेय पार्टी कार्यकर्ताओं को जाता है। भाजपा के लिए राजनीति सत्ता नहीं, सेवा का माध्यम है। पार्टी कार्यकर्ता जनता की सेवा कर रहे हैं, इसलिए हम लगातार सत्ता में आ रहे हैं। भाजपा ने कभी भी अपनी विचारधारा से समझौता नहीं किया।

अरेरा मंडल में सुनी मन की बात

प्रदेशाध्यक्ष खंडेलवाल ने भोपाल की मध्य विधानसभा क्षेत्र के अरेरा मंडल के बूथ क्रमांक 229 पर मौजूद कार्यकर्ताओं और पार्टी पदाधिकारियों के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यक्रम मन की बात को सुना। इस मौके पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी मन की बात के कार्यक्रम के माध्यम से देश की हर बात को देशवासियों के सामने लाते है। मध्यप्रदेश में भाजपा द्वारा 99 प्रतिशत बूथों पर मन की बात कार्यक्रम को सुना जाता है। इस मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष शैलेन्द्र बरुआ,पूर्व विधायक ध्रुवनारायण सिंह,सह मीडिया प्रभारी अंशुल तिवारी ,वीडीए के पूर्व उपाध्यक्ष सुनील पांडे सहित दूसरे नेता और पदाधिकारी मौजूद रहे।

आयोजन इंदौर में सीएम ने सुनी मन की बात, दूसरे कार्यक्रमों में भी हुए शामिल

मन की बात एकजुटता का देती है संदेश

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मन की बात कार्यक्रम के जरिए देश को सौहार्द्र, भाईचारे और एकजुटता से रहने का सकारात्मक संदेश देते हैं। यह प्रधानमंत्री की देश से अपनी बात कर सबसे जुड़े रहने का एक सशक्त माध्यम है। डॉ. यादव ने यह बात इंदौर में मन की बात कार्यक्रम सुनने के उपरांत कहा कि देश में हो रहे विकास, नवाचार, जनकल्याण के कामों के साथ गैर राजनीतिक विषयों को सामने लाकर बहुत सजह ढंग से अपनी बात रखते है। यह देश प्रदेश के लिए प्रधानमंत्री का बहुत ही अद्भूत प्रयास है। सीएम अपने इंदौर प्रवास के दौरान नर्मदा के चतुर्थ चरण के भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल हुए। इस मौके पर उन्होंने कहा कि मां नर्मदा प्रदेश की जीवन रेखा है और उनके आशीर्वाद से मध्यप्रदेश में विकास की नई धारा प्रवाहित हो रही है। उन्होंने कहा कि अब इंदौर वासियों को मां नर्मदा का पानी मिलेगा। इससे इस क्षेत्र को अभूतपूर्व विकास होगा। सीएम ने कहा कि इससे शहर की पेयजल आपूर्ति संबंधित बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलेगी और नागरिकों को बेहतर जलापूर्ति सुविधाएं प्राप्त होंगी। सरदार सरोवर परियोजना के माध्यम से गुजरात, राजस्थान एवं मध्यप्रदेश के निमाड़ क्षेत्र सहित व्यापक भू-भाग में जल उपलब्धता सुनिश्चित हुई है, जिससे कृषि, उद्योग एवं पेयजल की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार आया है।

मुख्यमंत्री ने इंदौर में संकल्प से समाधान शिविर में विभिन्न योजनाओं में हितलाभ वितरित किए।

देश का दूसरा सबसे बड़ा मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र

मुख्यमंत्री ने कहा कि तेजी से विकसित हो रहे इंदौर शहर के लिए आगामी 25 वर्षों की जल आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए समग्र योजना बनाई गई है, जिससे क्षेत्र में पेयजल की समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित होगा। इंदौर-उज्जैन मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र देश के प्रमुख विकास केंद्रों में शामिल हो रहा है। आने वाले समय में यह क्षेत्र लगभग डेढ़ करोड़ की आबादी के साथ देश का दूसरा सबसे बड़ा मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र बनेगा। डॉ. यादव ने कहा प्रदेश में अब जल गंगा संवर्धन अभियान प्रारंभ किया गया है, जिसके अंतर्गत लगभग पौने तीन लाख कुएं, बावड़ी, तालाब एवं नहरों का निर्माण एवं जल संरचनाओं पुनर्जीवित किया जाएगा। केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना से बुंदेलखंड क्षेत्र के 25 जिलों को लाभ मिलेगा, वहीं पार्वती-कालीसिंध-चंबल परियोजना से मध्यप्रदेश एवं राजस्थान के 13 जिलों में सिंचाई एवं पेयजल की सुविधाएं सुदृढ़ होंगी। उन्होंने शिप्रा नदी के पुनर्जीवन के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि आगामी सिंहस्थ-2028 में श्रद्धालु शिप्रा के स्वच्छ जल में स्नान कर सकेंगे।

दैनिक जागरण
भोपाल, 30 मार्च 2026

राजधानी जागरण

03

राजधानी का तापमान/मौसम
अधिकतम 36.2°c न्यूनतम 22.2°c
राजधानी में आज तापमान बढ़ने की संभावना है। बादल भी छाए रहेंगे

•11• राज्य •31• संस्करण
मध्य प्रदेश • उत्तर प्रदेश • दिल्ली • हरियाणा • उत्तराखंड • पंजाब • जम्मू-कश्मीर • बिहार • झारखंड • हिमाचल प्रदेश • पश्चिम बंगाल से प्रकाशित
www.dainikjagranmpcg.com

नगर में आज

बयार सांस्कृतिक महोत्सव-2
- नाटक: सपना मेरा राही सखी
- स्थान: कारवां बॉक्स थिएटर
- समय: शाम 7 बजे

प्रोत्साहन मंच
- स्थान: मंजरी हॉल, न्यू मार्केट
- समय: शाम 5 से 6 बजे

राष्ट्रीय बाल नाट्य समारोह
- नाटक: आदाब
- स्थान: अर्घ्य प्रेक्षागृह, गांधी भवन
- समय: शाम 7 बजे से

नाट्य महोत्सव
- नाटक : पंच लाइट
- स्थान: दुष्यन्त संग्रहालय
- समय: शाम 7 बजे से

नवजात की मौत पर काटजू में हंगामा, तलवार लेकर पहुंचे परिजन

प्रबंधन बोला- लेबर पेन के दौरान बिगड़ गई थी बच्चे की हालत, महिला चिकित्सक व नर्सिंग स्टाफ ने खुद को कमरे में किया बंद

नगर संवाददाता, भोपाल। कैलाशनाथ काटजू अस्पताल में रविवार रात एक नवजात की मौत हो गई। इसके बाद परिजन भड़क गए और उन्होंने अस्पताल परिसर में हंगामा खड़ा कर दिया। इतना ही प्रसूता के परिजन में से कोई व्यक्ति तलवार लेकर अस्पताल पहुंच गया और स्टाफ को धमकाने लगा। युवक के हाथ में तलवार देख महिला चिकित्सक और नर्सिंग स्टाफ ने खुद को कमरे में बंद कर लिया। इसके बाद अस्पताल प्रबंधन ने तुरंत टीटी नगर पुलिस को इसकी सूचना दी, मौके पर पहुंची पुलिस ने परिजनों समझा बुझाकर मामला शांत कराया।

पहला बच्चा था, शनिवार को भर्ती किया था: इस मामले में जानकारी देते हुए पीड़िता के देवर सूरज रैकवार ने बताया कि मेरी चाची संजना रैकवार नौ महीने की गर्भवती थीं। उन्हें शनिवार को काटजू अस्पताल में भर्ती किया था। यह उनका पहला बच्चा था। रविवार शाम 5 बजे उन्हें प्रसव पीड़ा शुरू हुई। लेबर रूम में प्रसव की प्रक्रिया चल रही थी, बच्चा आधा बाहर भी आ गया था, लेकिन अचानक डॉक्टर संजना को आपरेशन थियेटर में ले गए। परिजनों को बताया गया कि स्थिति गंभीर है। कुछ देर बाद खबर दी गई कि मृत बच्चा पैदा हुआ है। यह सुन परिजन होश खो बैठे और चिकित्सकों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा खड़ा कर दिया।

डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप

परिजन का कहना है कि जब प्रसव नार्मल होना था तो फिर अंतिम समय में आपरेशन की नौबत क्यों आई। इतना ही नहीं जब आपरेशन के लिए इंतजार क्यों किया। पता चला है कि जिस समय संजना को दर्द हो रहे थे, उस समय अस्पताल में एक भी एनेस्थीसिया विशेषज्ञ मौजूद नहीं था। इसलिए आपरेशन में देर लगी और गर्भ में बच्चे की मौत हो गई।

लेबर पेन के समय बिगड़ा मामला

इस पूरे मामले में अस्पताल प्रबंधन ने अपनी सफाई दी है। अस्पताल इंचार्ज डॉ. रचना दुबे ने बताया कि महिला की स्थिति ठीक थी, लेकिन लेबर पेन के दौरान बच्चे का रोटेशन रुक गया। यह वो स्थित होती है जब बच्चे का सिर नीचे आता है और वह मां के पेट से बाहर निकलता है, लेकिन इसी दौरान बच्चे का रोटेशन रुक गया। इसलिए अंतिम समय में महिला को आपरेशन थियेटर में लेकर गए। लेकिन अफसोस बच्चे ने तब तक दम तोड़ दिया और वह मृत स्थिति में बाहर आया।

अवकाश के दोनों दिन हुई 800 रजिस्ट्रियां

जागरण संवाददाता, भोपाल। वित्तीय वर्ष के अंतिम सप्ताह में अवकाश के दोनों दिनों औसतन 800 से ज्यादा रजिस्ट्रियां दर्ज की गई हैं। बता दें कि 1 अप्रैल से कलेक्टर गाइड लाइन दर बढ़ने के बाद रजिस्ट्री भी महंगी हो जाएगी, जिसे देखते हुए लोग बड़ी संख्या में रजिस्ट्री कराने पहुंच रहे हैं। शनिवार को अवकाश के बावजूद 810 रजिस्ट्रियां हुई थीं। जिससे 10 करोड़ रुपए का राजस्व पंजीयन विभाग को प्राप्त हुआ था। वहीं रविवार को को भी 784 रजिस्ट्रियां दर्ज की गईं। इससे 21.74 करोड़ रुपए का राजस्व पंजीयन विभाग को मिला। का राजस्व आया। वरिष्ठ जिला पंजीयक स्वप्नेश शर्मा ने बताया कि वित्तीय वर्ष के अंतिम 2 दिनों में बंपर रजिस्ट्रियां होने की उम्मीद है। जिसके चलते अमले ने पहले से तैयारियां की हैं। गौरतलब है कि इस बार नवरात्रि के अवसर पर नौ दिनों में 5929 रजिस्ट्रियां दर्ज की गई हैं। जिससे 148.69 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ था। कलेक्टर गाइड लाइन बढ़ने से पहले बड़ी संख्या में लोग रजिस्ट्री करा रहे हैं।

31 करोड़ से ज्यादा का मिला राजस्व

नवी मुंबई उड़ान में पहले दिन गए 176 यात्री डिजी यात्रा सहित अन्य सुविधाएं भी हुईं शुरू

अतिथियों ने पुष्प देकर किया यात्रियों का स्वागत, विमानन मंत्री ने सुविधाओं का किया वर्चुअल लोकार्पण

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। इंडिगो ने रविवार से नवी मुंबई के लिए नई उड़ान का शुभारंभ किया। पहले ही दिन इसे जबरदस्त रिस्पांस मिला। इसमें जहां भोपाल से मुंबई 176 यात्री रवाना हुए, वहीं मुंबई से 174 यात्रियों का आगमन हुआ। इधर नागरिक उड्डयन मंत्री किंजारपु राममोहन नायडू जो राजकोट हवाई अड्डे से वर्चुअल लोकार्पण किया। आधुनिक यात्री सुविधाओं के साथ नव निर्मित घरेलू आगमन हॉल, उन्नत, बुनियादी ढांचे से सुसज्जित नया फायर स्टेशन, निर्बाध और संपर्क रहित यात्री प्रसंस्करण के लिए डिजी यात्रा, एयरपोर्ट पर आने जाने के अलग-अलग प्रवेश एवं निकासी के रास्तों का औपचारिक उद्घाटन किया। इधर मुंबई उड़ान के यात्रियों को अतिथियों ने गुलाब के फूल भेंट कर स्वागत किया। इस मौके पर एयरपोर्ट डायरेक्टर रामजी अवस्थी, महापौर मालती राय और विधायक रामेश्वर शर्मा, एयरपोर्ट महिला कल्याणमई संस्थान की अध्यक्ष माया अवस्थी आदि मौजूद थे।

अराइवल व डिपार्चर अलग-अलग किया

भोपाल एयरपोर्ट पर लगातार यात्रियों की बढ़ रही संख्या को देखते हुए अराइवल एवं डिपार्चर अलग-अलग किया गया है। यहां आरक्षित लांच भी बनाया गया है। बेल्ट दो लगाए गए हैं, इसके अलावा सिलाइडर भी लगाए गए हैं। आने वाले यात्रियों को एयरपोर्ट की बिल्डिंग के नीचे आना पड़ेगा जबकि जाने वालों को ऊपर आना होगा।

एयरपोर्ट पर अराइवल हॉल करीब 3800 वर्गमीटर में बना है, जिस पर लगभग 23 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। इससे एयरपोर्ट की यात्री क्षमता बढ़कर एक समय में करीब 3 हजार यात्रियों तक हो जाएगी। यहां अब आधुनिक कन्वेयर बेल्ट, लिफ्ट और एस्केलेटर जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं। साथ ही चेक-इन काउंटरों की संख्या 16 से बढ़ाकर 30 कर दी गई है। अगर दो से तीन उड़ानें एक साथ भी आती हैं, तो यात्रियों को अराइवल एवं डिपार्चर में कोई परेशानी नहीं होगी। डिजी यात्रा के विधिवत उद्घाटन के बाद पेपरलैस और कान्टैक्टलैस यात्रा का अनुभव मिलेगा।

भोपाल सहित आधे मप्र में बारिश की चेतावनी, चलेंगी तेज हवाएं

निमाड़ से लेकर विंध्य तक एक जैसा रहेगा मौसम

नगर संवाददाता, भोपाल। मध्य प्रदेश का मौसम फिलहाल स्थिर नहीं है। लगातार कभी गर्मी तो कभी बारिश के हालात बन रहे हैं। रविवार को मौसम केंद्र भोपाल ने जो बुलेटिन जारी किया है, उसमें एक बार फिर कई जिलों में बारिश की चेतावनी जारी की गई है। केंद्र से मिली जानकारी के मुताबिक 30 मार्च को प्रदेश की राजधानी भोपाल सहित 30 जिलों में न सिर्फ बादल छाएंगे, बल्कि बारिश की भी संभावना है। ऐसा मौसम प्रदेश में 2 अप्रैल तक रहने की उम्मीद है। इसके बाद एक और साइक्लोनिक सर्कुलेशन एक्टिव हो रहा है, जो मौसम को गर्मी बदलने से रोक सकता है। इससे पहले रविवार को ग्वालियर व चंबल संभाग में बादल छाए रहे, लेकिन बारिश नहीं हुई। रविवार को प्रदेश में गर्मी से राहत रही। कई जिलों में पारा 37 व 38 डिग्री के बीच रहा। जबकि खजुराहो और नौगांव में तापमान 39 डिग्री के ऊपर दर्ज किया गया। इससे इन क्षेत्रों में लोगों को तेज गर्मी का सामना करना पड़ा।

अगले चार दिन मौसम में अस्थिरता

मध्य प्रदेश में रविवार से अगले 4 दिन तक आंधी-बारिश का दौर रहेगा। वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) और टर्फ की वजह से ऐसा होगा। मौसम केंद्र के अनुसार, 30 और 31 मार्च को सिस्टम की स्ट्रॉन्ग एक्टिविटी देखने को मिलेगी। इस दौरान ग्वालियर और चंबल संभाग में ओले भी गिर सकते हैं। शनिवार को एमपी के पूर्वी हिस्से में दोनों सिस्टम सक्रिय रहे, जो रविवार को आगे बढ़े और अगले दो दिन पूरे राज्य पर इसका असर देखने को मिल सकता है। इस वजह से बारिश का दौर शुरू होगा। अगले 24 घंटे के दौरान ग्वालियर, चंबल और उज्जैन संभाग में बारिश का अलर्ट है। यहां 40 से 50 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से आंधी भी चल सकती है।

आत्मनिर्भर भारत
IFFCO
पूर्णतः सहकारी स्वामित्व
Wholly owned by Cooperatives
सहकार से समृद्धि

माननीय प्रधानमंत्री
श्री नरेन्द्र मोदी जी
"दुनिया के लिए सहकारिता एक बिजनेस मॉडल है, लेकिन भारत के लिए यह हमारी संस्कृति का आधार और जीवन जीने का तरीका है।"

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी एवं
माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी के
मार्गदर्शन में नैनो उर्वरकों से हो रही है भारतीय कृषि सशक्त

माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री
श्री अमित शाह जी

नैनो उर्वरकों का कमाल, हर खेत-किसान बने खुशहाल
नैनो यूरिया प्लस • नैनो डीएपी • नैनो एनपीके • नैनो ज़िंक • नैनो कॉपर
धरामृत • सागरिका • जैव उर्वरक
उत्तम खेती के लिए स्मार्ट समाधान

मिट्टी की उर्वरता बढ़े
कम लागत में अधिक उत्पादन
पर्यावरण के लिए सुरक्षित
फसल की गुणवत्ता में सुधार
कम मात्रा में अधिक प्रभाव
भंडारण एवं प्रयोग करने में आसान

इफको का है यह अभियान
स्वस्थ हो धरती, खुशहाल बने किसान

इफको के नैनो उर्वरक सम्पूर्ण स्वदेशी हैं | इफको द्वारा विकसित नैनो उर्वरक, आत्मनिर्भर भारत एवं आत्मनिर्भर कृषि की पहचान हैं

IFFCO
पूर्णतः सहकारी स्वामित्व
Wholly owned by Cooperatives

इंडियन फारमर्स फर्टिलाइजर कोआपरेटिव लिमिटेड
इफको सदन, सी-1, डिस्ट्रिक्ट सेंटर, साकेत प्लेस, नई दिल्ली - 110017
दूरभाष: 91-11-26510001, 91-11-42592626 | वेबसाइट: www.iffco.in
ग्राहक सेवा हेल्पलाइन नंबर (टोल फ्री): 1800 103 1967

इफको के उत्पाद और सेवाओं के बारे में अधिक जानकारी के लिए स्कैन करें और हमसे जुड़ें

संक्षिप्त खबरें

कैरियर इंस्टिट्यूट में निशुल्क कैंसर परीक्षण शिविर का आयोजन

जागरण, भोपाल। माहेश्वरी महिला संगठन पूर्वांचल, भोपाल द्वारा कैरियर इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के ऑडिटोरियम में निशुल्क विशाल कैंसर जागरूकता एवं परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। यह अद्भुत एवं जनकल्याणकारी पहल वास्तव में समाज सेवा का एक उत्कृष्ट उदाहरण बनकर आया। इस शिविर में डॉक्टर परामर्श, हीमोग्लोबिन जांच, ब्लड शुगर (आरबीएस), कोलपोस्कोपी, मैमोग्राम एवं पैप स्मियर जैसी अत्यंत महत्वपूर्ण एवं जीवन रक्षक जांचों को निःशुल्क किया गया। कार्यशाला में 67 महिलाओं का निर्धारित स्वास्थ्य जांचों के लिए पंजीयन एवं इतनी सुव्यवस्थित, सुसंगठित एवं सफलतापूर्वक संपन्न होना संगठन की कार्यकुशलता और सेवा भाव का जीवंत प्रमाण प्रदर्शित करता है। अध्यक्ष मनीषा काबरा ने बताया फोर्टिस हॉस्पिटल दिल्ली से आए प्रख्यात कैंसर विशेषज्ञ डॉ. वेदांत जी काबरा का अमूल्य योगदान इस शिविर की सफलता में स्वर्णिम अध्याय के समान है। उनके गहन अनुभव, विशेषज्ञ मार्गदर्शन एवं संवेदनशील परामर्श ने उपस्थित महिलाओं में न केवल स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाई, बल्कि उन्हें आत्मविश्वास और सुरक्षा का अहसास भी कराया। उनका यह समर्पण समाज के लिए एक अमूल्य प्रेरणा है। माहेश्वरी महिला संगठन पूर्वांचल की पूरी टीम एवं कैरियर हॉस्पिटल सपोर्ट स्टाफ का इस नेक कार्य में योगदान अनुकरणीय है।

11 मील और जाटखेड़ी इलाके में आज होगी बिजली कटौती

जागरण संवाददाता, भोपाल। सोमवार को शहर के 11 मील और जाटखेड़ी इलाके में बिजली कटौती की जाएगी। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी से मिली जानकारी के अनुसार आज रापड़िया स्थित दीपक वेयर हाउस, शुभम वेयर हाउस, आकृति एक्वा सिटी, अंबिका गृह निर्माण समिति, एमजी हेक्टर शोरूम, 11 मील तिराहा, गूंज नगर, सहारा कालोनी, राधाकृष्ण रेसीडेंसी व आसपास लाइन मेंटेनेंस कार्य के चलते सुबह 10 से 2.30 बजे तक बिजली कटौती की जाए गी। वहीं डिपार्टमेंटल कार्य के चलते जाटखेड़ी, 16 एकड़, कंजर मोहल्ला, बागमुगालिया बस्ती, भवानी नगर, अमृत होम्स कैंपस, पेबल बे व आसपास के इलाकों में सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक बिजली कटौती की जाएगी।

डॉ बृजेश चौरसिया ने शतरंज में दोहरी चैंपियनशिप प्राप्त की

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रायोजित और गर्ल्स कालेज सागर में आयोजित राज्यस्तरीय शतरंज विधा की चैंपियनशिप शासकीय राज्यस्तरीय विधि महाविद्यालय के डॉ बृजेश कुमार चौरसिया ने दोहरी चैंपियनशिप पर कब्जा किया। डॉ बृजेश चौरसिया नेउच्च शिक्षा विभाग की राज्यस्तरीय चैंपियनशिप को लगतार 28 वीं बार जीतने वाले अकेले शिक्षक हैं। उन्होंने आज तक अपराजेय रहते हुए सतत रूप से चैंपियनशिप पर अपना कब्जा बरकरार रखा है। हमेशा की तरह इस बार भी उन्होंने व्यक्तिगत स्पर्धा के साथ-साथ टीम चैंपियनशिप का भी पदक अपने नाम किया। डॉ चौरसिया सबसे अधिक उम्र में प्रतियोगिता को जीतने का भी गौरव प्राप्त किया। डॉ बृजेश कुमार चौरसिया प्रतियोगिता में अकेले ऐसे व्यक्ति थे, जिनकी ईएलओ रेटिंग 2137, रैपिड रेटिंग 2042 एवं ब्लिट्ज रेटिंग 2037 थी। डॉ. चौरसिया विश्व के सक्रिय खिलाड़ियों में 14649 वीं भारत में 466 वीं एवं एशिया महाद्वीप में 2007 वीं रैंकिंग प्राप्त खिलाड़ी है।

भव्य मानस्तंभ प्रतिष्ठा में जयकारों के साथ जिन प्रतिमाएं विराजमान

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। श्री पार्श्वनाथ जिनालय अयोध्या नगर में आचार्य विशुद्ध सागर महाराज के शिष्य मुनि साध्य सागर महाराज और मुनि विश्व सूर्य सागर महाराज सासंघ के सानिध्य में महावीर जयंती पूर्व भक्ति भाव से मानस्तंभ में जिन प्रतिमाओं को विराजमान किया। प्रवक्ता अंशुल जैन ने बताया अनुष्ठान के सोधर्म इंद्र मीना विकास गोधा ने मंडल पर श्रीफल समर्पित कर सभी के मंगलमय जीवन की कामना की। विधि विधान से धार्मिक अनुष्ठान हुए। मानस्तंभ में स्वर्ण कलश चढ़ाने का सौभाग्य पूर्व न्यायाधीश डीके जैन, श्रीमती माला एआईजी, मलय जैन, मीनू नलिन जैन, डॉ सपना जैन दिल्ली परिवार को मिला। मुनि साध्य सागर महाराज ने कहा परिग्रह को दूर कर दो संसार के सारे ग्रह दूर हो जाएंगे। मुनिश्री ने कहा कि अर्चना के साथ जीव दया, अहिंसा और पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्य करें। इस अवसर पर अध्यक्ष मनोज जैन, पूर्व अध्यक्ष विजय जैन, प्रदीप हर्षोल्ला, राजेंद्र सेठी, मनीष मुंगावली, अजय, सीमा, स्नेहा, रत्नेश जैन, सपना, विकास, ऊषा, विनोद, निकिता, मयंक, रुचि और अमन सहित अनेक लोग मौजूद थे।

अहीर यादव समाज ने मनाया होली मिलन, नई कार्यकारिणी की घोषणा

जागरण, भोपाल। राजधानी के बरखेड़ी क्षेत्र में स्थित राधा-कृष्ण मंदिर में अहीर यादव समाज द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। नव निर्वाचित अध्यक्ष जितेन्द्र यादव (मोहनिया) के नेतृत्व में समाज के युवा साथियों एवं वरिष्ठ सदस्यों के सक्रिय सहयोग से कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। विषेश आकर्षण फूलों की होली रही, जिसमें सभी ने एक-दूसरे पर पुष्पवर्षा कर होली का आनंद लिया। इस दौरान समाज की नई कार्यकारिणी की घोषणा भी की गई, जिसे सभी ने सर्वसम्मति से स्वीकार किया। समाज के विकास, एकता और संगठन को मजबूत बनाने पर भी चर्चा हुई। इसी क्रम में धर्मशाला के लिए भूमि खरीदने के विषय पर धर्मशाला समिति के सचिव विशाल यादव एवं कोषाध्यक्ष विनोद यादव ने समाज के लोगों से प्राप्त निधि की जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में पूर्व अध्यक्ष प्रेम नारायण पटेल ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में एकता और भाईचारा और अधिक मजबूत होता है।

नाबालिग से साजिश के तहत किया रेप, शराब पिलाकर युवतियों ने युवकों के सामने परोसा

पढ़ाई और नौकरी लगवाने का परिचितों ने दिया था झांसा, दो युवती समेत चार गिरफ्तार

बंधक बनाकर दुष्कर्म, पाक्सो एक्ट, साजिश रचने व छेड़छाड़ का केस दर्ज

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। बागसेवनिया इलाके में 17 साल की नाबालिग से बंधक बनाकर रेप का सनसनीखेज मामला सामने आया है। साजिश के तहत परिचित दो युवतियों ने उसे पढ़ाई करने के साथ नौकरी दिलाने का झांसा देकर बुलाया। इसके बाद उसे शराब पिलाई और युवकों के सामने परोस दिया। नाबालिग को होश नहीं था, उसे अहसास हुआ कि उसके साथ कोई गलत काम कर रहा है। इस संबंध में उसने थाने में दो दिन पहले शिकायत की थी। पुलिस ने दुष्कर्म, पाक्सो एक्ट, साजिश रचने समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज किया। इसके बाद रविवार को दो युवतियों समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

भरोसे में आकर छात्रा भोपाल आ गई: बागसेवनिया थाना प्रभारी अमित सोनी ने बताया कि 17 साल की पीड़िता छिंदवाड़ा की रहने वाली है। उसने अभी बारहवीं पास की है। उसकी परिचित रेनुका बुनकर निवासी छिंदवाड़ा है। रेनुका के माध्यम से छात्रा मोनिका इंदौरकर को जानती थी, वह भी छिंदवाड़ा की है। 16 मार्च को मोनिका ने पीड़िता को कॉल किया। बोली कि तू भोपाल आ जा। मेरे घर से कुछ सामान लाना, उसे भी लेते आना। उसने बोला कि तुम यहां आकर पढ़ाई कर लेना और तुम्हारी नौकरी भी लगवा दूंगी। भरोसे में आकर छात्रा 17 मार्च को छिंदवाड़ा से भोपाल आ गई। 18 की सुबह उसे मोनिका स्टेशन लेने पहुंची। इसके बाद दोनों मोनिका के विद्या नगर स्थित रूम पर चले गए। रूम पर रेनुका भी मिल गई। खाना खाने के बाद दोपहर एक बजे मोनिका, छात्रा और रेनुका को लेकर अयोध्या नगर में रहने वाली सोनू दीदी के घर गईं। जहां से रेनुका कहीं चली गई। कुछ समय रुकने के बाद मोनिका और छात्रा वापस रूम पर आ गए।

बीयर के बाद शराब नीट पिलाई

शाम करीब सात बजे मोनिका ने फोन कर दो दोस्तों (लड़कों) को रूम पर बुलाया। वह बीयर की बॉटल लेकर आए। मोनिका, दोनों लड़कों ने बीयर पी, छात्रा को भी बीयर पिलाई। मोनिका घर के नीचे शराब की बॉटल लेने गई। इसके बाद सभी ने शराब पी। मोनिका ने छात्रा को नीट शराब पिला दी। इससे उसे नशा हो गया। उसके हाथ नहीं उठ रहे थे और वह बेसुध हो रही थी। उसे कुछ ध्यान नहीं था। लेकिन उसे अहसास हुआ कि उसके साथ कोई शारीरिक संबंध बना रहा है और गलत काम कर रहा है। होश में आने के बाद पीड़िता ने थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई।

अलग-अलग जिलों से किया गिरफ्तार

इस मामले में पुलिस ने रविवार को आरोपी निखिल सिंह कछवाहा (32) पिता सूर्यभान सिंह कछवाहा निवासी ग्राम लिगा मेनरोड थाना नवेगांव जिला बालाघाट हाल पता अप्सरा टाकीज के पास, अतुल मेडेकर (30) पिता भोजराज मेडेकर निवासी गुजरी चौक लिंगा थाना नवेगांव बालाधाट हाल पता नवीन नगर ऐशबाग, मोनिका इंदौरकर (26) निवासी लिंगा मोखेड़ जिला छिंदवाड़ा हाल पता विद्या नगर थाना बागसेवनिया और रेनुका बुनकर (24) थाना सौंसर जिला छिंदवाड़ा हाल पता विद्या नगर थाना बागसेवनिया को गिरफ्तार किया है।

शादी का झांसा देकर पड़ोसी ने किया दुष्कर्म

जागरण, भोपाल। निशातपुरा इलाके में पड़ोसी ने शादी का झांसा देकर महिला से दुष्कर्म किया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 23 वर्षीय महिला मूल रूप से अशोकनगर की रहने वाली है। साल 2020 में उसकी शादी यूपी निवासी युवक से हुई। जो कपड़े बेचने का काम करता है। जिसके बाद वह पति के साथ थाना क्षेत्र स्थित मुरली नगर में किराए के मकान में रहने लगी। जहां उसकी पहचान पड़ोस में रहने वाले युवक जाहिद खान से हुई। दोनों के बीच हुई बातचीत जल्द ही प्रेम-प्रसंग में बदल गई। इस दौरान आरोपी ने उससे शादी करने की बात कही। इस पर वह राजी हो गई। जिसके बाद उसने पति को तलाक दे दिया। 18 सितंबर 2025 को युवक ने महिला के साथ शारीरिक संबंध बनाए। इस दौरान उसका कई बार शारीरिक शोषण किया। हाल ही महिला ने शादी का दबाव बनाया तो उसने मना कर दिया। बाद में परेशान होकर पीड़िता ने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई।

इंडेन के नंबर पर मैसेज से नहीं हो रही थी बुकिंग

जागरण संवाददाता, भोपाल। रविवार को शहर की गई एजेंसियों पर उपभोक्ताओं की भारी भीड़ देखी गई। सबकी शिकायत थी कि इंडेन गैस के नंबर 7718955555 पर बुकिंग करने के बाद मैसेज तो आ रहा है, लेकिन एजेंसी संचालक बुकिंग न होने की बात कह रहे हैं। इससे बुकिंग की स्थिति स्पष्ट नहीं हो पा रही है। इसके बाद इंडेन के अन्य नंबर 7588888824 पर सभी लोगों की बुकिंग करवाई गई। 10 नंबर में डीएसी नंबर का मैसज आ गया। इसके अलावा अवकाश के दिन भी जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक चंद्रभान सिंह जादौन के नेतृत्व में प्रशासन की टीम शहर के अलग-अलग इलाकों में जांच करने में जुटी रही। जिससे किसी भी एजेंसी व गोदामों पर भीड़ या पैनिक जैसी स्थिति नहीं बनी। शहर में जवाहर चौक, पांच नंबर, भेल बरखेड़ा, बैरागढ़, लालघाटी, गांधी नगर, अवधपुरी, हमीदिया रोड, आयोध्या बायपास सहित अन्य गैस एजेंसियों अवकाश के दिन भी लोग सिलेंडर की डिलीवरी के लिए दिखे। यह स्थिति इंडेन, भारत, एचपी कंपनी की गैस एजेंसी व गोदामों पर रही। इसके अलावा शहर के होटलों व रेस्टोरेंट पर भी अवकाश के दिन भी व्यावसायिक सिलेंडरों की आपूर्ति होती रही। बता दें कि गैस एजेंसियों को 10 फीसदी सिलेंडर होटल व अन्य कमर्शियल उपयोग के लिए देने के नियम बनाए गए हैं।

अमले को मिली जानकारी तो लोगों को सही नंबर देकर शुरू करवाई बुकिंग

पेट्रोल पंपों पर भी सामान्य रही स्थिति

शहर के 191 पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल व डीजल के लिए आम लोगों में जद्दोजहद देखने को नहीं मिली। सभी पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल की सामान्य रूप से सप्लाई होती रही। जिला खाद्य नियंत्रक चंद्रभान सिंह जादौन के अनुसार स्थिति नियंत्रण में हैं। अफवाहों पर कतई ध्यान न दें। दिए गए नंबरों पर रसोई गैस सिलेंडर बुकिंग करें।

धूमधाम से मना चक्रवर्ती सम्राट अशोक महान का जन्मोत्सव

डिजिटल कुशवाहास ने निकाली चार पहिया वाहन रैली

जागरण। भोपाल। डिजिटल कुशवाहास द्वारा चक्रवर्ती सम्राट अशोक महान का जन्मोत्सव पूरे हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर रविवार को भव्य वाहन रैली निकाली गई। रैली में 350 से अधिक चार पहिया वाहन और प्रदेश भर से कुशवाहा समाज संगठन के पदाधिकारी एवं समाजसेवी शामिल हुए। सम्राट अशोक महान को समर्पित यह चार पहिया वाहन रैली राजधानी भोपाल के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। रैली के समापन अवसर पर अटल पथ पर विशाल जनसभा का आयोजन किया गया। जिसमें प्रदेशभर से कार्यक्रम में शामिल हुए वरिष्ठ पदाधिकारियों और सामाजिक बंधुओं ने अपने प्रेरक विचार व्यक्त किए। डिजिटल कुशवाहास के संस्थापक एवं अध्यक्ष विक्रम सिंह कुशवाहा ने कहा कि चक्रवर्ती सम्राट अशोक महान से ही अखंड भारत की पहचान रही है। हमारे राष्ट्रध्वज में उनके नाम का अशोक चक्र शामिल है। लोकतांत्रिक देश में जब सिंह और अशोक चक्र वाली शासकीय मुहर किसी कागज पर लगती है तो वह वैलिड हो जाता है। चक्रवर्ती सम्राट अशोक, कुशवाहा, मौर्य, सैनी, शाक्य और माली समाज के पूर्वज हैं। ऐसे में डिजिटल कुशवाहाज संगठन ने यह जिम्मा उठाया है कि सम्राट अशोक के विराट व्यक्तित्व से परिचित कराया जाए। उन्होंने कहा कि संगठन की ओर से एक मांग पत्र शासन को सौंपा गया है, जिसमें सम्राट अशोक महान की जयंती पर राष्ट्रीय अवकाश घोषित करने, सम्राट अशोक के नाम पर विश्वविद्यालय की स्थापना, राजधानी भोपाल में बन रहे स्वागत द्वारों में एक द्वार सम्राट अशोक को समर्पित किया जाए। डिजिटल कुशवाहास के संरक्षक लोकमन कुशवाहा ने कहा कि समाज के प्रतिभावान युवा प्रशासनिक अधिकारी बनें और उपलब्ध संसाधनों के जरिए समाज को मुख्यधारा में लाने के लिए सहयोग करें।

तलैया पुलिस ने पांच दिन के अंदर किया खुलासा, 10 हजार रुपए का ईनाम था घोषित

बटुआ बनाने वाले बुजुर्ग ने पड़िया के अवशेष को मंदिर के पास फेंका था, आरोपी गिरफ्तार

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। तलैया थाने के बगल में स्थित काली मंदिर के पास बटुआ बनाने वाले बुजुर्ग ने मृत पड़िया के अवशेष को फेंक दिया था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। उस पर 10 हजार रुपए का ईनाम था। सीसीटीवी फुटेज में बुजुर्ग बाइक पर सफेद बोरी रखकर ले जाते कैद हुआ था। तलैया पुलिस ने पांच दिन के अंदर मामले का खुलासा कर दिया है। आरोपी के खिलाफ धार्मिक भावनाओं को आहत करने का केस दर्ज किया गया था। तलैया पुलिस के मुताबिक, इस संबंध में 23 मार्च को जय मां भवानी हिन्दू संगठन के अध्यक्ष भानू हिन्दू उर्फ शुभम आर्य निवासी नगर भवानी इब्राहीमगंज नादरा बस स्टैंड ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। उनका कहना था कि पुल पोकता काली मंदिर के पास आम रोड पर अज्ञात व्यक्ति द्वारा मृत पशु के अवशेष को फेंककर धार्मिक भावनाओं को आहत कर सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने का काम किया है। इस पर हिंदू संगठन के देर रात तक प्रदर्शन कर चक्काजाम कर दिया था। मामले

की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने छह टीमें तैयार कीं। सीसीटीवी फुटेज खंगाले। इसके अलावा पशु पालने वाले लगभग 35-40 डेरी के संचालकों से पूछताछ की।

बीमारी के चलते पड़िया की मौत

इस बीच मुखबिर से सूचना मिली कि जहांगीराबाद के अहीर मोहल्ला शिव मंदिर के पास निवासी सुनील यादव उर्फ नन्दू अपने घर पर भैंसे पाले हुए है, जिसकी एक भैंस के बच्चे की लगभग 7-8 दिन पहले मृत्यु हुई थी। पुलिस की टीम ने उससे पूछताछ की। उसने बताया कि एक भैंस ने पड़िया को जन्म दिया था, जिसकी बीमारी के चलते 22 मार्च की सुबह मौत हो गई थी। मरी हुई पड़िया की खाल बटुआ बनवाने के लिए रातीबड़ निवासी फूल सिंह चौधरी को बुलाया था। जिसने मेरे घर आकर मरी हुई पड़िया की आधे शरीर की खाल से बटुआ बनाया था तथा मृत पड़िया के बचे हुए शव को एक सफेद रंग की प्लास्टिक की बोरी में रखकर बाइक से ले गया था।

लोहे की छुरी, रस्सी व बाइक जब्त: पुलिस ने फूल सिंह चौधरी (65) निवासी बैरखेड़ी बाजाप्त रातीबड़ से पूछताछ की। उसने अपना जुर्म स्वीकार कर बताया कि वह 22 मार्च को मृत पड़िया के बचे हुए शव को एक सफेद रंग की प्लास्टिक की बोरी में रखकर बाइक से ले जा रहा था। जिसे उसने काली मंदिर वाले पुल पर रोड किनारे फेंक दिया था। पुलिस ने आरोपी फूल सिंह को गिरफ्तार कर उससे एक लोहे की छुरी, रस्सी व घटना में प्रयुक्त बाइक जब्त की। रविवार को उसे जिला अदालत में पेश किया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

नशे की प्रवृत्ति व सामाजिक कुरीतियों से परिवारों में बढ़ रहा असंतोष, समाज को करना होगा जागरूक

विधिक सहायता शिविर में न्यायधीशों सहित अन्य लोगों ने किया जागरूक

जागरण संवाददाता, भोपाल। समाज में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति के दुष्प्रभाव से परिवारों में असंतोष और सामाजिक कुरीतियां बढ़ रही हैं। ऐसे में महिलाओं सहित समाज के सभी वर्गों को विधिक जागरूकता केमाध्यम से जागरूक करना बेहद जरूरी हो गया है। रविवार को यह बात रिटायर्ड प्रधान जिला न्यायाधीश भावना साधो ने कही। वे मप्र राच्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार आयोजित वृहद विधिक जागरूकता एवं सहायता शिविर को संबोधित कर रही थीं। शिविर का आयोजन कैरियर कॉलेज में किया गया। इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मनोज कुमार श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में आम लोगों को निःशुल्क विधिक सहायता व शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए विभिन्न स्टॉल के माध्यम से जानकारियां दी गईं। इस अवसर पर सामाजिक न्याय विभाग, महिला एवं बाल विकास, महिला आयोग, राजस्व विभाग, पुलिस, स्थानीय निकाय, चिकित्सा विभाग और विद्युत विभाग सहित अन्य विभागों के स्टॉल लगाए गए। इन स्टॉल के माध्यम से शिविर में उपस्थित लोगों की समस्याओं को सुना गया और संबंधित अधिकारियों द्वारा मौके पर ही उनका समाधान किया गया।

साइबर अरेस्ट का न बनें शिकार, जागरूक रहें: न्यायमूर्ति मनोहरलाल पाटीदार ने आम लोगों को साइबर अपराधों विशेष रूप से साइबर अरेस्ट से बचने के उपाय बताए। जब भी व्हाट्स एप या अन्य किसी सोशल मीडिया काले के माध्यम से सामने वाला किसी एप या लिंक को अपलोड करने की बात कहे तो यह काम बिल्कुल न करें। पुलिस या शासन का अन्य कोई भी विभाग घर में ही कैद नहीं करते हैं। इसलिए ऐसे किसी भी वीडियो कॉल से घबराने की जरूरत नहीं है। ऐसे लोगों से बिल्कुल भी डरने की जरूरत नहीं है। इन लोगों की जानकारी सीधे पुलिस को दें। न्यायमूर्ति मनोज कुमार सिंह ने निःशुल्क विधिक सहायता की प्रक्रिया के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यदि आमजन को किसी भी विभाग से समस्या का समाधान नहीं मिलता है तो वे जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में आवेदन कर सकते हैं, जहां उनकी समस्या के समाधान के लिए आवश्यक सहायता प्रदान की जाती है। पुलिस उपायुक्त श्रद्धा तिवारी ने बताया कि पुलिस को अपराध की सूचना मिलने पर ही प्रभावी कार्रवाई संभव हो पाती है, इसलिए नागरिकों को समाज में होने वाली आपराधिक गतिविधियों की सूचना पुलिस को अवश्य देनी चाहिए। नागरिक गूगल प्ले स्टोर से मोबाइल एप डाउनलोड कर ऑनलाइन माध्यम से भी ई-एफआईआर दर्ज करा सकते हैं और पुलिस के टोल-फ्री नंबर का भी उपयोग कर सकते हैं।

ईसाई समाज ने निकाली पाम संडे रैली

भोपाल। राजधानी के अरेरा हिल्स चर्च से ईसाई समाज ने रविवार को पाम संडे रैली निकाली। इसमें सभी गिरिजाघरों के महिला-पुरुष व बच्चे शामिल हुए। इनके हाथों में ध्वज व खजूर की पत्तियां थीं। पाम संडे यानी खजूर रविवार मसीही धर्म के अनुयाइयों का प्रमुख त्योहार है। यह दिन मसीही समुदाय के लोग प्रभु यीशू के यरुशलम में विजयी प्रवेश के रूप में मनाते हैं। पवित्र बाइबल में कहा प्रभु यीशू जब यरुशलम पहुंचे, तो उनके स्वागत में बड़ी संख्या में लोग पाम यानी खजूर की डालियां अपने हाथों में लहराते हुए एकत्रित हो गए थे। प्रभु यीशू की शिक्षा और चमत्कारों को शिरोधार्य कर उनका स्वागत किया था।

धर्म-समाज — सत्य अहिंसा के संदेश के साथ निकलेगी शोभा यात्रा

आज श्रद्धा भक्ति के साथ मनाई जाएगी महावीर जयंती

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। प्रदेशभर में अहिंसा के प्रणेता भगवान महावीर स्वामी जन्म कल्याणक श्रद्धा भक्ति और उत्साह के साथ सोमवार को मनाया जाएगा। राजधानी के जैन मंदिरों में भगवान महावीर का अभिषेक ओर पूजा अर्चना के साथ अनुष्ठान होंगे। मंदिरों से प्रभु महावीर के जिओ और जीने दो, सत्य अहिंसा के संदेश के साथ शोभा यात्रा निकलेगी। सोमवार को मंदिर समितियों के साथ मिलकर सामाजिक संगठन महिला मंडल जीव दया और पर्यावरण संरक्षण के कार्यों को करेंगे। गो-सेवा के साथ सकोरे और मूक प्राणियों पशु पक्षियों के लिए दाना पानी वितरित होगा। शहर के विभिन्न मंदिरों की समिति द्वारा संचालित दिव्य घोष की। राजधानी की मंदिर समितियों द्वारा विभिन्न संस्थाएं युवा बालिका मंडल द्वारा संचालित दिव्य घोष के द्वारा भक्ति मय वातावरण में आराधना कर जय घोष लगाएंगे। इसके लिए कई महिला मंडल और युवतियों के दिव्य घोष ने तैयारी प्रारंभ कर दी है। शोभा यात्रा में अनेक ग्रुप अपनी प्रस्तुति देंगे, जिसमे प्रमुख नंदीश्वर जिनालय, नेहरू नगर, टीटी नगर, शंकराचार नगर, चंदन नगर करोंद, पंचशील नगर, पिपलानी, अशोका गार्डन और मंगलवारा आदि शामिल है।

आज सुबह आठ बजे निकलेगी शोभायात्रा

सोमवार को अशोका गार्डन जैन मंदिर से सुबह आठ शोभायात्रा निकलेगी। इसका आकर्षण दो अश्व, डीजे, नरसिंहपुर के सुप्रसिद्ध ढोल, दलदल घोड़ी, बुंदेलखंड की मशहूर रमतूला पार्टी, महिलाओं को आकर्षक साफा, युवा एवं पुरुष के साफा रहेंगे। पुरुष वर्ग सफेद वस्त्र और महिला वर्ग रानी कलर की साड़ी में शामिल होंगी। इस दौरान महिला मंडल अशोक गार्डन, युवा मंडल अशोक गार्डन, आचार्य श्री विद्यासागर पाठशाला एवं सकल दिगंबर जैन समाज अशोका गार्डन के सदस्य शामिल होंगे।

दो अप्रैल तक चलेंगे बुलउआ

पार्श्वनाथ दिंगबर जैन मंदिर अशोका गार्डन में एक सप्ताह लगातार बुलाउआ का कार्यक्रम चल रहे हैं। श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति की अध्यक्ष वंदना जैन, मीना चौधरी, सारिका जैन, वंशिका जैन, मोहिनी जैन, रचना चौधरी और सपना जैन मौजूद थीं। महासमिति द्वारा घर घर मंगलाचरण का आयोजन किया जा रहा है। प्रथम तीर्थंकर श्री 1008 आदिनाथ भगवान के जन्म कल्याणक से लेकर अन्तिम तीर्थंकर वर्तमान शासन नायक श्री 1008 महावीर भगवान के जन्म कल्याणक तक 12 मार्च से 2 अप्रैल तक प्रतिदिन मंदिर में बड़े हर्ष उल्लास के साथ भजन का कार्यक्रम संचालित किए जाऐंगे। रविवार को पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर अशोका गार्डन में भजनो का बुलउआ रखा गया। भजन के पुण्यार्जक विजय जैन श्रीमती निशा जैन, जयंत जैन और शेफाली जैन रहीं। ड्रेस कोड बंधनी चुनरिया की साड़ी रखी गई। इसके बाद माता की गोद भराई, सोधर्म इंद्र का दरबार, अष्ट देवियों द्वारा माता की सेवा, 16 सपनों का प्रदर्शन, मंगलाचरण नृत्य प्रस्तुति, सभी माता की गोद भरने सुहाग नारियल मेवा जिससे भरना चाहे वह सामग्री लेकर आए और माता का आशीर्वाद प्राप्त किया।

छज्जा गिरने के मामले में एफआईआर दर्ज

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। एम्स अस्पताल के सामने सडाना मेडिकल की बिल्डिंग के छज्जा गिरने के मामले में बागसेवनिया पुलिस ने बिल्डिंग मालिक कविता सिंह और ठेकेदार विशुतोष सिंह के खिलाफ लापरवाही बरतने का केस दर्ज किया है। आरोपी बिना सुरक्षा इंतजाम किए निर्माण कार्य कर रहे थे, जिसके चलते पांच लोग गंभीर रूप से घायल हुए। पुलिस ने दोनों को इस घटना के लिए जिम्मेदार ठहराया है। 27 मार्च की सुबह करीब 11 बजे एम्स अस्पताल के सामने स्थित सडाना मेडिकल की ऊपर की मंजिल पर बिल्डिंग में निर्माण कार्य चल रहा था। तभी अचानक उसका छज्जा टूटकर मेडिकल के टीनशेड पर गिरा। टीनशेड टूटकर नीचे खड़े लोगों को गिर गया था। हादसे में आठ लोग घायल हुए थे। पांच लोग गंभीर रूप से घायल हुए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस संबंध में नंदनी समेत अन्य घायलों ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। पुलिस ने जांच में पाया कि बिल्डिंग मालिक कविता सिंह और ठेकेदार विशुतोष सिंह बिना सुरक्षा इंतजाम किए निर्माण कार्य कर रहे थे, जिनकी लापरवाही के कारण इस हादसे में लोग घायल हुए और उनकी जान पर बन आई। सुरक्षा मानकों की अनदेखी पर पुलिस ने दोनों को आरोपी बनाया है।

Lake सिटी

दैनिक जागरण

भोपाल, 30 मार्च 2026

www.dainikjagranmpcg.com

'एक मुलाकात' अधूरी मोहब्बत की कहानी के साथ इंडीमून्स आर्ट्स फेस्टिवल का समापन

एक पैग कोई इश्क ले आए मेरे लिए...

जागरण, भोपाल। औरत से जन्म दिया मर्दों को मर्दों ने उसे बाजार दिया जब जी चाहा मसला कुचला जब जी चाहा धुत्कार दिया...साहिर लुधियानवी के इन्हीं तीखे और सच्चे शब्दों की गूंज के साथ रविन्द्र भवन में इंडीमून्स अंतिम शाम भावनाओं के साथ भिगी रही । रंगा थिएटर समूह द्वारा प्रस्तुत नाटक 'एक मुलाकात' ने दर्शकों को प्रेम, विरह और अधूरी चाहत की ऐसी दुनिया में ले गया, जहां शब्दों से ज्यादा खामोशी असर करती है। नाटक में साहिर के किरदार में शेखर सुमन और गीतिका त्यागी ने अमृता प्रीतम का रोल किया।

साहिर-अमृता की प्रेम कहानी

नाटक की कथा दो महान रचनाकारों साहिर लुधियानवी और अमृता प्रीतम के उस अनकहे, अधूरे प्रेम पर आधारित है, जो कभी खुलकर सामने नहीं आया, लेकिन दोनों की रचनाओं और खामोशियों में हमेशा जिंदा रहा। पूरी कहानी एक काल्पनिक मुलाकात के इर्द-गिर्द बुनी गई है, जहाँ वर्षों बाद ये दो आत्माएँ जैसे एक ही समय और एक ही स्थान पर ठहर जाती हैं। संवादों, शायरी और ठहराव के बीच उनके रिश्ते की परतें खुलती हैं—प्यार, दूरी, अहं, पछतावा और वो बातें जो कभी कही नहीं गईं। साहिर अपने शब्दों में अपने भीतर के जज़्बात उड़ेलते हैं, वहीं अमृता का मौन, ऊन बुनते हुए, उन अनकहे भावों को और गहरा कर देता है।

नाटक का सबसे मार्मिक क्षण तब आता है, जब एक ट्रंक कॉल इस भावनात्मक सिलसिले को तोड़ देता है। साहिर के निधन की खबर जैसे ही सामने आती है, पूरा मंच और सभागार एक गहरी खामोशी में डूब जाता है। उस पल शब्द खत्म हो जाते हैं और सिर्फ एहसास बचता है। अंतिम पंक्ति— 'मेरी जिंदगी भर की सारी जमा पूंजी तो तुम्हारे पास थी अमृता... '—दर्शकों के दिल में लंबे समय तक गूंजती रहती है।

विरासत, तहजीब और इश्क के मायने समझना जरूरी : शेखर सुमन

भोपाल। राजधानी में आयोजित 'इंडिमोन्स आर्ट फेस्टिवल' के मंच पर मशहूर अभिनेता शेखर सुमन ने महान शायर साहिर लुधियानवी के जीवन पर आधारित अपने नाटक की 123वीं प्रस्तुति दी। मंचन के बाद हुई खास बातचीत में उन्होंने थिएटर, सिनेमा, नई पीढ़ी और 'इश्क' के असली मायनों पर बेबाक राय रखी।

शेखर सुमन ने कहा कि असली कलाकार की पहचान मंच पर होती है, न कि फिल्मों में। उनके अनुसार फिल्मों में री-टेक की सुविधा होती है, जबकि थिएटर में कलाकार को लगातार दो-तीन घंटे तक दर्शकों को बांधे रखना पड़ता है। उन्होंने अपने इस नाटक को बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा कि इसके एक हजार से अधिक शो होने चाहिए, ताकि नई पीढ़ी अपनी सांस्कृतिक विरासत और अदब से जुड़ सके।

डिजिटल युग और सोशल मीडिया के प्रभाव पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि आज की पीढ़ी अपनी भाषा और साहित्य से दूर होती जा रही है। उन्होंने बताया कि साहिर लुधियानवी केवल प्रेम के शायर नहीं थे, बल्कि उन्होंने समाजवाद, वैश्विक मुद्दों और महिलाओं के अधिकारों पर भी प्रभावशाली लेखन किया।

भारतीय सिनेमा के स्वर्ण युग का जिक्र करते हुए सुमन ने मुगल-ए-आजम को सिनेमा का शिखर बताया। उन्होंने के. आसिफ, बिमल रॉय, गुरु दत्त और राज कपूर जैसे दिग्गजों के योगदान को भारतीय सिनेमा की असली पूंजी बताया।

इश्क के मायनों पर उन्होंने कहा कि इसे केवल लड़का-लड़की के रिश्तों तक सीमित करना गलत है। असल इश्क इंसानियत, अपने काम और खुदा से जुड़ाव में होता है।

अंत में उन्होंने भोपाल की दर्शक-दीर्घा की सराहना करते हुए कहा कि यहां की ऑडियंस कला की बारीकियों और जज्बात को गहराई से समझती है।

जैकेट्स, इंडो-वेस्टर्न और भोपाली जोड़े ने जीता दिल

'द जर्नी ऑफ वीव्स एंड हैंडलूम्स' में दिखी चंदेरी की खूबसूरती

जागरण, भोपाल। शहर के ख्यातिप्राप्त फैशन डिजाइनर मुमताज खान ने टाइम्स फैशन वीक, इंदौर में अपने खास कलेक्शन 'द जर्नी ऑफ वीव्स एंड हैंडलूम्स' के जरिए चंदेरी फैब्रिक की खूबसूरती और विरासत को शानदार अंदाज में पेश किया। उनका यह कलेक्शन न सिर्फ आकर्षण का केंद्र बना, बल्कि पारंपरिक बुनाई को आधुनिक और रॉयल लुक में प्रस्तुत करने के लिए भी खूब सराहा गया। इस कलेक्शन में चंदेरी साड़ियों के साथ-साथ पार्टीवेयर लहंगा-चोली, लेडीज और जेंट्स शेरवानी, स्टाइलिश जैकेट्स, इंडो-वेस्टर्न आउटफिट्स और खास भोपाली जोड़े शामिल रहे, जिनमें पाँच मीटर लंबे दुपट्टों ने अलग ही शान जोड़ी। हर परिधान में चंदेरी की महीन बुनाई और उसकी प्राकृतिक चमक ने दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींचा। मुमताज खान ने अपने डिजाइन के जरिए पारंपरिक हैंडलूम को समकालीन फैशन के साथ जोड़ते हुए एक नया आयाम दिया। शो का खास आकर्षण रहे अभिनेता और मॉडल शाहवर अली, जिन्होंने चंदेरी परिधान में रैंप पर उतरकर कलेक्शन को और प्रभावशाली बना दिया। यह प्रस्तुति मध्यप्रदेश की समृद्ध हस्तकरघा परंपरा को राष्ट्रीय मंच पर मजबूती से सामने लाने में सफल रही।

जवाहर बाल भवन में मैक्रम वर्कशॉप का आयोजन

वॉल हैंगिंग और की-होल्डर जैसी कृतियां, गांठों में सजी कला

जागरण, भोपाल। आर्ट डिज़ाइन टीचर्स फ़ोरम द्वारा जवाहर बाल भवन, तुलसी नगर में आयोजित मैक्रम कार्यशाला 'द आर्ट ऑफ नॉट्स' ने प्रतिभागियों को कला और कौशल का अनूठा अनुभव दिया। रविवार को आयोजित इस वर्कशॉप में कला शिक्षकों, विद्यार्थियों और कला प्रेमियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए दिनभर सृजनात्मक गतिविधियों में हिस्सा लिया। कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों को मैक्रम की बुनियादी तकनीकों और विभिन्न प्रकार की गांठों को बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षक ममता सिंह के मार्गदर्शन में प्रतिभागियों ने चरणबद्ध तरीके से सीखते हुए वॉल हैंगिंग, की-होल्डर और अन्य सजावटी वस्तुएँ तैयार कीं। गूँथते-गूँथते तैयार हुई इन कृतियों में प्रतिभागियों की कल्पनाशीलता और हुनर साफ झलकता नजर आया। प्रतिभागियों ने इस अनुभव को रोचक और उपयोगी बताते हुए कहा कि ऐसी कार्यशालाएँ उनके कौशल को निखारने के साथ-साथ नई तकनीकें सीखने का अवसर देती हैं। आयोजकों ने बताया कि इस तरह के आयोजन न केवल कला शिक्षकों के कौशल विकास में सहायक हैं, बल्कि हस्तकला के प्रति रुचि भी बढ़ाते हैं। भविष्य में भी ऐसी रचनात्मक कार्यशालाएँ आयोजित करने की योजना है।

वाईटीएफ में 'वाईटीएफ वार्ता' का आयोजन

न्याय, धर्म और ट्रांसजेंडर जैसे विषयों पर हुआ विमर्श

जागरण, भोपाल। यंग थिंकर्स फोरम द्वारा न्यू मार्केट स्थित कार्यालय में 'वाईटीएफ वार्ता' के अंतर्गत समसामयिक विषयों पर परिचर्चा का आयोजन किया गया, जिसमें युवाओं ने सक्रिय भागीदारी निभाई। कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञ प्रभाव शर्मा ने तीन महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा रखी, जिस पर प्रतिभागियों ने अपने विचार साझा किए। चर्चा का पहला विषय हालिया न्यायिक निर्णय से जुड़ा रहा, जिसमें सार्वजनिक रूप से किसी एक धर्म को 'एकमात्र सत्य' बताने के दावे पर विचार हुआ। दूसरे विषय में धर्म परिवर्तन के बाद अनुसूचित जाति के दर्जे को लेकर सर्वोच्च न्यायालय के दृष्टिकोण पर चर्चा की गई। वहीं तीसरे विषय में ट्रांसजेंडर की कानूनी परिभाषा और उससे जुड़े नए प्रावधानों पर विमर्श हुआ। परिचर्चा के दौरान यह भी सामने आया कि न्यायिक फैसलों पर अकादमिक और बौद्धिक विमर्श का प्रभाव पड़ता है, ऐसे में समाज के विभिन्न वर्गों से संतुलित और तथ्यपूर्ण दृष्टिकोण सामने आना जरूरी है। कार्यक्रम का समापन इस निष्कर्ष के साथ हुआ कि लोकतंत्र में संवाद, जागरूकता और संवेदनशीलता ही सबसे मजबूत आधार हैं।

दुष्यंत कुमार संग्रहालय में सजेगा 'साया रंग महोत्सव-2026'

जागरण, भोपाल। साया वेलफेयर एंड कल्चरल सोसायटी द्वारा तृतीय 'साया रंग महोत्सव-2026' का आयोजन 30 और 31 मार्च को दुष्यंत कुमार संग्रहालय में किया जाएगा। दो दिवसीय इस नाट्य महोत्सव में शहर के रंगकर्मियों द्वारा दो अलग-अलग प्रस्तुतियाँ मंचित की जाएंगी, जिनका दर्शक शाम 7 बजे से आनंद ले सकेंगे।

महोत्सव के पहले दिन 30 मार्च को रंग महिमा थिएटर सोसायटी द्वारा फणीश्वर नाथ रेणु की चर्चित कहानी 'पंचलाइट' का मंचन किया जाएगा। इस नाटक का रूपांतरण सुनील राज ने किया है, जबकि निर्देशन अनूप शर्मा का रहेगा। वहीं, महोत्सव के दूसरे दिन 31 मार्च को साया वेलफेयर एंड कल्चरल सोसायटी द्वारा के.पी. सक्सेना लिखित नाटक 'गज फुट इंच' प्रस्तुत किया जाएगा, जिसका निर्देशन विकास सिरमोलिया करेंगे। आयोजकों के अनुसार, यह महोत्सव रंगमंच प्रेमियों के लिए विविध कथाओं और प्रस्तुतियों का अनूठा अवसर होगा, जिसमें दर्शकों को सामाजिक और संवेदनात्मक विषयों से जुड़ी नाट्य अभिव्यक्तियों को करीब से देखने का मौका मिलेगा।

युवा अनुनाद में गूंजे जज्बात, दो कहानियों ने छुआ दर्शकों का दिल

मंच पर उभरे प्रेम, गलतफहमी, भ्रम और यथार्थ के रंग

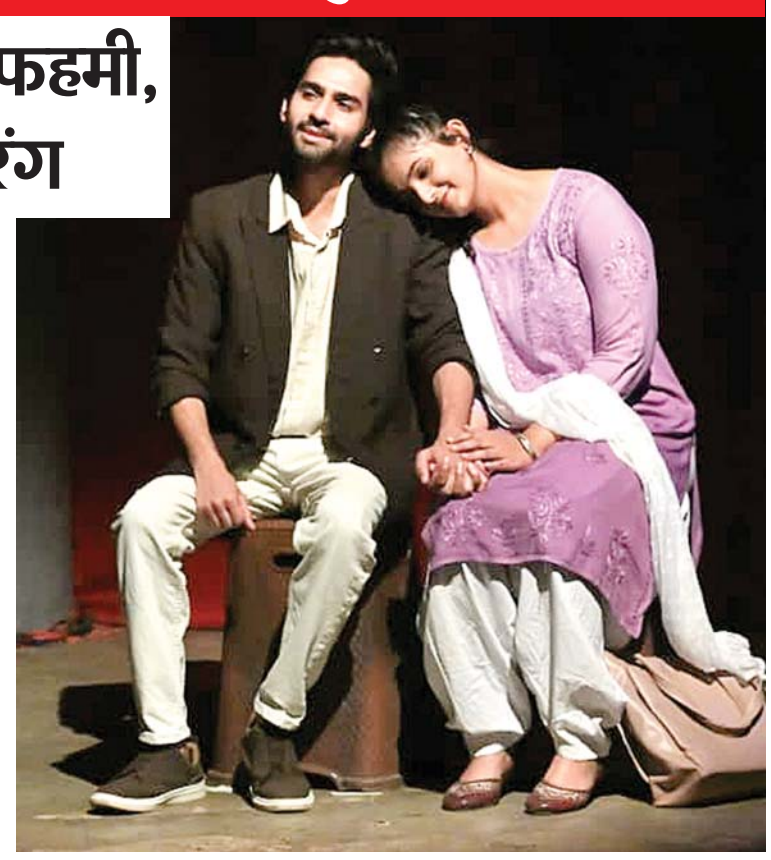

जागरण, भोपाल। रंग माध्यम नाट्य संस्था द्वारा श्यामला हिल्स स्थित लिटिल बैले टूप में 'युवा अनुनाद 2026' के अंतर्गत कृष्ण चंदर की दो कहानियों पर आधारित नाट्य प्रस्तुतियाँ दी गई। इन प्रस्तुतियों ने दर्शकों को भावनात्मक गहराई और जीवन के यथार्थ से जोड़ते हुए खास प्रभाव छोड़ा। पहली प्रस्तुति 'पूरे चाँद की रात' ने प्रेम, इंतज़ार और गलतफहमी से उपजी जुदाई को संवेदनशीलता से मंचित किया। आयुषी गारवे के निर्देशन में श्रीओम दांगी और कशक राज ने संयमित अभिनय के जरिए कहानी को प्रभावशाली बनाया। कश्मीर की पृष्ठभूमि में रची यह कथा एक छोटी सी भूल के कारण दशकों तक बनी दूरी और पछतावे को उजागर करती है। अंत में सच सामने आने पर दृश्य बेहद मार्मिक हो उठता है, जो दर्शकों को सोचने पर मजबूर कर देता है।

दूसरी प्रस्तुति 'शहजादा' में सपनों और वास्तविकता के बीच टकराव को सादगी से प्रस्तुत किया गया। अनुराग मिश्रा के निर्देशन में नंदिनी मिश्रा ने मुख्य किरदार को मजबूती से निभाया, जबकि रिषभ झा और अमन वर्मा ने सहयोगी भूमिकाओं को सशक्त बनाया। एक साधारण युवती के जीवन संघर्ष और सामाजिक दबावों के बीच टूटते भ्रम को दर्शाया गया।

' बयार महोत्सव' के दूसरे दिन कृष्णलीला की मनमोहक प्रस्तुति

भोपाल। बयार सोशल वेलफेयर सोसायटी द्वारा कारवाँ बॉक्स थिएटर में आयोजित `बयार सांस्कृतिक महोत्सव-2′ के दूसरे दिन की शुरुआत भावपूर्ण माहौल में हुई। कार्यक्रम की सांध्य बेला का आगाज उभरती कत्थक नृत्यांगना तन्वी भारद्वाज की सधी हुई गणेश वंदना से हुआ, जिसने दर्शकों को आध्यात्मिकता से जोड़ दिया। इसके बाद प्रस्तुत कृष्णलीला नृत्यनाटिका ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इसमें कृष्ण जन्म, बाललीला, मावनचोरी, कालियानाग वध, गोवर्धन लीला, रास और कंस वध जैसे प्रसंगों को भावपूर्ण और आकर्षक ढंग से मंचित किया गया। कृष्ण के जीवन के विभिन्न आयामों को दर्शाती इस प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और खूब सराहना बटोरी।

जागरूकता से होगा सायबर अपराधियों का सफाया : शैलेन्द्र

भोपाल। चित्रांश ह्यूमन एंड वेलफेयर समिति द्वारा संचालित एल्डर क्लब का आयोजन आसरा वृद्ध आश्रम में किया गया, जिसमें बुजुर्गों के लिए जागरूकता, स्वास्थ्य और मनोरंजन से जुड़ी गतिविधियाँ आयोजित की गईं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में क्राइम ब्रांच के एडिशनल डीसीपी शैलेंद्र सिंह चौहान मौजूद रहे। उन्होंने बुजुर्गों को साइबर अपराध से बचाव के सरल तरीके बताते हुए कहा कि सतर्कता ही सबसे बड़ा बचाव है और जागरूकता से ऐसे अपराधों पर रोक लगाई जा सकती है। कार्यक्रम में मनोरंजन का रंग भी देखने को मिला, जब पुराने-नए गीतों पर बुजुर्ग खुलकर झूमते नजर आए और सिंगर दीपा श्रीवास्तव के साथ गुनगुनाते रहे। साथ ही, एल्डर क्लब में शामिल 200 से अधिक बुजुर्गों का स्वास्थ्य परीक्षण और ब्लड टेस्ट भी किया गया तथा जरूरतमंदों को दवाइयाँ वितरित की गईं।

'संभावना' में लोक रंगों की छटा

नृत्य, संगीत और जादूगरी के संग जनजातीय परंपराओं की जीवंत प्रस्तुति

जागरण, भोपाल। मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय में हर रविवार दोपहर 2 बजे आयोजित होने वाली गतिविधि 'संभावना' एक ऐसा मंच बन चुकी है, जहां लोक कला, जनजातीय परंपराएँ और संगीत एक साथ जीवंत हो उठते हैं। नृत्य, गायन और वादन पर केंद्रित इस पहल में कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को सजीव किया।

टिमरियाई और करमा नृत्य

टीकमगढ़ के शैलेंद्र सिंह सिसोदिया एवं साथियों ने बुंदेलखंड के पारंपरिक ढिमरियाई नृत्य-गीत की प्रस्तुति दी, जिसमें रेकड़ी वाद्य की ताल पर मुख्य नर्तक ने लोक जीवन की झलक पेश की। वहीं डिण्डोरी के जियालाल एवं साथियों ने गोण्ड जनजातीय करमा नृत्य प्रस्तुत किया। यह नृत्य श्रम और कर्म की महत्ता को दर्शाता है, जिसमें युवक-युवतियाँ गीतों के माध्यम से जीवन के विविध भावों को अभिव्यक्त करते हैं।

मालवी गायन और जादूगरी

कार्यक्रम में आशिफ खान एवं साथियों ने जादूगरी की रोचक प्रस्तुतियों से दर्शकों को चौंकाया, जिसमें कागज से नोट बनाना, गेंद गायब करना जैसे करतब शामिल रहे। वहीं उज्जैन के हीरामणि वर्मा एवं साथियों ने मालवी लोक गायन के जरिए भक्ति और लोक जीवन के गीतों की मधुर प्रस्तुति दी, जिसने वातावरण को सुरमय बना दिया।

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

सोशल मीडिया पर जुर्माना कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

अमेरिका में लॉस एंजेलिस की एक जूरी द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के घातक प्रभावों से त्रस्त एक युवती के पक्ष में सुनाए गए ऐतिहासिक फैसले से दुनिया भर के अभिवावकों को राहत मिली है। दरअसल, सोशल मीडिया की लत लगाने से जुड़े एक मामले में मेटा और यूट्यूब पर 56 करोड़ का जुर्माना लगाया गया है। उल्लेखनीय है कि एक युवती ने मेटा और यूट्यूब पर आरोप लगाया था कि इनकी वजह से उसे सोशल मीडिया की घातक लत लगी। हालांकि, अब तक ये कंपनियां दलील देती रही हैं कि वे मात्र सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म हैं और इसकी सामग्री के लिये जिम्मेदार नहीं हैं। लेकिन कोर्ट में वकीलों ने पीड़िता के पक्ष में दलील दी कि जानबूझकर इस तरह के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बनाए गए हैं ताकि उपयोगकर्ता कथित सोशल मीडिया की लत के शिकार बन जाएं। शुरुआत से पहचान गुप्त रखने वाली बीस वर्षीय युवती केली के वकीलों की दलील को जूरी ने स्वीकार किया कि इस लत से उसकी मानसिक सेहत को नुकसान हुआ है। जूरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों की दलीलों को दरकिनार करते हुए मेटा और यूट्यूब पर साठ लाख अमेरिकी डॉलर यानी छप्पन करोड़ रुपये चुकाने का आदेश दिया है। जूरी ने माना कि गूगल तथा मेटा ने इन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के संचालन में अपने मुनाफे के मद्देनजर अनुचित उपायों का सहारा लिया है। जूरी ने इसे अनैतिक भी बताया। जूरी के निर्णय के अनुसार इस मामले में जुर्माने की सत्तर फीसदी राशि मेटा तथा तीस फीसदी रकम गूगल को चुकानी होगी। उल्लेखनीय है कि पूरी दुनिया में इन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के विरुद्ध हजारों मुकदमें चल रहे हैं। जिसमें कई वे लोग भी शामिल हैं जिनके बच्चों ने सोशल मीडिया की लत का शिकार होकर आत्मघाती कदम उठाये हैं। ब्रिटेन समेत कई देशों में अभिभावक इस लत से बच्चों को बचाने के लिये आंदोलन करते रहे हैं। यही नहीं, अमेरिका में ही विभिन्न अदालतों में सोशल मीडिया के घातक प्रभावों से बच्चों को बचाने के लिये सैकड़ों मामले चल रहे हैं।

विश्वास किया जा रहा है कि इस मुकदमे के फैसले का प्रभाव उन तमाम मामलों में भी पड़ सकता है, जो दुनिया के विभिन्न देशों में चल रहे हैं। हालांकि, दोषी पाये गए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के कर्ताधर्ता इस फैसले से असहमति जताते हुए इसके खिलाफ अपील करने की बात कर रहे हैं। उनकी दलील है कि किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले घातक प्रभाव के अनेक अन्य कारण हो सकते हैं, जिसके लिये सिर्फ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को ही दोषी नहीं ठहराया जा सकता। यूट्यूब के अधिकारियों का कहना है कि ये सोशल मीडिया साइट नहीं, सिर्फ वीडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म है। जबकि पीड़ित युवती के वकीलों की दलील थी कि मेटा आदि कंपनियों ने इन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की संरचना ऐसी बनायी है कि किशोरों को इसकी आदत लग जाए। हकीकत ये है कि भारत समेत दुनिया के करोड़ों किशोर इसकी लत के शिकार बन रहे हैं। यही वजह है हफ्तों चले मुकदमे के दौरान बड़ी संख्या में किशोरों के अभिभावक वादी के पक्ष में अदालत के परिसर में मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि इस फैसले से पहले न्यू मेक्सिको में एक जूरी ने मेटा को इस बात के लिये जवाबदेह ठहराया कि उसके प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध वयस्कों की सामग्री तक बच्चों की पहुंच बनी है, जिससे उनके जीवन में यौन अपराधियों का खतरा बढ़ गया है।, भारत समेत कई विकसित व विकासशील देशों में सोशल मीडिया से बच्चों के जीवन में पड़ने वाले घातक प्रभावों को लेकर चिंता सालों से बनी हुई है। लेकिन देश में इस बाबत कोई नियामक कानून न होने से कोई ठोस कार्रवाई होती नजर नहीं आती। बच्चों की पढ़ाई खराब होने और उनके मानसिक रोगों से ग्रस्त होने की आशंका से अब अभिभावक आक्रोश व्यक्त करने लगे हैं। यही वजह है कि दुनिया के विकसित देशों में इन सोशल मीडिया प्लेटफार्म से बच्चों को दूर रखने के लिए कानून बन रहे हैं। आस्ट्रेलिया के बाद फ्रांस और अब अन्य यूरोपीय देश भी इस दिशा में पहल कर रहे हैं ताकि एक निर्धारित आयु से ऊपर के बच्चे ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म तक पहुंच बना सकें।

अंतरराष्ट्रीय कूटनीति

इस्लामाबाद के लिए गंभीर चुनौती बन सकती है ईरान की अस्थिरता

सामरिक अवसरवाद है पाक की मध्यस्थता

के एस तोमर

पाक ट्रंप और ईरान के बीच मध्यस्थ के रूप में कूटनीतिक प्रासंगिकता दिखाने की कोशिश कर रहा है। लेकिन इसकी विश्वसनीयता अभी भी संदिग्ध है और इसे अधिकतर सामरिक अवसरवाद के रूप में देखा जा रहा है।

पाकिस्तान आज एक रणनीतिक विरोधाभास में फंसा हुआ है—एक ओर वह अपनी पश्चिमी सीमा पर तालिबान के साथ बढ़ते संघर्ष में उलझा है, वहीं दूसरी ओर डोनाल्ड ट्रंप और ईरान के बीच मध्यस्थ के रूप में खुद को प्रस्तुत कर कूटनीतिक प्रासंगिकता दिखाने की कोशिश कर रहा है। लेकिन इसकी विश्वसनीयता अभी भी संदिग्ध है और इसे अधिकतर सामरिक अवसरवाद के रूप में देखा जा रहा है।

दरअसल, पाकिस्तान अपने हालिया इतिहास के एक अत्यंत जटिल रणनीतिक दौर से गुजर रहा है। उसके पश्चिमी पड़ोस में तेजी से बदलते घटनाक्रम—ईरान में अस्थिरता और अफगानिस्तान में तालिबान शासन के साथ बिगड़ते रिश्ते—ने एक ऐसा भू-राजनीतिक दबाव पैदा कर दिया है, जिसे इस्लामाबाद न तो नजरअंदाज कर सकता है और न ही आसानी से संभाल सकता है। दशकों तक 'रणनीतिक गहराई' का जो ढांचा पाकिस्तान ने तैयार किया था, वह अब टूटता हुआ दिख रहा है। उसकी जगह अब अनिश्चितता, आतंकी प्रतिक्रिया और सीमावर्ती जोखिमों ने ले ली है।

पाकिस्तान की पश्चिमी सीमा कभी शांत नहीं रही। ईरान से जुड़ी अस्थिरता इस्लामाबाद के लिए गंभीर चुनौती बन सकती है। ईरान केवल पड़ोसी ही नहीं, बल्कि एक महत्वपूर्ण आर्थिक और रणनीतिक साझेदार भी है। दोनों देशों की सीमा बलूचिस्तान के कठिन इलाकों से गुजरती है, जहां अलगाववादी समूह और तस्करी नेटवर्क सक्रिय रहे हैं। ईरान में किसी भी बड़े संकट से सीमा पार आतंकी गतिविधियां बढ़ सकती हैं और पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान में हालात बिगड़ सकते हैं।

पाकिस्तान की पुरानी ऊर्जा कमी ने ईरानी गैस को एक विकल्प बनाया है। हालांकि, प्रतिबंधों के कारण रुकी हुई ईरान-पाकिस्तान गैस पाइपलाइन अब भी एक संभावित समाधान मानी जाती है। लेकिन ईरान में अस्थिरता इस संभावना को और कमजोर कर सकती है और पाकिस्तान की आर्थिक चुनौतियों को और जटिल बना सकती है।

इस समय पाकिस्तान में बड़ी शिया आबादी है और अतीत में सांप्रदायिक तनाव हिंसा में बदलता रहा है। ईरान से जुड़ा कोई भी लंबा संकट इन आंतरिक विभाजनों को भड़का सकता है और सामाजिक संतुलन को प्रभावित कर सकता है।

पाकिस्तान की पश्चिमी सीमा कभी शांत नहीं रही। ईरान से जुड़ी अस्थिरता इस्लामाबाद के लिए गंभीर चुनौती बन सकती है। ईरान केवल पड़ोसी ही नहीं, बल्कि एक महत्वपूर्ण आर्थिक और रणनीतिक साझेदार भी है। दोनों देशों की सीमा बलूचिस्तान के कठिन इलाकों से गुजरती है, जहां अलगाववादी समूह और तस्करी नेटवर्क सक्रिय रहे हैं।

दशकों तक पाकिस्तान ने तालिबान के साथ संबंध इस उम्मीद में बनाए रखे कि काबुल में एक अनुकूल सरकार उसे रणनीतिक लाभ देगी। लेकिन 2021 में तालिबान की वापसी ने अपेक्षित परिणाम नहीं दिए। इसके विपरीत, संबंध लगातार बिगड़ते गए हैं। मुख्य विवाद तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) की मौजूदगी है, जो पाकिस्तान में कई हमलों के लिए जिम्मेदार है। इस्लामाबाद का आरोप है कि अफगान तालिबान उसे संरक्षण देता है। सीमा पार हमले और तीखी बयानबाजी ने स्थिति को खतरनाक बना दिया है। जो संबंध कभी वैचारिक निकटता का प्रतीक था, वह अब अविश्वास और सीमित सैन्य टकराव में बदल चुका है। डूरंड रेखा का विवाद भी इस तनाव को और गहरा करता है। तालिबान इसे मान्यता देने से इंकार करता है, जबकि पाकिस्तान इसे अपनी संप्रभुता का मुद्दा मानता है। इन दबावों के बीच कुछ सीमित अवसर भी दिखाई देते हैं। यदि ईरान बाहरी संकटों में उलझता है तो बलूच सीमा पर उसका ध्यान कम हो सकता है। अफगानिस्तान की आर्थिक कमजोरी तालिबान को पाकिस्तान के साथ व्यावहारिक समझौते की ओर धकेल सकती है। पाकिस्तान क्षेत्रीय मध्यस्थ के रूप में अपनी भूमिका बढ़ाने की कोशिश कर सकता है, जिससे उसकी प्रासंगिकता कुछ हद तक बढ़े। लेकिन यह रणनीति जोखिमों से भरी है और इसके परिणाम पूरी तरह अनिश्चित हैं।

भारत के लिए यह स्थिति मिश्रित संकेत देती है। पाकिस्तान की पश्चिमी समस्याएं उसके संसाधनों पर दबाव डालती हैं, जिससे पूर्वी सीमा पर ध्यान कम हो सकता है। लेकिन यह अपने आप भारत के लिए लाभकारी नहीं है। इसलिए भारत इन घटनाक्रमों को सावधानी और संतुलन के साथ देख रहा है।

चीन इस परिदृश्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा उसके निवेश ढांचे का अहम हिस्सा है। पश्चिमी सीमा पर अस्थिरता इन योजनाओं के लिए खतरा है। चीन को चिंता है कि अफगानिस्तान के उग्रवादी नेटवर्क शिनजियांग को प्रभावित कर सकते हैं। इसलिए वह इस्लामाबाद और काबुल के बीच संवाद को बढ़ावा देता है और आर्थिक सहयोग को स्थिरता का माध्यम मानता है।

दरअसल, पाकिस्तान की चुनौती उसकी पुरानी रणनीति में है। दशकों तक उसने गैर-राज्य तत्वों का उपयोग किया, जो अब उसके लिए ही चुनौती बन गए हैं। यह स्पष्ट रूप से रणनीतिक 'ब्लोबैक' की स्थिति है। विकल्प केवल रणनीतिक पुनर्संतुलन है—क्षेत्रीय सहयोग, आर्थिक एकीकरण और उग्रवाद से दूरी। लेकिन यह परिवर्तन कितना संभव है, यह अभी अनिश्चित है।

खुला मंच

बड़े साहब का बाथरूम भी बड़ा

मुकेश नेमा

लाख रूपए का सवाल यह है कि आप किसी सरकारी अफसर को पहचानेंगे कैसे? और यदि पहचान भी गये तो यह कैसे तय करेंगे कि वह बडा साहब है भी या नही ? इस टेढ़े सवाल का सीधा सा जवाब यह है आप यदि देख सकें तो साहब के कमरे में मौजूद बाथरूम को देखिए। बाथरूम की जगमगाहट यह तय करती है कि फिलहाल उस पर काबिज साहब कितना बड़ा है। साहब का बाथरूम के बीच सहोदर भाई जैसा रिश्ता। साहब को तभी बड़ा माना जाता है जब उसका बाथरूम बड़ा हो। साहब के बड़े होने के साथ बाथरूम भी बड़ा हो जाता है। बाथरूम और साहब एक साथ ही बड़े होते हैं।

सरकारी आफिसों की परम्परा है ये। किसी अड़ियल छोटे साहब को और छोटा महसूस कराने के लिये उसे बिना बाथरूम वाला कमरा अलॉट कर दिया जाता है। एक बात और, छोटा साहब, बड़े साहब का बाथरूम इस्तेमाल करने की बात सपने मे भी नहीं सोचता, यदि कोई छोटा साहब कभी ऐसी कोई गुस्ताखी कर बैठे तो वो तत्काल दंड का भागी होता है और फिर जीवन पर्यंत छोटा ही बना रहता है।

साहब दुनिया मे जिसे सबसे ज्यादा प्यार करता है उन चीजों मे उसका बाथरूम भी शामिल होता है। बुद्ध को जंगल जंगल भटकने के बाद बरगद के नीचे ज्ञान प्राप्त हुआ था, सरकारी साहब बाथरूम मे जाकर ही ज्ञानी हो जाता है।

आप किसी भी वक्त, किसी भी बड़े साहब की लोकेशन पता करके देखिए, फोन उठाने वाला अटेन्डेन्ट हमेशा यही बतायेगा साहब बाथरूम मे हैं। वहां इतना समय बिताते है कि यदि बाथरूम अलग देश होता तो उन्हें वहां की नागरिकता प्राप्त हो जाती। अगला सवाल वाजिब है आपका। साहब बाथरूम मे करता क्या है ? साहब बाथरूम मे वैसे काम हरगिज नहीं करता जैसे काम आप जैसे साधारण, नश्वर लोग किया करते हैं।

साहब को उसकी मर्ज़ी के खिलाफ बाथरूम से निकालने मे दो ही बंदे सक्षम हैं, इस पृथ्वी पर, पहला उससे बड़ा वाला साहब दूसरा उसकी बीबी। यदि आपकी पहुंच इन दोनों तक है तो आप साहब को बाथरूम के सुरक्षित अभ्यारण से बड़ी आसानी से बाहर निकाल भी सकते हैं, और उससे अपनी बात कह भी सकते है। यदि यह सब पढ़ कर आप यह मत मान लीजिए कि बाथरूम सरकारी काम मे रोड़ा भर होता है। लिहाजा आपको हर बार साहब के बाथरूम मे होने की ही सूचना प्राप्त हो रही है, तो विचलित ना हों। धीरज बनाये रखिये। मान रखिए बाथरूम में अवस्थित साहब का। मान लीजिये साहब हैं वो इसलिये बाथरूम मे हैं।

प्रसंगवश

साझा जिम्मेदारियों से बदलेंगे संबंधों के मायने

इसमें कोई दोराय नहीं कि घर में खाना पकाना हो या साफ-सफाई करना हो, अगर पति-पत्नी की भागीदारी हो, तो इससे परस्पर समानता और सम्मान का भाव पैदा होता है। भारतीय परिवारों में महिलाएं ही घरेलू कामकाज संभालती आई हैं। आमतौर पर पति उनका हाथ नहीं बंटाते, दुहाई परंपरा हो या फिर अपने काम और परिश्रम की। इस बहाने प्रकारांतर से महिलाओं की गरिमा और उनके श्रम की जिस तरह उपेक्षा होती आई है, वह किसी भी सभ्य समाज के लिए विचार का विषय होना चाहिए। सच यह है कि घर में भी कामकाज का दायरा काफी बड़ा होता है और उसे अकेले गृहिणी के भरोसे छोड़ देना उचित नहीं है। घरेलू काम को मिल-बांट कर करने से न केवल काम का बोझ हल्का होता है, बल्कि इससे एक दूसरे के प्रति सम्मान बढ़ जाता है और पत्नी को समानता का अहसास होता है। इस आदर्श स्थिति से पूरा परिवार एकजुट महसूस करता है, लेकिन ऐसी स्थिति कम ही दिखाई देती है। यह दुखद ही है कि घरेलू कामकाज से लेकर खाने तक में कमियां निकालने की शिकायतें कई बार विवाद की वजह बन जाती हैं और कभी-कभी मामला अदालत तक पहुंच जाता है। ऐसे ही एक मामले में तलाक मांग रहे पति से शीर्ष न्यायालय ने कहा है कि पतियों को भी घर के कामकाज की जिम्मेदारी उठानी चाहिए, क्योंकि आपने घरेलू सहायिका से नहीं, जीवन संगिनी से शादी की है। इसमें कोई दोराय नहीं कि घर में खाना पकाना हो या साफ-सफाई करना हो, अगर पति-पत्नी की भागीदारी हो, तो इससे परस्पर समानता और सम्मान का भाव पैदा होता है। इसकी अहमियत केवल काम में सहयोग तक सीमित नहीं है, बल्कि यह महिला के व्यक्तित्व और उसकी अस्मिता से जुड़ा प्रश्न है कि उसका विवाह पति के घर के सारे काम अकेले निपटाने के लिए नहीं हुआ है। बल्कि उसके व्यक्तित्व का भी सम्मान किया जाता है, उसे महत्त्व दिया जाता है। इससे एक नया आत्मविश्वास पैदा होता है, जो एक घर और परिवार के बीच संवेदना की कड़ियों को और मजबूत करता है। व्यक्ति परिवार की इकाई होता है। इसलिए हर व्यक्ति का आपसी रिश्ता और व्यवहार बेहतर होना जरूरी है। यत्र विश्वं भवति एक नीडम् यानी विश्व एक परिवार की तरह है। हमारी परंपरा में विश्व के साथ जुड़ने और मानवीय संस्कृतियों के सभी रंगों को समाहित करने की उदारता रही है। परिवार समाज की सबसे महत्त्वपूर्ण इकाई है। इस इकाई को सम्मान देने और इसका हिस्सा होने की वजह से दुनिया के हर सभ्य व्यक्ति का कर्तव्य है कि वह परिवार के साथ अपनी अहमियत बनाए रखे। हमारी वैदिक सनातन परंपरा में नारी को खास अहमियत दी गई है। परिवार में नारी को वैसा सम्मान दे, जिसकी वह हकदार है। दुनिया में स्त्री के प्रति पुरुषों के नजरिए में बदलाव हुआ है, लेकिन उसे वैसा सम्मान नहीं दिया जा सका है जैसा उसे देना चाहिए। इसका एक जरूरी पहलू यह है कि जब घर के बच्चे अपने माता-पिता को मिल कर घरेलू कामकाज निपटाते देखेंगे, तो उनके भीतर भी स्त्री-पुरुष समानता के पाठ का प्रशिक्षण होगा। किसी घर में इस तरह के माहौल और कामकाज में बराबरी की सहभागिता लोगों को मानवीय संवेदनाओं से लैस करेगी और समाज को ज्यादा मानवीय बनाएगी।

सामाजिक सरोकार

'सरके चुनर तेरी सरके' और 'टटीरी' जैसे गीत समकालीन संगीत जगत का व्यापक चलन हैं

फिल्मी संगीत में गरिमा बनाए रखना जरूरी

राजबीर देसवाल

फिल्मी गीतों में हमेशा प्रेम, आकर्षण व अंतरंगता जैसे विषयों को भी गहरे प्रतीकों व गरिमा के साथ पेश किया गया है। किंतु मौजूदा दौर में, खासकर रैप व व्यावसायिक संगीत के बढ़ते प्रभाव के चलते वह नाजुक संतुलन गड़बड़ा रहा है। बंदूकें, धन और ताकत का प्रदर्शन करने वाले संगीत के वीडियो भले रोमांचक लगते हों, लेकिन नई पीढ़ी पर गलत असर हो रहा है।

भारतीय फिल्मी गाने कभी भी महज मनोरंजन का साधन नहीं रहे हैं; उन्होंने हमेशा समाज की भावनात्मक गहराई, सांस्कृतिक संवेदनशीलता और परिष्कृत सौंदर्यबोध को प्रतिबिम्बित किया। एक समय था जब हिंदी सिनेमा ने प्रेम, आकर्षण और शारीरिक अंतरंगता जैसे विषयों को भी असाधारण गरिमा से प्रस्तुत किया था। किंतु, वर्तमान दौर में, विशेषकर रैप व व्यावसायिक संगीत के बढ़ते प्रभाव के चलते वह नाजुक संतुलन अब लुप्तप्राय है; उसकी जगह उघड़ी कामुकता और सनसनी की प्रवृत्ति ने ले ली है।

नोरा फतेही के नृत्य-गीत 'सरके चुनर तेरी सरके' को लेकर खड़ा हुआ विवाद इसका उदाहरण है। इस गाने की कथित अश्लील बोलों और बेहद कामुक प्रस्तुति के लिए आलोचना हुई। सोशल मीडिया, अनौपचारिक बैठकों व बहस के मंचों पर जनाक्रोश दिखा। सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन जैसे प्राधिकरणों ने वकील विनीत जिंदल की शिकायत के बाद मामले का संज्ञान लिया, मानवाधिकार आयोग ने भी इस बारे नोटिस जारी किया।

बादशाह के 'टटीरी' गीत मामले में भी कुछ ऐसा ही हंगामा देखने को मिला था। इस हरियाणवी रैप गाने का इसके बोलों और दृश्यों को लेकर व्यापक विरोध हुआ, जिन्हें अश्लील और स्त्री को बतौर वस्तु प्रस्तुत करने वाला माना गया। इसके बाद कानूनी शिकायतें दर्ज की गईं और हरियाणा राज्य महिला आयोग ने कलाकार को स्पष्टीकरण देने के लिए तलब किया, पेश न होने पर कड़े निर्देश जारी किए, जिनमें गिरफ्तारी, पासपोर्ट जब्ती और राज्य में उसकी प्रस्तुतियों पर रोक लगाना शामिल था। मामला और तूल पकड़ गया, जब एक एफआईआर में गाने की सामग्री अश्लील बतायी गयी-खासकर वे दृश्य जिनमें स्कूल जैसे माहौल में अनुचित चित्रण किया गया था। अंततः, बढ़ते विरोध के दबाव में इस गाने को वापस लिया और माफीनामा भी जारी किया। इस घटना ने जो बड़ा सवाल खड़ा किया कि कलात्मक आजादी व सामाजिक ज़िम्मेदारी के बीच सीमा रेखा कहां खींची जाए-वो अभी अनुत्तरित है।

ये घटनाएं कोई अलग-थलग मामले नहीं; बल्कि समकालीन संगीत जगत में एक व्यापक चलन की ओर संकेत करती हैं। अनेक आधुनिक गाने अब 'सभ्य रुचि' की सीमाएं लांघते प्रतीत होते हैं; इनमें ऐसी भाषा व दृश्यों का प्रयोग किया जाता है जो श्रोताओं के बड़े वर्ग को भोंडे व असहज करने वाले लगते हैं। ऐसी भाव-भंगिमाएं या अभिव्यक्तियां जो खुलेआम अश्लील इशारे करती हैं, या व्यक्तियों को महज वस्तु के रूप में पेश करती हैं, ये उस जहीन और गरिमामय रोमांस के चित्रण की जगह ले रहे हैं, जो कभी फिल्मी संगीत की पहचान था। ऐसे बोल अक्सर भावनात्मक जुड़ाव पेश करने के बजाय, रोबदार छवि और खोखले दिखावे के भाव ही अधिक परिलक्षित करते हैं।

रचनात्मक स्वतंत्रता कलात्मक अभिव्यक्ति की नींव है और इसका सम्मान होना चाहिए। हालांकि, यह पहचान रखना भी उतना ही अहम है कि दीर्घकालीन कलात्मकता अक्सर कल्पनाशीलता, भाषा और संयम के सामंजस्यपूर्ण मिश्रण से उभरती है। जब गूढ़ता की जगह उघड़ापन आता है, तो अभिव्यक्ति की सौंदर्यपरक गुणवत्ता कम होने लगती है। पिछले दशकों के गीतों पर नज़र डालने से एक स्पष्ट अंतर दिखता है। तब भी, प्रेम, विरह और शारीरिक अंतरंगता के विषय ही मुख्य थे, फिर भी उन्हें शालीनता और काव्य-सौंदर्य के साथ व्यक्त किया जाता था। 'आज साजन मोहे अंग लगा लो' या 'पिया अंग लग लग के भई सांवली मैं' जैसी पंक्तियां स्पष्टतया सामीप्य की इच्छा व्यक्त करती हैं, लेकिन ऐसा वे गरिमा और संगीतमयता के साथ करती हैं।

कालजयी गीत 'बांहों में चले आओ' (मजरूह सुल्तानपुरी) पर भी विचार करें, जो उकसाने के बजाय गर्मजोशी और स्नेह के साथ निकटता का निमंत्रण है। या फिर भावपूर्ण गीत 'रात अकेली है, बुझ गए दीये...' जो सौम्य अंतरंगता का माहौल रचता है। ऐसी रचनाएं दर्शाती हैं कि भावनात्मक गहराई और गरिमा कैसे एक साथ हो सकती हैं। पुराने गीतों की रचना में रूपकों ने अहम भूमिका निभाई। 'मैं नदिया फिर भी मैं प्यासी' जैसी अभिव्यक्तियां काव्य-समृद्धि के साथ विरह को व्यक्त करती हैं, जबकि 'तेरे लबों को चूम लूं मैं' जैसी पंक्तियां स्पष्टतः उत्तेजक होते हुए भी परिष्कृत रहती हैं।

महत्वपूर्ण यह है कि जवानी और चाहत के विषयवस्तु वाले गीत-'चढ़ती जवानी मेरी चाल मस्तानी', या 'आज मैं जवान हो गई हूं'-एक नाजुक संतुलन बनाए रखते थे। उनका चंचल अंदाज़ और काव्यात्मक आवरण यकीनी बनाता था कि अभिव्यक्ति अभद्रता के स्तर तक न गिरे।

हालांकि, यह कहना गलत होगा कि आधुनिक संगीत में परिष्कृतता नहीं है। कई समकालीन रचनाएं सूक्ष्म प्रेम की परंपरा को कायम रखती हैं। 'पहला नशा', 'तुम ही हो', 'रातां लम्बियां', 'केसरिया' और 'तेरा बन जाऊंगा' जैसे गीत दर्शाते हैं कि श्रोता आज भी संजीदगी, मधुरता और भावनात्मक प्रामाणिकता पसंद करते हैं।

सिनेमा और संगीत का समाज के साथ हमेशा एक गतिशील संबंध रहा। इसलिए, यह सवाल वाजिब है कि क्या तुरत-फुरत लोकप्रियता और वायरल सफलता की चाहत कलात्मक गरिमा व सांस्कृतिक संवेदनशीलता की कीमत पर होनी चाहिए। अंततः, इस चर्चा का उद्देश्य निंदा नहीं, बल्कि चिंतन करना है। मंतव्य उस दौर को याद करना है जब फिल्मी संगीत में रोमांस, चंचलता और काव्यात्मक सौंदर्य का संतुलन था, बिना अश्लीलता का सहारा लिए। वह विरासत आज भी रचनाकारों के लिए मूल्यवान मार्गदर्शक है।

शायद आज कलात्मकता की नए सिरे से सराहना करने की जरूरत है-जहां रूपक, कल्पना और भाषाई शालीनता फिर से प्रेम और मानवीय भावनाओं के चित्रण को समृद्ध करें। जब यह संतुलन बहाल होगा, तब भारतीय फिल्मी गीत उस शाश्वत आकर्षण को बनाए रखते हुए विकसित होते रह सकते हैं जिसने उन्हें कभी चिरस्थायी सांस्कृतिक धरोहर बनाया था।

(लेखक हरियाणा के पूर्व वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी हैं।)

जीवन दर्शन

'क्यों' और 'कैसे' की खोज से ही जन्म लेता है ज्ञान

जब युवाओं के मन में 'क्यों' और 'कैसे' की आग जलती है, तभी वे किताबों से आगे बढ़कर दुनिया को समझने, बदलने और नया रचने की ताकत पाते हैं। जरूरी है कि युवा केवल विज्ञान को पढ़ें नहीं, बल्कि उसे महसूस करें, प्रश्न करें, खोजें और उससे जुड़ें।

जब मैं हाई स्कूल के छात्रों से बात करता हूं, तो एक चिंताजनक तस्वीर सामने आती है। वे 'तथ्यों' को रट तो लेते हैं, पर उन तथ्यों के पीछे छिपी जिज्ञासा और खोज का आनंद उनसे कहीं दूर हो चुका होता है। उनके भीतर का विस्मय धीरे-धीरे समाप्त हो गया है, जबकि संदेह करने और प्रश्न उठाने की क्षमता विकसित ही नहीं हो पाई। वे सवाल पूछने से घबराते हैं, अधूरे या संतोषजनक न होने वाले उत्तरों को भी स्वीकार करने को तैयार रहते हैं, और कोई ?सवाल भी नहीं करते हैं।

कक्षा में एक अजीब-सा माहौल होता है, जहां छात्र एक-दूसरे को तिरछी नजरों से देखते रहते हैं, ताकि वे पल-पल यह भांप सकें कि उनके साथी उन्हें कितना स्वीकार कर रहे हैं। वे अपने सवाल पहले से कागज पर लिखकर लाते हैं और चुपचाप उन्हें देखते रहते हैं। इससे वे कक्षा में चल रही असली चर्चा से लगभग अलग हो जाते हैं। यही वह बिंदु है, जहां विज्ञान की वास्तविक आत्मा खो जाती है। विज्ञान तो जिज्ञासा, खोज व निरंतर प्रश्न करने की प्रक्रिया है। जब युवाओं के मन में 'क्यों' और 'कैसे' की आग जलती है, तभी वे किताबों से आगे बढ़कर दुनिया को समझने, बदलने और नया रचने की ताकत पाते हैं। जिज्ञासा ही वह शक्ति है, जो पढ़ाई को ज्ञान में और ज्ञान को नवाचार में बदल देती है। जब हम प्रकाश-वर्षों की विशालता और समय की अनंत यात्रा में अपनी जगह समझते हैं, और जीवन की जटिल सुंदरता को महसूस करते हैं, तब जो अनुभूति जन्म लेती है, वह उत्साह और विनम्रता का संगम होती है। ऐसी ही भावनाएं हमें महान कला, संगीत या साहित्य के सान्निध्य में भी अनुभव होती हैं, या फिर गांधी या मार्टिन लूथर किंग जूनियर जैसे लोगों के निःस्वार्थ साहस के अनुकरणीय कार्यों को देखकर हमारे मन में उठने वाली भावनाएं भी ठीक वैसी ही होती हैं। यह धारणा कि विज्ञान और आध्यात्मिकता एक-दूसरे के विरोधी हैं, वास्तव में एक भ्रम है।

जरूरी है कि युवा केवल विज्ञान को पढ़ें नहीं, बल्कि उसे महसूस करें, प्रश्न करें, खोजें और उससे जुड़ें। तभी वे एक अच्छे विद्यार्थी बनने के साथ-साथ संवेदनशील, जिज्ञासु और जागरूक इन्सान भी बन पाएंगे।

कार्ल सेगन

गीता ज्ञान

श्लोक

•/ ˛ ˛ ª ˇ S
U—
¥ Ø ˝ ˇ S ˛ ·
º` ª H

भावार्थ

हे भारत (अर्जुन), जब-जब धर्म का लोप और अधर्म की वृद्धि होती है, तब-तब मैं अपने रूप को प्रकट करता हूँ (अवतार लेता हूँ)।

सबसे लंबी टनल का काम जल्द होगा पूरा

विसं, भोपाल। प्रदेश की सबसे अधिक लंबाई 11.952 किमी की स्लीमनाबाद टनल (जल सुरंग) का कार्य जल्द पूरा होगा। परियोजना पूरी होने के उपरांत 1.85 लाख हेक्टेयर कमान क्षेत्र को सिंचित होगा। यह जानकारी रविवार को नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण की 270 वीं बैठक में दी गई। सीएम हाउस स्थित समत्व भवन में हुई बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अधिकारियों को टनल को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। सीएम ने बताया कि टनल का कार्य 85 प्रतिशत पूरा हो चुका है। इस परियोजना के पूर्ण होने पर शीघ्र ही उद्घाटन कार्यक्रम होगा। प्राधिकरण की बैठक के साथ ही नर्मदा नियंत्रण मंडल की 87 वीं बैठक और नर्मदा बेसिन प्रोजेक्ट लिमिटेड के संचालक मंडल की 34 वीं बैठक भी हुई। मुख्यमंत्रीने कहा है कि प्रदेश में सिंचाई क्षेत्र के विस्तार के लिए निर्माणाधीन परियोजनाओं को शीघ्र पूरा किया जाए। प्रशासकीय और वित्तीय कठिनाईयों को दूर कर लंबित कार्यों की पूर्णता सुनिश्चित की जाए। बरगी व्यपवर्तन परियोजना के बीते दो वर्ष में तेजी से कार्य पूरे किए गए। स्लीमनाबाद टनल के निर्माण कार्य को पूरा करने के लिए प्रशासकीय और वित्तीय स्तर पर कमियों को दूर करते हुए कार्य पूर्ण किए गए हैं।

प्राधिकरण की बैठक में सीएम रहे मौजूद

सड़क चौड़ीकरण: हटेंगी लेबर कालोनी की 55 दुकानें व 38 मकान, विरोध तेज

प्रशासन की कार्रवाई का विरोध करने पहुंची महिलाएं

जागरण संवाददाता, भोपाल। लोक निर्माण विभाग द्वारा इंद्रपुरी भवानीधाम सड़क को चौड़ीकरने के लिए हटाई जाने वाली 55 दुकानों और 38 मकानों को बचाने के विरोध में लेबर कालोनी की महिलाओं सहित अन्य लोग सड़क पर उतर आए और प्रशासन की कार्रवाई का विरोध किया। प्रशासन का अमला निर्माण के जद में आ रहे सभी अतिक्रमणों को चिन्हित करने के लिए पहुंचा था। इसी दौरान कार्रवाई का विरोध किया गया। इस दौरान करीब 4 दशकों से यहीं रह रहीं बुजुर्ग महिलाएं कार्रवाई को देख रोने लगीं। महिलाओं का कहना था कि उनके जीवनयापन का एकमात्र यही सहारा है। दुकानें टूट जाएंगी तो वे अपनी रोजी रोटी कैसे चला सकेंगी। मामले की जानकारी मिलने के बाद पार्षद जीत राजपूत मौके पर पहुंचे और अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई का विरोध किया। रहवासियों का कहना था कि 15 साल पहले हो रहे रोड चौड़ीकरण के दौरान भी उन्हें नहीं हटाया गया। इस बार सख्त कार्रवाई क्यों की जा रही है? बता दें कि इंद्रपुरी भवानीधाम फोरलेन सड़क करीब 15 वर्ष पूर्व बनी है, लेकिन लेबर कालोनी के सामने की सड़क सिंगल लेन ही है। इस रोड पर एक पुलिया है। उसका चौड़ीकरण भी किया जाना है। पुलिया के पास ग्लोबल स्किल पार्क है। यातायात का दबाव बढ़ने के कारण सिंगललेन पर अक्सर जाम की स्थिति बनती है।

हाथों में राशन कार्ड व पट्टे लेकर किया प्रदर्शन

इस दौरान प्रदर्शन कर रही महिलाएं हाथ में राशन कार्ड और पट्टे लेकर प्रदर्शन करते दिखीं। मामले में क्षेत्रीय पार्षद जीत राजपूत का कहना है कि प्रशासनिक अधिकारियों का इस मामले में तर्क है कि लोक निर्माण विभाग द्वारा सड़क का चौड़ीकरण किया जा रहा है, जिसे लेकर दुकानें और मकान हटाए जाने हैं। फिलहाल विस्थापन की योजना नहीं है। पार्षद राजपूत के अनुसार वे इस मामले में लोगों का पक्ष लेकर जल्दी ही कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह से मिलेंगे।

आज नर्स भर्ती परीक्षा में आवेदन का अंतिम दिन

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) की समूह 5 के तहत स्टाफ नर्स, लैब अटेंडेंट, टेक्नीशियन, डेंटल टेक्नीशियन, फार्मासिस्ट, ड्रेसर समेत विभिन्न पदों पर भर्ती के लिए आवेदन जमा करने का सोमवार को अंतिम दिन है। पूर्व में अंतिम तिथि 27 मार्च रखी गई थी। पदों की बढ़ोतरी होने के कारण अंतिम तिथि में तीन दिन की बढ़ोतरी कर 30 मार्च रखी गई। चिकित्सा शिक्षा विभाग ने सतना के मेडिकल कालेज में करीब 100 पदों की बढ़ोतरी कर दी है। पदों की बढ़ोतरी संबंधी रोस्टर और पदों का संधरण होने के बाद ईएसबी ने विज्ञापन में संशोधन भी जारी कर अपनी वेबसाइट पर अपलोड कर दिया है।

मिलावटखोरों पर कार्रवाई की मांग को लेकर प्रदर्शन

भोपाल। शहर में मिलावटखोरों को फांसी देने की मांग को लेकर आम लोगों ने हाथों में बैनर तख्तियां लेकर नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। लोगों का कहना था कि आतंकवादी हमले में तो कुछ लोग हताहत होते हैं और उनकी मौत हो जाती है, लेकिन मिलावटखोर तो पूरे के पूरे समाज की जान को ही खतरे में डाल देते हैं। इस कारण उन्हें फांसी दी जाना चाहिए। बागमुगालिया एक्सटेंशन कालोनी विकास समिति के बैनर तले हुए इस प्रदर्शन में बागमुगालिया और कटारा हिल्स क्षेत्र की कई कालोनियों के लोग शामिल हुए।

कारोबारी से विद्युतकर्मी और बैंककर्मी बन ठगे 5.5 लाख

एपीके फाइल डाउनलोड करवाकर मोबाइल किया एक्सेस

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। पुराने शहर के कारोबारी से विद्युतकर्मी, फिर बैंककर्मी बनकर 5.5 लाख रुपए की ठगी सामने आई है। जालसाजों ने एपीके फाइल डाउनलोड करवाकर मोबाइल का एक्सेस ले लिया और वारदात को अंजाम दिया। इसके बाद क्रेडिट कार्ड के माध्यम से आनलाइन शॉपिंग भी की। इस संबंध में पीड़ित ने अशोका गार्डन थाना पुलिस और सायबर पुलिस से शिकायत की है। 38 वर्षीय अनूप जैन इब्राहीमगंज में रहते हैं। वह अशोका गार्डन में बिल्डिंग मटेरियल सप्लाई का आफिस संचालित करते हैं। अनूप के पास 21 मार्च को एक युवक का वाट्सएप कॉल आया। कॉलर ने कहा कि आपका बिजली कनेक्शन एक घंटे के अंदर काट दिया जाएगा, क्योंकि बिल जमा नहीं हुआ है। चूंकि अनूप ने हाल में दुकान में मीटर लगवाया था, इसलिए उन्हें लगा कि किसी तकनीकी खामी के कारण बिल न भरने का मैसेज आ रहा है। जालसाज ने उनके पिता का नाम भी बताया, क्योंकि मीटर उन्हीं के नाम पर है। इससे उन्हें पूरा यकीन हो गया कि कॉल विद्युत विभाग से ही है। कॉलर ने उन्हें एक ऐप डाउनलोड करने को कहा और वहीं से आनलाइन भुगतान करने को कहा। जैसे ही ऐप डाउनलोड किया, उनके मोबाइल से कुछ ही देर में 51 हजार रुपए कटने का मैसेज आया। उनके क्रेडिट कार्ड से शॉपिंग कर ली गई थी।

फिर क्रेडिट कार्ड ब्लॉक करने के नाम पर ठगा

क्रेडिट कार्ड से ट्रांजेक्शन होने के बाद एक अन्य नंबर से कॉल आया। सामने वाले ने स्वयं को बैंक कर्मचारी बताया और कहा कि आपके क्रेडिट कार्ड का लगातार अलग-अलग ट्रांजेक्शन में उपयोग करने का प्रयास किया जा रहा है। अनूप ने कार्ड ब्लॉक करने की रिक्वेस्ट की। जालसाज ने कार्ड ब्लॉक करने से पहले कुछ प्रक्रिया पूरी करने की बात कही और एक एपीके फाइल भेजी। इस बीच उनसे बैंक अकाउंट नंबर भी मांगा। अनूप ने जैसी ही फाइल पर क्लिक किया, उनके खाते से तीन बार में पांच लाख रुपए निकाल लिए गए। ठगी का अहसास होने पर अनूप ने इस संबंध में शिकायत की। मामले की जांच की जा रही है।

किराना कारोबारी ने दुकान में फांसी लगाकर की खुदकुशी

जागरण, भोपाल। बैरागढ़ थाना क्षेत्र में किराना कारोबारी में दुकान ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस को मृतक के पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिलने से कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 41 वर्षीय उमेश कुमार खत्री पिता हेमंत कुमार शिव मंदिर के पास नीलकंठ कॉलोनी में रहते थे। वह किराना कारोबारी थे, साथ ही फाइनेंस कंपनी के लिए रिकवरी का काम भी करते थे। साल 2007 में उसकी शादी हुई थी जिसके नौ साल बाद 2016 में पत्नी से तलाक ले लिया। उनके दो बच्चे हैं, जो पत्नी के पास ही रहते हैं। जिसको लेकर वह डिप्रेशन में रहता था। रविवार सुबह न उनका शव घर में स्थित दुकान में फांसी के फंदे पर लटका मिला। भाई अजीत कुमार ने जब उसे फंदे पर लटका देखा तो तुरंत नीचे उतारकर कर अस्पताल लेकर पहुंचा। जहां डॉक्टरों उमेश को मृत घोषित कर दिया। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

वाहन की टक्कर से युवक की मौत

गांधीनगर क्षेत्र में वाहन की टक्कर से युवक की मौत हो गई। पुलिस ने पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार 24 वर्षीय करण राव पिता नाथूराम मूल रूप से बैरागढ़ का रहने वाला था। वह निजी काम करता था। वह अपने छोटे भाई अर्जुन के साथ दोस्त से मिलने लिए भोपाल आया था। जहां वापस लौटते समय आसाराम चौराहा स्थित ब्रिज के पास पहुंचते ही शनिवार शाम चार बजे उसकी बाइक को किसी अज्ञात वाहन की टक्कर ने मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। जबकि उसके भाई को मामूली चोटें आई। राहगीरों ने घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने करण को मृत घोषित कर दिया।

85 दिन में 14 हजार से ज्यादा सैंपलों की जांच 3 कॉलोनियों में भू-जल प्रदूषित होने की पुष्टि

इंदौर में 23 मौतों के बाद निगम ने की लगातार जांच, बदली सप्लाई व्यवस्था

जागरण संवाददाता, भोपाल। लंबे समय तक ध्वस्त रहे सीवेज नेटवर्क के कारण शहर का भूजल प्रदूषित हो चुका है। साथ ही शहर के विभिन्न तालाबों में मिलने वाले गंदे नालों के कारण ई-कोलाई, अमीबा और पैरामीशियम जैसे सूक्ष्म जीव सीधे पानी में मिल रहे हैं। यही सूक्ष्मजीव सीधे भूमिगत जल को भी प्रदूषित कर रहे हैं। बता दें कि इंदौर में दूषित पानी पीने के बाद हुई 23 मौतों के मामले ह्यसे सबक लेते हुए नगर निगम भोपाल ने भी शहर के विभिन्न इलाकों में रोजाना सैकड़ों सैंपल लेकर पानी की जांच शुरू की थी। शहर में पिछले 85 दिनों से रोजाना 100 से अधिक सैंपल जांचे जा रहे हैं। अब तक 14 हजार से ज्यादा सैंपलों की जांच करने के बाद शहर में तीन जगहों पर ई-कोलाई होने की पुष्टि हुई है। जिन जगहों पर ई-कोलाई होने की पुष्टि हुई है। इन तीनों जगहों पर पानी की सप्लाई भूमिगत जल स्रोत से हो रही थी। पानी में जानलेवा बैक्टीरिया की पुष्टि होने के बाद इन तीनों जगहों पर पानी की सप्लाई रुकवाकर अन्य स्रोतों से पेयजल की सप्लाई करवाई जा रही है, ताकि लोगों को साफ पानी मिल सके।

खानूगांव में बंद कराई गई कुएं से हो रही सप्लाई

खानूगांव में लंबे समय से कुएं से पानी की सप्लाई की जा रही थी, लेकिन सैंपलिंग के दौरान कुएं के पानी में ई-कोलाई बैक्टीरिया होने की पुष्टि हुई। इसके बाद कुएं से पानी की सप्लाई बंद करवाकर नर्मदा जल पाइप लाइन से पानी की सप्लाई कराई गई। बताया जा रहा है कि अभी इलाके में कम प्रेशर से पानी की सप्लाई की जा रही है।

बंद करवाए गए लीकेज

वाजपेयी नगर में भी बोरवेल से पानी की सप्लाई की जा रही थी। सैंपलिंग में यहां पर भी ई-कोलाई के होने की पुष्टि हुई। बैक्टीरिया की मात्रा तय मानकों से ज्यादा थी। इस कारण बोरवेल की सप्लाई बंद कर पानी की नई पाइप लाइन डाली गई। वाजपेयी नगर के रहवासियों के अनुसार नई पाइप लाइन डाले जाने के बाद पानी की सप्लाई पर्याप्त मात्रा में हो रही है।

आदमपुर में टैंकरों से सप्लाई

निगम क्षेत्र में पानी की बड़ी समस्या आदमपुर छावनी ग्रामों में थी। इन दोनों जगहों पर खंती के कारण भूजल बुरी तरह से प्रदूषित हो गया है। रत्नागिरी स्थित निगम के हाइड्रेंट से पानी सप्लाई की जा रही है। दोनों ग्रामों में दो हजार लीटर की दो टंकियां रखवाई गई हैं।

लोको पायलट से 2.29 लाख की ठगी बिना ओटीपी खाते से निकाल ली रकम

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। ,निशातपुरा इलाके में सायबर जालसाज ने लोको पायलट के साथ 2.29 लाख की ठगी कर दी। पीड़ित के दो बैंक खातों से बिना ओटीपी पूछे रकम निकाल ली। एक बैंक की सलाह पर उन्होंने शेष राशि की एफडी की। अगले दिन जालसाज ने आनलाइन ओडी लिमिट एप्लाय करके यह रकम भी उड़ा ली। पीड़ित ने इस संबंध में ई-जीरो एफआईआर की थी। इसके बाद निशातपुरा पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। निशातपुरा पुलिस के मुताबिक, राजीव कुमार चौधरी अलंकार हाइट्स करोंद में रहते हैं। वह पश्चिम मध्य रेलवे में लोको पायलट हैं। राजीव के केनरा बैंक और एचडीएफसी बैंक में बचत खाते हैं। बीती 13 मार्च की सुबह 9 बजे से सवा 9 बजे के बीच उनके केनरा बैंक के खाते से 99 हजार रुपए निकाल लिए गए। इसी तरह एचडीएफसी खाते से भी रकम निकाली गई। उनके दोनों खाते से कुल 1.30 लाख रुपए आनलाइन निकाल लिए गए। दोनों ट्रांजेक्शन बिना ओटीपी और कॉल आए के हुए। इसके बाद एचडीएफसी बैंक ने सलाह दी कि शेष बची राशि को सुरक्षित करने के लिए उसकी एफडी बना ली जाए। राजीव ने केनरा बैंक के खाते से 1.46 लाख रुपए की दो एफडी बना दी। एफडी बनने के बाद अगले दिन 14 मार्च की सुबह सवा 9 बजे से 9.20 बजे के बीच रुपए निकाले जाने का मैसेज आया। 16 मार्च को राजीव बैंक पहुंचे तो पता चला कि जालसाज ने आनलाइन एप्लाय करके ओडी लिमिट से 1.09 लाख लाख निकाले हैं। इसके बाद उन्होंने ई-जीरो एफआईआर की। निशातपुरा पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

एफडी बनाई तो जालसाज ने ओडी लिमिट एप्लाय कर उसे भी उड़ा लिया

भेल-संतनगर जागरण

दादा अपने पोते से मातृ भाषा में बात करें: भगवानदास सबनानी

लुप्त होती सिंधी लिपि, किसी ने युवाओं को तो किसी ने बुजुर्गों को दिया दोष

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। इस बात में कोई दो राय नहीं कि जब 14 अगस्त 1947 को धर्म आधारित पाकिस्तान बना, और 1948 में वहां के शासकों ने सिंधी हिन्दुओं को भयभीत करना प्रारंभ किया, और उन्हें अपनी जन्म स्थली छोड़नी पड़ी, तब से ही सिंधी लिपि के बुरे दिन शुरू हो गए, लेकिन दुर्भाग्य से सिंधी समाज आजादी के 79 साल बाद भी यह तय नहीं कर पाया है कि आखिर इसे किस तरह से पुर्नस्थापित किया जाए, हर बार होने वाले सम्मेलनों, गोष्ठियों में समाज के विद्वान लम्बे चौड़े भाषण तो देते हैं, लेकिन सरकार से क्या हासिल करना है, उसकी कोई बात नहीं करता। ऐसा ही नजारा शनिवार को द ग्रांड सनसिटी रिर्जोट में देखने को मिला। यहां मप्र सिंधी साहित्य अकादमी ने अंतरप्रांतीय सिंधी साहित्य सम्मेलन का आयोजन किया था, जिसमें कुछ वक्ताओं ने सिंधी लिपि की दयनीय हालत को दोष कुछ ने युवा पीढ़ी को दिया, तो किसी ने इसके लिए बुजुर्गों को कसूरवार ठहराया। लेकिन सिंधी लिपि को किस तरह से रोजगार से जोड़ा जाए, उस पर किसी ने कुछ नहीं कहा।

सिंधी पत्रकार दूर: इस कार्यक्रम से समय समय पर सिंधी लिपि का उत्थान किस तरह से हो, जो सिंधी पत्रकार हिन्दी अखबारों में लिखते रहे हैं, और सरकार

का ध्यान केन्द्रित कर सिंधी लिपि को रोजगार से जोड़कर उसे जुप्त होने से बचाने के लिए उपयोगी सुझा देते हैं, उन्हें इस कार्यक्रम से दूर रखा गया था।

युवा पीढ़ी पूछेगी

वहीं दूसरी और मुख्य अतिथि संत सिद्ध भाऊ के अलावा केन्द्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद के पूर्व निदेशक रवि टेकचंदानी, अकादमी के डायरेक्टर राजेश वाधवानी व ख्याति प्राप्त साहित्यकार डा. मोहन गेहानी की मंच पर विशेष उपस्थिति के दौरान मुख्य वक्ता भाजपा सिंधी विधायक भगवानदास सबनानी ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी पूछेगी कि साहित्यकारों, कलाकारों व लेखकों ने हमे क्या दिया। इसलिए लिखना चाहिए। हम ताकतवर हैं, इसका कोई सबूत पेश करना होगा। उन्होंने काकटेल पर भी चिंता प्रकट की, और कहा कि यह बताना होगा हम अपने संस्कारों से दूर होते जा रहे हैं, उन्होंने कहा कि अब सम्मेलन खाने पीने के मंच बनकर रह गए हैं। उन्होंने पूछा हमारा एजेंटा क्या है, केवल खाना व पीना। समाज में हमारी सक्षमता होने के बाद भी हमने ऐसा कुछ नहीं बनाया जिस पर हम गर्व कर सकें, न तो हमारे संस्कार के केन्द्र हैं, न ही दिशा देने वाले लोग।

यहां सिद्ध भाऊ ने कहा कि मातृ भाषा बिना सिंधियों का कोई अस्तित्व नहीं है। पूरे देश में धीरे धीरे सिंधी स्कूल बंद हो रहे हैं, हमारे यहां दो सीबीएसई के दो स्कूल हैं, जहां पढ़ने के लिए सिंधी विषय तो है, लेकिन बच्चे नहीं मिल रहे हैं, अभिभावकों से निवेदन करने पर मुश्किल से ये कक्षाएं चल पा रही है, पर संख्या कम है। उन्होंने कहा कि अगर घर परिवार में अभिभावक अपने बच्चों से मातृ भाषा में बात करें, भगवान हमें सदबुद्धि दे कि हम समझें कि सिंधी बिना समाज का अस्तित्व नहीं है, पैसे से क्या होगा, अगर अस्तित्व बचाना है तो भाषा को बचाना होगा। सिंधी साहित्य अकादमी के निदेशक राजेश वाधवानी स्वागत भाषण देते हुए बताया कि राजस्थान सिंधी अकादमी हर साल जलसा करती है, पर मध्यप्रदेश इससे दूर था, पर तीन साल बाद यह सपना साकार हो सका है कि पूरे देश के सिधी साहित्यकारों को जमा करने का अवसर मिला है।

सिंधी समाज की सेवा साहित्य के माध्यम से करने के लिए हम सभी को प्रयास करना होगा। केन्द्रीय सिंधी भाष विकास परिषद के पूर्व निदेशक दिल्ली के रवि टेकचंदानी ने भारत सरकार के नेशनल एज्यूकेशन पालिसी पर विस्तार से रोशनी डाली और कहा कि इसमें जो सिंधियों के लिए अवसर है, उकसा लाभ लेना चाहिए। मध्यप्रदेश के स्कूल एज्यूकेशन में सिंधी भाषा के समावेश के लिए यहां के नेताओं पर जोर दिया।

वित्तीय सेवा संस्था ब्यूरो
भारत सरकार की एक स्वायत्त संस्था
निम्नलिखित पद के लिए आवेदन आमंत्रित करता है

न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड में
अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक

आयु, शैक्षणिक योग्यता, अनुभव/सेवा आवश्यकता और अन्य नियमों एवं शर्तों के विवरण के लिए, कृपया https://fsib.org.in/ पर "Vacancies & Recommendations" टैब के तहत विज्ञापन देखें।

आवेदन कैसे करें: इच्छुक उम्मीदवार https://fsib.org.in/ पर "Vacancies & Recommendations" टैब के तहत उपलब्ध लिंक के माध्यम से **ऑनलाइन** आवेदन कर सकते हैं या सीधे https://www.research.net/r/cmdniacl26 पर जा करके आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन की अंतिम तिथि: 21 अप्रैल, 2026 शाम 5:00 बजे तक

नोट: शुद्धिपत्र सहित अतिरिक्त विवरण, यदि कोई हो, केवल ब्यूरो की वेबसाइट पर प्रकाशित किये जाएंगे।

सिद्ध भाऊ से लिया आशीर्वाद कहा सेवा को मुख्य लक्ष्य

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। राजधानी के जाने माने ह्रदय रोग विशेष डा. स्कंद कुमार त्रिवेदी एवं अपेक्स अस्पताल के प्रबंध संचालक ह्रदय रोग विशेष डा. राजेश भागचंदानी ब्रम्हलीन स्वामी हिरदाराम जी के समाधि स्थल पहुंचे और वहां पुष्प अर्पित किए। बाद में दोनो डाक्टरों ने स्वामी जी के उत्तराधिकारी संत सिद्ध भाऊ से मुलाकात और पैर छूकर आशीर्वाद लिया। यहां डा. राजेश भागचंदानी ने संत सिद्ध भाऊ को डा. स्कंद कुमार त्रिवेदी के बारे में बताया कि किसी समय वे गैस पीड़ितों के लिए बनी अस्पताल भोपाल मेमोरियल में पदस्थ

थे, बाद में वे बंसल हास्पीटल में नियुक्त किए गए। उन्होंने अपने सम्पूर्ण जीवनकाल में जब से डाक्टरी का काम संभाला है, आज तक 40 हजार से अधिक सर्जरी कर चुके हैं, और ह्रदय के आपरेशन में उन्हें महारथ हासिल है।

नाली की गहराई अधिक होने से मवेशी हो रहे घायल

जागरण, औबेदुल्लागंज। सुरक्षा मानकों की अनदेखी कर थाने से महावीर कालोनी पहुँच मार्ग पर बनाई गई नाली बड़े हादसों को न्योता देती नजर आ रही है। गहरी खुदाई और उसे खुला छोड़ने के कारण आये दिन कोई न कोई मवेशी इसमें गिरकर घायल हो रहे हैं। रहवासी कालोनी होने के कारण विशेषकर बच्चों, बुजुर्गों और मवेशियों के लिए यह नाली जानलेवा साबित हो रही है। आवश्यक सुरक्षा मानकों का पालन न करने के चलते यहां कभी भी कोई बड़ी जनहानि का अंदेशा जताया जा रहा है। एक ओर इस नाली की गहराई अधिक है वही दूसरी ओर नाली निर्माण के बाद इसको कवर नहीं किया गया है, जिसके कारण लगातार मवेशी गिरकर घायल हो रहे हैं।

SUDOKU 190

4					2		9	
1	5		9					
3				6			8	
6			1			2	4	
				2				
	2	4			8			3
	4			1				9
					6		3	8
	3		4					2

SOLUTIONS 189

7	4	3	2	6	1	5	9	8
2	6	8	5	3	9	1	4	7
9	1	5	7	8	4	3	6	2
1	3	2	9	5	6	8	7	4
8	9	4	1	2	7	6	5	3
6	5	7	3	4	8	2	1	9
4	2	1	8	9	5	7	3	6
5	8	9	6	7	3	4	2	1
3	7	6	4	1	2	9	8	5

Rules : The 3x3 sub-grids are called regions. Number already filled in the grid are called givens. The goal of the player is to fill the blank grids of every row, every column and every 3x3 box with the numbers 1,2,3,4,5,6,7,8,9 However, All rows, colums and regions (3x3) should contain numbers 1 to 9 without repeating.

राशिफल

मेष : आज का दिन आपके लिए खुशियों और सुकून से भरा रहने वाला है। दांपत्य जीवन में प्रेम और समझदारी बनी रहेगी, जिससे घर का माहौल भी खुशनुमा रहेगा।

वृषभ : आज का दिन थोड़ा उलझनों से भरा रह सकता है। लंबे समय बाद किसी पुराने मित्र से मुलाकात आपको खुशी देगी।

मिथुन : स्वास्थ्य को लेकर थोड़ी चिंता हो सकती है, लंबे समय बाद किसी पुराने मित्र से मुलाकात मन को प्रसन्न कर देगी।

कर्क : आज आपको किसी भी जोखिम भरे कार्य से दूरी बनाकर रखें। किसी बड़ी डील या फैसले को अंतिम रूप देने से पहले किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह लेना बेहतर रहेगा।

सिंह : आज का दिन आपके मान-सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि लेकर आएगा। अपनी मधुर वाणी और व्यवहार से आप लोगों का दिल जीतने में सफल रहेंगे। किसी विवाद में पड़ने से बचें।

कन्या : आज का दिन थोड़ा सावधानी से बिताने की जरूरत है। कामों की अधिकता के कारण आप जल्दबाजी कर सकते हैं।

तुला : आज का दिन आपके लिए अच्छा और सकारात्मक रहेगा। कार्यक्षेत्र में टीमवर्क के जरिए आप किसी काम को समय से पहले पूरा करने में सफल हो सकते हैं।

वृश्चिक : व्यापार से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन काफी लाभदायक साबित हो सकता है। हालांकि आपके विरोधी सक्रिय रह सकते हैं, इसलिए सतर्क रहना जरूरी है।

धनु : आज भाग्य आपका साथ देता नजर आएगा। लंबे समय से अटकी हुई कोई डील आज फाइनल हो सकती है सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा।

मकर : आज आपको मेहनत और लगन के साथ अपने कामों में जुटना होगा। काम का दबाव थोड़ा अधिक रह सकता है, इसलिए धैर्य बनाए रखें।

कुंभ : आज का दिन मिला-जुला परिणाम देने वाला रहेगा। विद्यार्थियों को मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मान सम्मान में बढ़ोतरी होगी।

मीन : आज का दिन आपके लिए कुछ खास साबित हो सकता है। परिवार में किसी नए मेहमान के आगमन से खुशियों का माहौल बनेगा। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

आज का पंचांग: 30 मार्च सोमवार 2026। **दिशाशूल :** पूर्व दिशा में रहेगा। **पर्व एवं त्योहार :** सोम प्रदोष, मदन द्वादशी। विक्रम संवत 2083 शके 1948 उत्तरायण, उत्तरगोल, वसंत ऋतु चैत्र मास शुक्ल पक्ष द्वादशी 07 घंटे 10 मिनट तक, तत्पश्चात त्रयोदशी मघा नक्षत्र 14 घंटे 48 मिनट तक, तत्पश्चात पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र 16 घंटे 52 मिनट तक, तत्पश्चात गंड योग, सिंह में चंद्रमा। **राहुकाल :** सुबह 07.44 से सुबह 09:15 बजे तक।

पहले खुद को बदलें

“ मिडिल और लोअर मिडिल क्लास की महिलाओं को इतनी हिम्मती, जागरूक और आत्म निर्भर तो होना ही चाहिये कि कम से कम डॉक्टर के पास खुद जा सकें या एकदम से अकेले नहीं निकल पा रही हों तो अपने किसी अच्छे दोस्त या रिश्तेदार को साथ लेकर जा सकें।

■ डॉ मीनाक्षी कपिला ■

आम तौर पर मिडिल क्लास की घरेलू महिलाएं पति और सास या ननद, जेठानी के साथ आएंगी तो वे लोग अक्सर ऐसे बैठे रहते हैं, जैसे आप प्रॉब्लम्स नहीं बता रही हें, शॉप पर सूट-साड़ियों का कलर सिलेक्ट कर रही हों। उन्हें अकसर आपकी तकलीफ से तो कुछ खास लेना देना नहीं होता, लेकिन उनका यह रवैया जरूर रहता है कि, फटाफट बीमारी बताओ, दवा लिखवाओ, जांचें बिल्कुल न हों जिसमें क्योंकि जांचें तो बस कमीशन खाने के लिये लिखते हैं डॉक्टर। अच्छा, पहले तो यह रोना रोएंगे कि डॉक्टर्स पूरी बात नहीं सुनते, बस पर्चा भरकर दफा कर देते हैं। लेकिन जब कोई पूरी बात सुनेगा और वे बताने लगेंगी तब भी ये लोग ऑफेंड हो जाएंगे कि मैडम आप तो बस एक यह ही बीमारी है, इसी का इलाज कर दो। ऐसे में मैं खाली प्रिस्क्रिप्शन ही आगे रख देती हूँ कभी-कभी कि लीजिये, आप ही लिख लीजिये, सब तो पता है, इलाज भी कर ही दीजिये। इनको लगता है कि औरत तो बेवजह 50 दिक्कतें गिनाए चली जा रही है। इनको यह भी लगता है कि बॉडी एक मशीन है, जिस जगह दिक्कत कर रही, उस जगह के पुर्जे सही कर दो बस। इनहें ये कतई अहसास नहीं होता कि वे एक ऐसे जीते जागते इंसान को लेकर आए हैं, जो दिन रात काम की चक्की में पिसता रहता है। अपनी ही पत्नी के साथ आए पति का रवैया अपनी गाड़ी की सर्विसिंग कराने जैसा ही रहता है बस। ये नहीं समझते कि जो 4 बीमारियां हैं, वे दरअसल 4 लक्षण हैं, एक ही मुख्य बीमारी के। वह ठीक होगी, ये लक्षण भी ठीक हो जाएंगे। एक अवयव में समस्या है तो वह दूसरे को भी किसी न किसी रूप में प्रभावित कर रहा है।

उधर ससुरालियों को लगता है बहू कामचोरी और बेड रेस्ट के बहाने ढूंढ रही है। ससुराली न भी हों, तो लड़कियों की माएं भी उनको एम्ब्रेस और डिप्रेस करने का कोई मौका नहीं छोड़तीं, ऐसी-ऐसी बातें, लड़कियों के दिलो-दिमाग पर क्या असर डालती होंगी सोचती ही नहीं। और सबसे बुरी बात, उनको इस बात का एहसास तक नहीं होता है। और अगर बहाने भी हैं तो भी खुद ये नहीं सोचेंगे कि ऐसे बहानों की जरूरत क्यों पड़ी। भूमि और तापसी की सांड की आँख मूवी में बखूबी दिखाया गया था, कैसे घर में दबी-घुटी औरतें दूर-दराज के मंदिरों की मन्नतें मान लेती थीं, कि वैसे तो आउटिंग कभी जिन्दगी में सम्भव न हो पाएगी, धर्म के नाम पर कोई नहीं रोकेगा-टोकेगा। धार्मिक

बहाने बनाना मजबूरी

पर्यटन पवित्र माना जाता है। नहीं तो सैर-सपाटे पर खर्च करना गिल्ट में डाल देता है। महिलाओं को तो वह सुविधा भी नहीं कि हर कोई सोलो ट्रेवलर बनकर झोला टांगे निकल जाए। हर शाम मंदिरों में सब इकट्ठी होकर दुःख-सुख कह-सुन लेती हैं, यह भी उनके लिये बड़ी राहत है।

मुस्लिमों में तो वह भी नहीं, मस्जिद भी जा नहीं सकतीं। पहले जमाने में अजमेर शरीफ की मन्नतें बहुत चलन में थीं, चाहे जिन्दगी में एक-दो बार ही सही, फेमिली आउटिंग हो जाती थी, अब वह सब भी बन्द हो गया। हज-उमराह साधन-संपन्न ही जा पाते हैं। वह भी वन्स इन अ लाइफ टाइम ऑपर्चुनिटी है। गाँवों की क्लीनिक से लेकर शहरों के सरकारी अस्पतालों तक ऐसी महिलाएं मिलेंगी, जिनके अगर कान में दर्द है, कान पूरा मरोड़ दिया चेक-अप के लिये, वह बैठी हैं आराम से, जबकि इन्फेक्शन होता, दर्द से हाथ नहीं लगाते बनता। फिर ऐसी समस्याएं बता दी जाती हैं, जिनको बस सपोज किया जा सकता है कि हाँ होगी, कह रही है तो। यानी उनको घर से निकलने या घरवालों की अटेंशन पाने को अस्पताल आना पड़े, यह कितनी दयनीय स्थिति है। सच्चाई यह है, जमाना उनका ही बदलता है, जिनके हालात बदलें, जो खुद को बदलें, खुद हिम्मत करें। जो तरक्की कर जाएं और बेहतर जीवन-स्तर तक पहुँच जाएं।

अव्यवस्थित दिनचर्या

आम तौर पर समस्याएं भी उनकी दिनयर्चा से जुड़ी हुई ही होती हैं। धूप घर में आती नहीं, बाहर ये जा पाती नहीं। सुबह दस मिनट की धूप काफी नहीं, समय और एक्सपोजर चाहिये शरीर को, वह मिलता नहीं। ब्रिस्क वॉक करने कहो तो अनुमति नहीं/कोई साथ जाने वाला नहीं/टाइम एडजस्ट नहीं हो पाता। खाना शाम को जल्दी खाने कहो तो कैसे अकेले खा लें, फैमिली में सब इकट्ठे होकर खाते हैं, दस-ग्यारह बज जाती है।

आंगन की तुलसी को हरा भरा रखें

घरों में तुलसी का पौधा बहुत खास माना जाता है। धार्मिक महत्व के साथ-साथ औषधीय गुणों के लिए भी जानी जाने वाली तुलसी लगभग हर आंगन या बालकनी में दिखाई पड़ जाती है, लेकिन कई बार सही देखभाल न मिलने से तुलसी की पत्तियां पीली पड़ने लगती हैं और पौधा सूखने लगता। अब ऐसे में लोग समझ नहीं पाते कि क्या करें? अगर आप भी चाहती हैं कि आपकी तुलसी सालभर हरी-भरी और स्वस्थ रहे, तो एक ऐसा सस्ता और आसान तरीका हैं, जो इस काम में आपकी मदद करेगा। तुलसी के पौधे को हरा-भरा रखने के लिए मिट्टी की देखभाल जरूरी है। अक्सर तुलसी के सूखने का सबसे बड़ा कारण उसकी जड़ों में फंगस लगना होता है। पौधे को हरा-भरा रखने के लिए आप 1 रु का साधारण शैंपू पाउच इस्तेमाल कर सकती हैं। शैंपू में मौजूद हल्के तत्व मिट्टी में पनपने वाले छोटे कीड़ों और फंगस को कम करने में मदद करते हैं।

फिटकरी का घोल

- तुलसी के पौधे को हरा-भरा रखने के लिए चुटकी भर फिटकरी पाउडर का भी इस्तेमाल कर सकती हैं।
- इसके लिए एक लीटर पानी में थोड़ा सा फिटकरी पाउडर मिलाएं।
- अब इस घोल को महीने में एक या दो बार तुलसी में डालें।
- इससे मिट्टी साफ रहती है और कीट दूर रहते हैं।

तुलसी को घना बनाने के लिए

- तुलसी को घना बनाने के लिए समय-समय पर उसकी टहनियों को हल्का सा तोड़ते रहें।
- इससे नई शाखाएं निकलती हैं और पौधा घना बनता है। साथ ही गमले की मिट्टी में 2-3 महीने में गुड़ाई करें। तुलसी को रोज हल्का पानी दें। सुबह 3-4 घंटे की धूप में रखें।

शिक्षा को पेशा नहीं, समाज सेवा बनाया

▶▶ एमपीपीएससी की एक समर्पित मास्टर ट्रेनर- डॉ. चित्रा पिल्लै

प्रेरणा

रवि सिंह। डॉ. चित्रा पिल्लै की जीवन-यात्रा इस बात का सशक्त उदाहरण है कि समर्पण, अनुशासन और सीखने की ललक किसी भी बाधा को पार कर सकती है। पिछले 20 वर्षों से वे मध्य प्रदेश के शिक्षा विभाग में हिंदी की राज्य और जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर के रूप में कार्यरत हैं। कमिश्नर कार्यालय में उन्होंने एमपीपीएससी के सैकड़ों परीक्षार्थियों को हिंदी विषय निःशुल्क पढ़ाकर एक अनूठी मिसाल कायम की। दक्षिण भारत में जन्मी चित्रा के माता-पिता दोनों ही शिक्षक थे, जिसके कारण बचपन से ही उन्हें ज्ञान के प्रति जिज्ञासा और मेहनत का मूल्य समझ में आया। यही संस्कार आगे चलकर उनके व्यक्तित्व की मजबूत नींव बने। लगभग 40 वर्षों के शासकीय सेवा अनुभव के साथ, डॉ. चित्रा पिल्लै ने शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने शिक्षकों को प्रशिक्षित करने के साथ-साथ प्रश्नपत्र निर्माण, मॉड्यूल लेखन और हिंदी काउंसलिंग जैसे कार्यों में भी सक्रिय भूमिका निभाई है। कोविड-19 महामारी के दौरान, जब शिक्षा प्रणाली में अचानक बदलाव आया, तब उन्होंने यूट्यूब के माध्यम से छात्रों तक ज्ञान पहुँचाया। उनकी सबसे विशेष बात यह है कि उन्होंने शिक्षा को केवल पेशा नहीं, बल्कि समाज सेवा का माध्यम माना।

संस्कृत में शिक्षा, काम हिंदी में

संस्कृत विषय में स्नातक और स्नातकोत्तर करने के बाद चित्रा का झुकाव भारतीय संस्कृति और दर्शन की ओर और गहरा हुआ। संस्कृत ने उन्हें जड़ों से जोड़ा, लेकिन उनके जीवन का सबसे महत्वपूर्ण मोड़ तब आया जब उन्होंने हिंदी भाषा को अपनाने का निर्णय लिया। यह निर्णय आसान नहीं था, क्योंकि यह उनकी मातृभाषा नहीं थी और शिक्षा में भी हिंदी शामिल नहीं थी। हिंदी के प्रति उनका आकर्षण गीतों, कविताओं और कहानियों के माध्यम से बढ़ा। उन्होंने इस भाषा को केवल सीखा ही नहीं, बल्कि उसे महसूस किया और उसमें उत्कृष्टता प्राप्त करने का लक्ष्य बनाया। विवाह के बाद उनके पति संजय पिल्लै का सहयोग उनके लिए प्रेरणा बना। उनके समर्थन से उन्होंने हिंदी में एमए, एमएड और अंततः पीएचडी की उपाधि प्राप्त की। यह उनकी दृढ़ इच्छाशक्ति और निरंतर प्रयास का परिणाम था।

संगीत, समाज सेवा और प्रेरणादायक संदेश

शिक्षा के साथ-साथ संगीत भी उनके जीवन का अभिन्न हिस्सा रहा है। उन्होंने 'प्रभाकर' की उपाधि प्राप्त की और एक 10 दिवसीय कार्यशाला के माध्यम से 100 बच्चों को संगीत सिखाया। एक समाज सेविका के रूप में भी उन्होंने महिला सशक्तिकरण के लिए सराहनीय कार्य किए हैं। हाल ही में उन्हें तमिल समाज द्वारा महिला दिवस पर सम्मानित किया गया, जो उनके प्रयासों की सराहना का प्रतीक है। आज की युवा पीढ़ी, विशेषकर लड़कियों के लिए उनका संदेश है कि अपने लक्ष्य को स्पष्ट रखें, आत्मविश्वास बनाए रखें और निरंतर प्रयास करते रहें। उनका मानना है कि कोई भी सपना असंभव नहीं होता, यदि उसे पूरा करने का जुनून और मेहनत हो। डॉ. चित्रा पिल्लै की कहानी हमें यह सिखाती है कि भाषा, क्षेत्र या पृष्ठभूमि कभी भी सफलता में बाधा नहीं बनती। उनकी यह प्रेरक यात्रा हर उस व्यक्ति के लिए एक प्रकाश स्तंभ है, जो अपने सपनों को साकार करने का साहस रखता है।

विरासत की पहचान

असली मैसूर सिल्क साड़ी

“ सिल्क साड़ी खरीदते समय बड़ी दुविधा यही रहती है कि असली सिल्क को कैसे पहचानें? असली मैसूर सिल्क को पहचानने का तरीका जानना से आपको ऐसी साड़ी खरीदने में मदद मिलती है जो सच में अपनी विरासत को दिखाती है।

हाल ही में हैदराबाद में अपनी शादी के रिसेप्शन के लिए ब्लैक-गोल्ड बॉर्डर वाली लाल मैसूर सिल्क साड़ी में रश्मिका मंदाना के शानदार लुक के बारे में बहुत कुछ कहा, लिखा और पढ़ा गया है। जहां उन्होंने लाल साड़ी पहनी थी, वहीं उनके पति विजय देवरकोंडा ने सिल्वर ज़री बॉर्डर वाली आइवरी व्हाइट वेष्टि पहनी थी, क्योंकि वे दोनों एक-दूसरे को कॉम्प्लिमेंट करते हुए अलग-अलग साउथ इंडियन ट्रेडिशनल स्टाइल बनाए हुए थे।

रश्मिका की मैसूर सिल्क साड़ी कर्नाटक की टेक्सटाइल विरासत का एक हिस्सा है, इसे जेड नाम के एक ब्रांड लेबल ने क्यूरेट किया था जिसमें मधुर्या क्रिएशन्स का हाथ से बुना सिल्क था। साड़ी के पल्लू में गंडभेरुंडा का डिज़ाइन बुना हुआ था। यह निशान एक पौराणिक दो सिर वाला पक्षी है और कर्नाटक के इतिहास का एक अहम हिस्सा है, जिसे ताकत, अधिकार और सावधानी का प्रतीक माना जाता है।

रिसेप्शन के बाद, मैसूर सिल्क साड़ी का ट्रेंड सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, और कहा गया कि साड़ी बेचने वाले कई वेंडर और ऑनलाइन पेज को कई ऑर्डर मिल रहे थे। इसने हैंडलूम पसंद करने वालों को यह बताने के लिए आगे आने पर मजबूर किया कि असली मैसूर सिल्क साड़ी क्या होती है और बाज़ार में एक जैसी दिखने वाली बिन्नी सिल्क और मैसूर क्रेप सिल्क साड़ियों की तुलना में इसकी क्या खासियत है।

हैदराबाद में आउटलेट

कस्टमर्स के लिए यह जानना ज़रूरी है कि असली मैसूर सिल्क साड़ी राज्य में सिर्फ़ कर्नाटक सिल्क इंडस्ट्रीज कॉर्पोरेशन लिमिटेड (केएसआईसी) बनाती है, जिसे एक्सक्लूसिव प्रोप्राइटर के तौर पर चुना गया है। मैसूर सिल्क को केएसआईसी के साथ भारत के 1999 जीआई एक्ट (एप्लीकेशन/रजिस्ट्रेशन नंबर 11) के तहत ज्योग्राफिकल इंडिकेशन (जीआई) के तौर पर सख्त कानूनी सुरक्षा भी मिली हुई है।

यह स्टेटस, मैसूर सिल्क लोगो (नंबर 532) के लिए यह पक्का करता है कि सिर्फ़ वही साड़ियाँ जो 100 फीसदी शुद्ध शहतूत सिल्क से बनी हों, हाई-क्वालिटी गोल्ड-प्लेटेड सिल्वर ज़री का इस्तेमाल किया गया हो, उन्हें ही कानूनी तौर पर मैसूर सिल्क का डेज़िग्नेशन मिल सकता है।

एक और फ़र्क यह है कि मैसूर सिल्क ज़री 65 फीसदी शुद्ध सिल्वर और लगभग 0.65 फीसदी गोल्ड से बनी होती है। इस वजह से, यह साड़ी क्रेप सिल्क साड़ियों से ज़्यादा महंगी है। कस्टमर्स को खरीदते समय यह पक्का कर लेना चाहिए कि साड़ी पर ऑफिशियल केएसआईसी होलोग्राम और एक एम्ब्रॉयडरी किया हुआ यूनिक कोड (ट्रेसेबिलिटी के लिए) हो।

मैसूर क्रेप सिल्क साड़ी के लिए, सिल्क मार्क सर्टिफिकेशन लेबल होना चाहिए, जो सिल्क मार्क ऑर्गनाइज़ेशन ऑफ़ इंडिया (एसएमओआई) जारी करता है, और 100फीसदी नेचुरल सिल्क के इस्तेमाल की गारंटी देता है।

एक असली मैसूर सिल्क साड़ी अपने हल्के वज़न, मक्खन जैसे मुलायम टेक्सचर और एक हल्की नेचुरल चमक से पहचानी जा सकती है जो दशकों तक बनी रहती है। हैदराबाद की कर्नाटक म्यूजिशियन सुगुना राम शास्त्री के पास एक मैसूर सिल्क साड़ी है जो उन्हें 60 साल पहले उनके पिता ने तोहफ़े में दी थी। मैसूर में केएसआईसी फ़ैक्टरी से खरीदी गई इस साड़ी की चमक आज भी बनी हुई है। मैसूर सिल्क साड़ियाँ

ज़्यादातर सिंपल हॉरिज़ॉन्टल स्ट्राइप्स, पैनल बॉर्डर में, आती हैं। लेकिन पिछले कुछ सालों में, कस्टमाइज़ किया है, और अलग-अलग पैटर्न जोड़े हैं। मैसूर सिल्क साड़ियों की एक और खासियत यह है कि इनका वज़न लगभग 400 से 500 ग्राम होता है। ये आमतौर पर 90 जीएसएम या 120 जीएसएम वेरिएंट में मिलती हैं। साथ ही, मैसूर सिल्क साड़ियाँ सिर्फ़ मैसूर, बेंगलुरु में केएसआईसी स्टोर और उन जगहों पर बेची जाती हैं जहाँ केएसआईसी मैसूर सिल्क आउटलेट हैं।

यह पहचानने के लिए कि धागा प्योर मैसूर सिल्क है या नहीं, एक बर्निंग टेस्ट किया जाता है। धागे का एक छोटा टुकड़ा दोनों तरफ से निकालकर जला दें। प्योर सिल्क से जलते हुए बालों जैसी महक आएगी और एक काला निशान रह जाएगा, जिसे उंगली से आसानी से पीसकर पाउडर बनाया जा सकता है, जो इसकी प्योरिटी की एक और निशानी है।

ऑनलाइन फूड डिलीवरी

एप पर खाना ऑर्डर कर रही हैं, जरा ठहरिए....

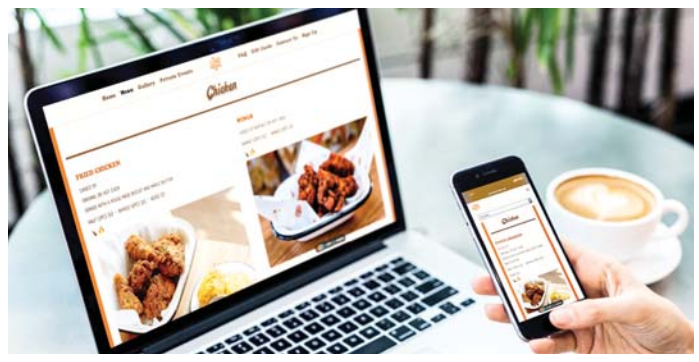

“ शहरों में पढ़ाई या जॉब करने वाले युवक यवतियां या फिर अनेक कामकाजी कपल भी फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म से खाना ऑनलाइन मंगाते हैं। अकसर ये खाना दोबारा गर्म किये गये, प्रिजर्वेटिव की मदद से कई दिन मेंटेन किए हुए होते हैं।

■ राजकुमार दिनकार ■

भागदौड़ भरी जिंदगी के चलते खाना ऑनलाइन ऑर्डर करने का ट्रेंड बढ़ा है। सिर्फ 10 मिनट में खाना पहुंचाने के दावे वाले वाले कई ऑनलाइन फूड आउटलेट हैं। शहरों में पढ़ाई या जॉब करने वाले युवा या फिर अनेक कामकाजी कपल भी फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म से खाना ऑनलाइन मंगाते हैं। हालांकि इन खानों की गुणवत्ता को लेकर दावे किए जाते हैं लेकिन असल में दोबारा गर्म किये गये, प्रिजर्वेटिव की मदद से कई दिन से मेंटेन होते हैं, जो सेहत के लिए नुकसानदेह हैं। ऐसे में छानबीन के बाद ही ऑर्डर करें। दाल मखनी हो या मटर पनीर, चिकन बिरयानी हो या हो पावभाजी, आइस्क्रीम हो गुलाब जामुन या हो चॉकलेट केक, आजकल कुछ मिनटों में ही घर तक पहुंचाया जा रहा है। आपको करना क्या है, बस एप डाउनलोड कर पसंदीदा खाना मंगाना होता है, जो आपके ऑर्डर करने के बाद मात्र कुछ मिनट के भीतर आपके घर तक पहुंचा दिया जाता है। भारत के हर रेस्टोरेंट और क्लाउड किचन का यह एक ऐसा नेटवर्क है, जो तुरंत सेवा देने की होड़ में लगा है। इस क्विक यानी तुरत-फुरत डिलीवरी ने सबको यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि चंद मिनट के अंदर ऑर्डर किया गया यह खाना, हमारी सेहत के लिए कितना फायदेमंद है।

झटपट पकाने पर गुणवत्ता का सवाल

घर में यदि हम कुछ सोचकर कि क्या बनाएं, उसके लिए सामान इकट्ठा करने में ही हमें 10-15 मिनट लग जाते हैं, इतने कम समय में भला खाना बन कैसे सकता है। हालांकि कुछ ऐसी आइटम्स है, जिन्हें एक साथ बनाकर रख लिया जाता है और उन्हें गर्म करके परोसा जाता है। लेकिन मोमोज, चिकन विंग्स, बरगर, फिश या चिकन को कैसे चंद मिनट में पकाकर पैक किया जा सकता है। क्योंकि भोजन को कुछ मिनट में ही डिलीवर करने के लिए उसे बहुत ही कम समय में पकाना होता है। दरअसल हमें चंद मिनट्स में परोसा जाने वाला खाना, अल्ट्रा प्रोसेस्ड, पहले से पका हुआ, पकाने के बाद फ्रीज किया हुआ और फिर माइक्रोवेव किया हुआ, इसके बाद डिलीवर किया जाता है। यह खाना जो आज हमारे घरों में कुछ ही मिनट के भीतर पहुंचता है, इसको पकाने के बाद फ्रोजन करने के अलावा इनमें कई रंग और स्वाद जैसे कृत्रिम तत्व मिलाए जाते हैं। इन्हें स्वादिष्ट बनाने के लिए कैमिकलयुक्त मसाले डाले जाते हैं। इन खाद्य पदार्थों में शरीर को नुकसान पहुंचाने वाली संतृप्त वसा और शर्करा तथा कार्बोहाइड्रेट काफी ज्यादा मात्रा में होते हैं। इन्हें जब उच्च तापमान पर पकाया और माइक्रोवेव किया जाता है, उस दौरान इनमें कई ऐसे तत्व और यौगिक निर्मित होते हैं, जो डायबिटीज, किडनी फेल्योर जैसी बीमारियों की वजह बनते हैं। इन तमाम खाद्य पदार्थों को लंबे समय तक सुरक्षित रखने के लिए इनमें ऐसे पदार्थ शामिल किए जाते हैं, जो हमारी सेहत के लिए बेहद नुकसानदेह होते हैं।

सेहत के जोखिम

डिब्बाबंद दालें और जमे हुए खाद्य पदार्थ जो हमें परोसे जाते हैं, इन्हें 100 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान पर पकाए जाने के बाद इन्हें ठंडा करने की बजाय जीरो से माइनस 4 डिग्री सेल्सियस के तापमान पर ब्लास्ट चिलर में रखा जाता है। पके हुए भोजन को कमरे के तापमान पर छोड़ना या फ्रीज किए बिना उन्हें फिर से गर्म करना, इससे भोजन के सभी पोषक तत्व तो नष्ट होते ही हैं, इसके अलावा मोटापा, टाइप-2 डायबिटीज और हृदय रोग जैसी बीमारियां होने के भी खतरे रहते हैं। यह मानकर चलें कि पहले से बने खाने को दोबारा गर्म करने से उसकी पौष्टिकता पर तो बुरा असर होता ही है, उन खानों को कई दिनों तक फ्रीज करने से भी वह सेहत के लिए कितना नुकसानदेह हो सकता है, इसका हम अंदाजा लगा सकते हैं।

पोषण से रहित पैकेज्ड फूड

फटाफट डिलीवरी की यह सुविधा हमारी अधीर पीढ़ी के लिए भले ही सुविधाजनक हो, लेकिन इसकी कीमत काफी ज्यादा है। क्योंकि तेज डिलीवरी गुणवत्ता से कम्प्रोमाइज करती है, ताजी और पौष्टिक सामग्री के बजाय हमारे हाथों में थमाया गया यह पैकेज्ड फूड पोषण से रहित होता है। लंबे समय तक संरक्षित यह भोजन हमारे लिए कैंसर के खतरे बढ़ा रहा है, इससे हृदय रोग, मधुमेह, मोटापा और दिल की बीमारियां होने के खतरे बढ़ रहे हैं। पोषक तत्वों से भरपूर ताजा खाना जिसे बनने में समय लगे, वही हमारे स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है। चाहे वह खाना घर पर बने, किसी रेस्टोरेंट या किसी ठेली पर। ताजा खाना ही हमें लाभ देता है। इनमें पोषक तत्व भी संरक्षित रहते हैं। यह जल्दी पचता है और इससे बीमार होने के खतरे भी कम होते हैं।

ऑर्डर से पहले जरूरी छानबीन

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में जिसके पास बाहर के खाने का कोई विकल्प ही नहीं है और बाहर के खाने पर ही निर्भर होना पड़ता है, उनके लिए यह जरूरी है कि वह उसी रेस्टोरेंट से खाने का ऑर्डर करें, जहां सचमुच ताजा खाना परोसा जाता हो। ऑनलाइन समीक्षाएं देखकर ही खाना ऑर्डर करें। खाना ऑर्डर करते समय ऐसे मैन्यू से बचें, जिनमें लंबे समय तक पकाकर खानों को सुरक्षित रखा जाता है। चंद मिनटों में खाना डिलीवरी करने का चलन स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह भी हो सकता है। तेजी के चक्कर में पोषण से समझौता करने की बजाय ताजा और पौष्टिक खाना चुनें, जो हमारे शरीर को बीमारियों का घर न बनाए।

मौसम अपडेट

प्रदेश के चार महानगरों का तापमान

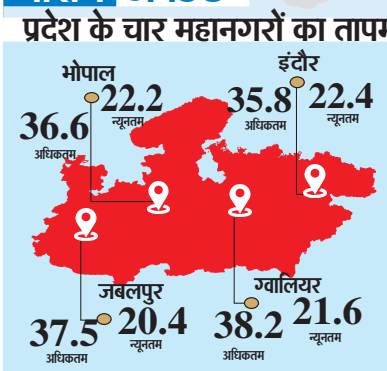

देश के चार महानगरों का तापमान

दिल्ली		मुंबई	
36.2 अधिकतम	19.8 न्यूनतम	32.4 अधिकतम	25.6 न्यूनतम
चेन्नई		**कोलकाता**	
39.8 अधिकतम	22.4 न्यूनतम	32.2 अधिकतम	25.2 न्यूनतम

सूर्यास्त 6:35 PM
सूर्योदय 6:16 AM
चन्द्रोदय 3.17 PM
चन्द्रास्त 3:50 AM

तीन साल की हुई भारत की पहली मादा चीता 'मुखी'

कूनो नेशनल पार्क का इकोसिस्टम चीतों के लिए बन रहा अनुकूल, मां के छोड़े जाने पर वन विभाग ने पाला, माहिर शिकारी से बनी पहचान

जागरण, ग्वालियर। कूनो नेशनल पार्क की सबसे चर्चित मादा चीता 'मुखी' 29 मार्च को पूरे तीन साल की हो गई। मार्च 2023 में जन्मी मुखी देश में जन्म लेने वाली पहली मादा चीता है। 'मुखी' का जीवन जीजिविषा और संघर्ष की गाथा है, उसके जीवन की शुरुआत ही मुश्किलों से हुई। मां 'ज्वाला' ने जन्म के बाद उसे छोड़ दिया था, जबकि उसके भाई-बहन भीषण गर्मी के कारण जीवित नहीं रह सके। ऐसे में वन विभाग की टीम ने उसे अपने संरक्षण में लेकर लगातार निगरानी और देखभाल से नया जीवन दिया। यही वजह है कि आज मुखी कूनो की सबसे मजबूत और जुझारू चीता मानी जाती है। समय के साथ मुखी ने खुद को पूरी तरह जंगल के माहौल में ढाल लिया है। अब वह एक स्वस्थ वयस्क चीता है और शिकार करने में भी पूरी तरह सक्षम हो चुकी है। वन अधिकारियों का मानना है कि उसका सफल अनुकूलन इस बात का संकेत है कि कूनो का इकोसिस्टम चीतों के लिए अनुकूल बन रहा है। इसे लेकर सीएम मोहन यादव ने सोशल मीडिया पर लिखा, कूनो से खुशखबरी! भारत की पहली चीता, मुखी, आज तीन साल की हो गई है। एक नन्ही शावक से एक आत्मविश्वासी मां बनने तक का उसका सफर, प्रोजेक्ट चीता की सफलता का एक सशक्त प्रतीक है। यह उपलब्धि मप्र के वन्यजीव संरक्षण प्रयासों को एक नई दिशा और बढ़ते आत्मविश्वास का मार्ग प्रशस्त करती है।

बीते साल पांच शावकों को दिया जन्म

मुखी की सबसे बड़ी उपलब्धि नवंबर 2025 में सामने आई, जब उसने 33 महीने की उम्र में पांच स्वस्थ शावकों को जन्म दिया। यह भारत में चीतों की दूसरी पीढ़ी है, जो इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट की सफलता और निरंतरता का मजबूत संकेत मानी जा रही है। खास बात यह है कि मुखी अपने शावकों की परवरिश खुद कर रही है—जो किसी भी प्रजाति के स्थायित्व के लिए बेहद अहम है। विशेषज्ञों के मुताबिक, मुखी की कहानी सिर्फ एक चीते की नहीं, बल्कि पूरे संरक्षण तंत्र की कामयाबी का प्रतीक है। यह संकेत है कि भारत में चीतों की आत्मनिर्भर आबादी बसाने का सपना अब धीरे-धीरे हकीकत बनता जा रहा है।

"मुखी की कहानी हमारे पूरे प्रोजेक्ट के लिए मील का पत्थर है। कठिन परिस्थितियों में उसका जीवित रहना और अब मां बनना दिखाता है कि कूनो का इकोसिस्टम चीतों के लिए अनुकूल है। **-उत्तम कुमार शर्मा,** डायरेक्टर, प्रोजेक्ट चीता

"मुखी का व्यवहार, शिकार क्षमता और अपने शावकों की देखभाल करना इस प्रोजेक्ट की सबसे बड़ी उपलब्धियों में है। यह साबित करता है कि चीतों ने यहां खुद को स्थापित करना शुरू कर दिया है। **- आर थिरुकुरल,** डीएफओ, चीता प्रोजेक्ट

पहाड़ी से टकराकर पलटा बल्कर ड्राइवर गंभीर रूप से घायल

जागरण, सीधी। जिले के सेमरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत देवनाढ़ के पास रविवार दोपहर एक तेज रफ्तार बल्कर अनियंत्रित होकर पहाड़ी से टकराकर पलट गया। इस हादसे में वाहन चालक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे तत्काल सीधी जिला अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे रीवा रेफर कर दिया।

बल्कर रीवा की ओर से सीधी की तरफ आ रहा था। अचानक वाहन का संतुलन बिगड़ गया और वह अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पहाड़ी से टकराते हुए पलट गया। हादसा इतना भीषण था कि चालक वाहन के अंदर फंस गया और उसे गंभीर चोटें आईं। लोगों ने तुरंत मदद शुरू की और 108 एंबुलेंस को बुलाया। एंबुलेंस के माध्यम से घायल चालक को जिला अस्पताल पहुंचाया। घायल चालक की पहचान नहीं हो पाई है।

हत्या के आरोपी पिता-पुत्र को सोसायटी लेकर पहुंची पुलिस

जागरण, इंदौर। शहर के लसूडिया इलाके में स्थित शिव वाटिका में तेज रफ्तार कार से कुचले जाने से आईटी कंपनी की इंजीनियर शंपा पाठक की मौत हो गई थी। आरोपी पिता-पुत्र ने कार से उन्हें कुचल दिया था, वहीं चौकीदार रेणुका को भी टक्कर मारने की कोशिश की गई थी। इस मामले में लसूडिया पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया और दो दिन का रिमांड लिया। रविवार को कोर्ट में पेशी से पहले पुलिस दोनों आरोपियों को बिल्डिंग में लेकर पहुंची, जहां चौकीदार और अन्य लोगों से उनकी शिनाख्त कराई गई। कुछ देर रुकने के बाद पुलिस उन्हें वापस कोर्ट के लिए ले गई। इस दौरान बिल्डिंग के रहवासी आरोपियों को देखकर आक्रोशित होकर बोले- इन्हें जूते मारो। लसूडिया थाना प्रभारी टीआई तारेश सोनी रविवार को आरोपी मोहनीश उर्फ मोहित चौधरी और उसके पिता कुलदीप को लेकर शिव वाटिका बिल्डिंग पहुंचे। यहां रहवासियों ने नारेबाजी भी की।

रायसेन में पूर्व सरपंच ने सरपंच के जेठ को सीने में गोली मार की हत्या

आरोपी के परिवार ने दो साल पहले भी मृतक के दो भाइयों के उतारा था मौत के घाट

जागरण, रायसेन। प्रदेश के रायसेन जिले के कुचवाड़ा गांव में सरपंच के जेठ रवींद्र रघुवंशी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। आरोपी संतोष रघुवंशी भी सरपंच रह चुका है। संतोष के परिवार ने दो साल पहले भी मृतक के दो भाइयों की हत्या कर दी थी। हत्या के इस मामले में 8 लोग जेल में बंद हैं। वारदात के बाद उदयपुरा पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया है। वारदात शनिवार देर रात हुई। पुलिस के मुताबिक, रवींद्र के खेत में कुछ काम चल रहा था। इसी दौरान किसी बात को लेकर उनका विवाद आरोपी संतोष के ट्रैक्टर ड्राइवर से हो गया। ड्राइवर ने फोन कर मौके पर संतोष को बुला लिया। कहासुनी के बाद संतोष ने रवींद्र के सीने में गोली मार दी। रवींद्र को तत्काल सिविल अस्पताल बरेली ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही टीआई जयवंत सिंह काकोड़िया पुलिस बल के साथ गांव पहुंचे। तनाव को देखते हुए पुलिस बल तैनात कर दिया है।

पुरानी चुनावी रंजिश में वारदात : यह वारदात पुरानी चुनावी रंजिश का नतीजा है। आरोपी संतोष रघुवंशी का परिवार लंबे समय से रघुवंशी परिवार का दुश्मन है। वर्तमान में मृतक रवींद्र के छोटे भाई प्रमोद की पत्नी रचना रघुवंशी गांव की सरपंच हैं, जिससे रंजिश और गहरा गई थी। इस परिवार के लिए यह तीसरा बड़ा आघात है। इससे पहले 13 जून 2023 को भी संतोष के परिवार ने चुनावी रंजिश के चलते रवींद्र के छोटे भाई प्रमोद रघुवंशी और चचेरे भाई विवेक रघुवंशी की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस दोहरे हत्याकांड में संतोष के परिवार के 8 सदस्य जेल में हैं।

कुछ दिन पहले भी हुआ था हमला

परिजनों ने पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने बताया कि कुछ महीने पहले भी थाला पेट्रोल पंप पर रवींद्र पर जानलेवा हमला हुआ था। उस समय हमलावर ने उन पर बंदूक तानी थी। रवींद्र ने बहादुरी से बंदूक पकड़ ली थी और अपनी जान बचाई थी। इस हमले की एफआईआर उदयपुरा थाने में दर्ज थी, लेकिन परिवार का आरोप है कि इतनी संवेदनशील स्थिति के बावजूद पुलिस ने रवींद्र की सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं किए।

शुजालपुर में पुश्तैनी विवाद में खूनी संघर्ष, भाजपा पार्षद के भाई गंभीर

जागरण, शाजापुर। शुजालपुर के अकोदिया-शुजालपुर मार्ग पर 15 साल पुराने पुश्तैनी जमीन के विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। एक सहभोज कार्यक्रम के दौरान आमने-सामने आए एक ही परिवार के दो पक्षों के बीच सड़क पर जमकर लाठी-डंडे चले। सरेआम हुई इस गुंडागर्दी का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें लोग एक-दूसरे पर लाठियां भांजते नजर आ रहे हैं। इस जानलेवा हमले में भाजपा पार्षद के बड़े भाई गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें आईसीयू में भर्ती कराया है। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर क्रास एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। विवाद का मुख्य कारण 15 बिस्वा (करीब 18,000 से 18,750 वर्ग फीट) पुश्तैनी जमीन है। यह विवाद भाजपा पार्षद सईद पटेल और उनके ताऊ के परिवार के बीच पिछले 15 वर्षों से चला आ रहा है। तहसील कार्यालय मार्ग पर एक सहभोज कार्यक्रम था। इसी कार्यक्रम में दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए।

महाकाल मंदिर में केंद्रीय सुरक्षा बल की हो तैनाती

उज्जैन सांसद फिरोजिया ने पीएम को लिखा पत्र

जागरण, उज्जैन। बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन स्थित महाकालेश्वर मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था को बढ़ाने को लेकर जनप्रतिनिधि और संत मैदान में हैं। मंदिर परिसर में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) या अन्य केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती की मांग जोर पकड़ती जा रही है। श्रद्धालुओं ने भी इस मांग का समर्थन किया है। उज्जैन-आलोट संसदीय क्षेत्र के सांसद अनिल फिरोजिया ने इसे लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को पत्र लिखा है। उन्होंने कहा कि हर साल करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बनने वाले इस मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना जरूरी है, खासकर आगामी सिंहस्थ महापर्व को देखते हुए। सांसद फिरोजिया ने अपने पत्र में उल्लेख किया कि उज्जैन एक संवेदनशील क्षेत्र रहा है।

संत उमेशनाथ ने भी उठाया था मुद्दा

राज्यसभा सांसद संत उमेशनाथ ने भी इस मुद्दे को संसद में उठाया है। सांसद फिरोजिया ने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इस मांग को गंभीरता से लिया है। केंद्र सरकार की एक टीम उज्जैन आकर मंदिर परिसर का निरीक्षण भी कर चुकी है, जिसके दौरान जिला प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

तीन हाथियों का समूह 97 दिन बाद डिंडोरी पहुंचा

जागरण, डिंडोरी। तीन हाथियों का एक समूह 97 दिनों तक अनूपपुर वन मंडल में विचरण करने के बाद अब डिंडोरी जिले में प्रवेश कर गया है। शनिवार रात को सरफा बीट के जंगल से जोहिला नदी पार कर ये हाथी रविवार सुबह डिंडोरी वन परिक्षेत्र पहुंचे। हाथियों के डिंडोरी में प्रवेश से अनूपपुर जिले के ग्रामीणों और वन विभाग ने राहत की सांस ली है।अनूपपुर वन मंडल के अहिरगवां वनपरिक्षेत्र अंतर्गत सरफा बीट से हाथियों ने जोहिला नदी पार की। डिंडोरी जिले में प्रवेश के बाद भी, अहिरगवां वन परिक्षेत्र के अधिकारी और कर्मचारी सीमा पर निगरानी बनाए हुए हैं।अहिरगवां रेंज ऑफिसर ने देर रात ही डिंडोरी वन मंडल और वन परिक्षेत्र के अधिकारियों को हाथियों के प्रवेश की सूचना दी थी, जिससे ग्रामीणों को सतर्क किया जा सका और कोई अप्रिय स्थिति नहीं बनी। तीनों हाथी रविवार सुबह खिरनी ग्राम पंचायत और वन बीट सरफा से जोहिला नदी पार कर डिंडोरी वन मंडल के डिंडोरी वन परिक्षेत्र अंतर्गत जंगल में पहुंच गए हैं और वहां विश्राम कर रहे हैं। यह क्षेत्र अनूपपुर वन मंडल से लगभग 8 से 10 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

माता मंदिर परिसर में अश्लील गानों पर डांस, युवकों ने किया हुड़दंग

भीड़ को नियंत्रित करने पुलिस ने दौड़ा-दौड़ा कर पीटा

जागरण, उज्जैन। जिले की तराना जनपद पंचायत के सामानेरा गांव स्थित ब्रह्माणी माता मंदिर परिसर में डांसरों के अश्लील गानों पर डांस का मामला सामने आया है। इसमें युवकों ने हुड़दंग भी किया, इससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। ऐसे में स्थिति को नियंत्रित करने पुलिस ने पहले लोगों को समझाया, लेकिन भीड़ के काबू में नहीं आने पर हल्का लाठीचार्ज करना पड़ा। इस दौरान पुलिस ने युवकों को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा, जिसके बाद भीड़ तितर-बितर हुई और हालात पर काबू पाया। हालांकि घटना के बाद क्षेत्र में कुछ समय तनाव रहा, लेकिन बाद में हालात सामान्य हो गए। दरअसल सामानेरा गांव स्थित ब्रह्माणी माता मंदिर परिसर में 19 से 28 मार्च तक कथा आयोजित की गई थी। आयोजन के अंतिम दिन डांस कार्यक्रम रखा गया था, जिसमें डांसरों ने अश्लील गानों पर डांस किया। कार्यक्रम के लिए कालीसिंध महोत्सव मेले के आयोजकों ने बाहर से डांसर बुलाए थे। जिसे देखने बड़ी संख्या में ग्रामीण और स्थानीय लोग पहुंचे थे।

हिला दूं एमपी, हिला दूं यूपी...डांसर के डर्टी इशारे

आयोजन के दौरान मंच पर फिल्मी गाने पर डांस प्रस्तुति दी गई, जिसमें हिला दूं एमपी, हिला दूं यूपी, जो मारूं मैं ठुमका, ये मेरा लहंगा पड़ा है महंगा, मेरी पतली कमर, मेरी तिरछी नजर, छम्मा-छम्मा, जैसे बोलों पर डांसर ने परफॉर्म किया। इतना ही नहीं इस दौरान डांसर डर्टी इशारे भी करती दिखीं। इसके बाद युवकों ने हुड़दंग शुरू कर दिया, जिससे मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। तब पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने हल्का बल प्रयोग किया और स्थिति पर नियंत्रण पाया।

शौचालय में मिड डे मील बनाया, शिक्षक और जनशिक्षक निलंबित

जागरण, डिंडौरी। शहपुरा अंतर्गत ग्राम डोमदादर में मासूम बच्चों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ का गंभीर मामला सामने आया है। शौचालय में आंगनबाड़ी केंद्र और शासकीय प्राथमिक स्कूल के बच्चों के लिए मिड डे मील (एमडीएम) बनाया जा रहा था। मामले में सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग राजेंद्र जाटव ने प्राथमिक शिक्षक व जनशिक्षक को निलंबित कर दिया है और वहीं बीईओ, बीआरसी और संकुल प्राचार्य को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। आदेश में कहा गया है कि मामले को संज्ञान में लेते हुए ग्राम डोमदादर में जांच के लिए महिला बाल विकास अधिकारी शहपुरा व बीआरसी शहपुरा को भेजा गया। वस्तुस्थिति की पंचनामा रिपोर्ट के अनुसार माह नवंबर 2025 से ग्रामवासियों व सरपंच की सहमति से सामुदायिक स्वच्छता परिसर में मध्याह्न भोजन तैयार किया जा रहा है। आदेश में उल्लेख किया गया कि भोजन पकाने की उचित व्यवस्था न होने की सूचना संस्था के शिक्षक, जनशिक्षक द्वारा उच्च कार्यालय को नहीं दी गई। साथ ही स्वच्छता परिसर में पिछले कई माह से मध्यान्ह भोजन पकाया जा रहा था।

शहडोल में भी इंदौर जैसी आग की घटना, शादी की खुशियां उजड़ीं

ई-स्कूटी की बैटरी में ब्लास्ट से सुपरवाइजर का घर हुआ राख, मछलियां तक जल गईं

जागरण, शहडोल। शहर में इंदौर जैसी घटना सामने आई है, जहां चार्जिंग में लगी एक ई-स्कूटी अचानक आग का गोला बन गई और देखते ही देखते महिला बाल विकास विभाग की सुपरवाइजर के घर को अपनी चपेट में ले लिया। कुछ ही दिनों बाद बेटी की शादी होनी थी, उससे पहले ही शादी की सारी तैयारियां राख हो गईं। आग में एक्वेरियम की मछलियां तक जल गई। मालूम हो कि इंदौर में ईवी चार्जिंग कार में आग लगने से 8 लोगों की मौत हो गई थी। जानकारी अनुसार अमलाई थाना क्षेत्र के धनपुरी वार्ड में रात को सुपरवाइजर सुनीता रजक के घर हादसा हुआ। घर के पहले कमरे में चार्जिंग पर लगी ई-स्कूटी की बैटरी में अचानक ब्लास्ट हुआ और आग भड़क गई। लपटें इतनी तेज थीं कि घर का मुख्य द्वार और इलेक्ट्रिक मीटर भी चपेट में आ गए। आग और धुएं से घबराकर परिवार को दीवार फांदकर जान बचानी पड़ी। किचन में रखे दो गैस सिलेंडर भी आग की जद में आ गए थे, लेकिन पड़ोसियों की मदद से समय रहते उन्हें बाहर निकाल लिया, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

दो लाख नकदी जलकर राख

आग में दो बाइक, ई-स्कूटी, लाखों के जेवर, दो लाख रुपए नकद और 21 अप्रैल को होने वाली शादी का पूरा सामान जलकर राख हो गया। मंदिर की प्रतिमाएं भी नहीं बच सकीं। करीब पांच घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। अमलाई थाना प्रभारी भूपेंद्र मणि पाण्डेय ने बताया कि आगजनी कायम कर मामले की जांच की जा रही है।

दो दिन से लापता युवक का शव नहर में मिला

जागरण, नरसिंहपुर। दो दिन से लापता एक युवक का शव रविवार को नहर में मिला है। मृतक की पहचान ग्राम अगरिया निवासी सलीम खान के रूप में हुई है। वह खेती-किसानी का काम करता था। सलीम ने ग्राम करहैया में एक किसान के गन्ने के खेत की सिंचाई का ठेका लिया था। शुक्रवार शाम वह करहैया जाने के लिए घर से निकला था, उसे खेत पर पहले से मौजूद अपनी पत्नी फातिमा के पास पहुंचना था, लेकिन वह वहां नहीं पहुंचा। पूरी रात इंतजार के बाद भी जब सलीम घर नहीं लौटा, तो परिजनों ने अगले दिन उसकी तलाश शुरू की। हालांकि, उन्हें कोई सुराग नहीं मिला। रविवार सुबह करीब 9 बजे मुंगवानी पुलिस को चीलाचौंन नहर में एक शव उतराने की सूचना मिली। पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के दौरान शव की पहचान सलीम खान के रूप में की गई। इसके बाद परिजनों को भी घटनास्थल पर बुलाया। स्टेशनगंज थाना प्रभारी सौरभ पटेल ने बताया कि सलीम अक्सर करहैया जाने के लिए नहर किनारे वाले रास्ते का इस्तेमाल करता था। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि वह रास्ते में संतुलन खोकर नहर में गिर गया होगा।

युवकों को हार्वेस्टर ने रौंदा एक की मौत, दो गंभीर

जागरण, नरसिंहपुर। धुबघट स्थित पाइप फैक्ट्री के पास नरसिंहपुर-छिंदवाड़ा मार्ग पर एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसके दो साथी गंभीर घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर भीड़ जमा हो गई। पुलिस के अनुसार ग्राम सिंहपुर बड़ा निवासी विकास शर्मा अपने साथियों शिवांश और सुलभ के साथ बाइक से नरसिंहपुर में चर्च ग्राउंड पर चल रही क्रिकेट ट्रॉफी देखने आया था। मैच देखने के बाद तीनों युवक रात में अपने गांव लौट रहे थे। रात 11 बजे जब वे धुबघट पाइप फैक्ट्री के पास पहुंचे, तभी उन्हें अपने ही गांव के एक युवक की बुलेट बाइक खराब हालत में खड़ी दिखाई दी। उसकी मदद करने जैसे ही तीनों युवक बाइक से नीचे उतरे, उसी दौरान तेज रफ्तार से आए हार्वेस्टर चालक ने उन्हें टक्कर मार दी।

इंजेक्शन लगने के बाद छात्रा की हालत बिगड़ी, मौत

खरगोन में क्लिनिक छोड़कर भागा रिटायर ड्रेसर

जागरण, खरगोन। प्रदेश के खरगोन जिले में एक निजी क्लिनिक में इलाज के दौरान नाबालिग छात्रा की मौत हो गई, उसे रिटायर्ड ड्रेसर ने इंजेक्शन लगाया था। इंजेक्शन लगते ही छात्रा बेहोश हो गई। मामला बिस्टान थाना क्षेत्र का है। जानकारी अनुसार आयुषी पटेल कक्षा 9वीं की छात्रा थी। एक दिन पहले ही उसका रिजल्ट आया था, जिसमें आयुषी को 73 प्रतिशत अंक मिले। आयुषी के पिता गजराज पटेल ने बताया कि रविवार दोपहर आयुषी को सर्दी-खांसी की शिकायत थी। वह बेटी को बिस्टान स्थित निजी क्लिनिक में पीसी गुप्ता के पास इलाज के लिए ले गए। क्लिनिक में आयुषी को सलाइन चढ़ाई। सलाइन चढ़ाने के कुछ देर बाद आयुषी को घबराहट हुई और उसे उल्टियां शुरू हो गईं। इसके बाद पीसी गुप्ता ने उसे एक इंजेक्शन लगाया। इंजेक्शन लगाए जाने के लगभग दो मिनट बाद ही उसकी हालत गंभीर हो गई। दोपहर 2 बजे आयुषी और परिजनों को खरगोन के एक निजी अस्पताल ले जाने को कहा। परिजन बच्ची को अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन दोपहर तब तक डॉक्टरों ने आयुषी को मृत घोषित कर दिया। परिजन शव लेकर बिस्टान लौटे फिर बिस्टान थाने में शिकायत दर्ज कराई गई।

रिटायर ड्रेसर ने खोला खुद का क्लीनिक

आरोपी पीसी गुप्ता आदिवासी क्षेत्र के सरवर देवला में कंपाउंडर/ड्रेसर के रूप में सेवाएं दे चुका है। क्षेत्र में वह कथित तौर पर डॉ. पीसी गुप्ता के नाम से मशहूर है। लंबे समय तक स्वास्थ्य सेवाओं में रहने के कारण आदिवासी क्षेत्र के लोगों से जान-पहचान है। रिटायर होने के बाद लगभग 6-7 साल से बिस्टान के भगवानपुरा रोड पर क्लीनिक और मेडिकल स्टोर चलाना शुरू किया। इस क्लिनिक में आसपास के लोग बड़ी संख्या में इलाज कराने आते हैं। ड्रेसर को लोग डॉक्टर मानते हैं। बिस्टान पुलिस ने पिता की शिकायत पर पीसी गुप्ता के खिलाफ केस दर्ज किया है। जिला अस्पताल में विशेषज्ञों की टीम ने छात्रा का पोस्टमार्टम किया है। अब पीएम रिपोर्ट के आधार पर पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई करेगी।

बांध से पानी न मिलने पर ग्रामीणों का चक्काजाम

जागरण, सिवनी। पेयजल संकट के विरोध में रविवार को छपारा जनपद पंचायत के अंजनिया ग्राम पंचायत के चंडी-अंजनिया गांव में ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने चक्काजाम कर दिया। इस कारण प्रशासन सकते में आ गया। ग्रामीणों के प्रदर्शन से सुबह 11 से दोपहर 12 बजे तक करीब एक घंटे आवागमन बाधित रहा और मौके पर अफरा-तफरी मच गई। जाम की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक टीम मौके पर पहुंची। इस दौरान लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की एसडीओ ज्ञानेश्वरी उईके, नायब तहसीलदार और थाना प्रभारी सहित पुलिस बल ने ग्रामीणों से चर्चा की। प्रशासन की समझाइश के बाद जाम खत्म हुआ, लेकिन ग्रामीणों ने स्पष्ट किया कि जब तक उन्हें ठोस आश्वासन नहीं मिलता, उनका आंदोलन जारी रहेगा।

बिजनेस प्लस

गुजरात में रेल विकास को मिली नई गति, 31 को पीएम 891 करोड़ की परियोजनाओं का करेंगे लोकार्पण

अहमदाबाद। भारतीय रेलवे के आधुनिकीकरण, क्षमता विस्तार और क्षेत्रीय संतुलित विकास के विजन को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 31 मार्च मंगलवार को गुजरात में 891 करोड़ की विभिन्न रेल परियोजनाओं का लोकार्पण एवं राष्ट्र को समर्पण करेंगे। प्रधानमंत्री द्वारा खेड़ब्रह्मा-हिम्मतनगर - अहमदाबाद (असारवा) के बीच नई ट्रेन सेवा का शुभारंभ एवं खेड़ब्रह्मा-हिम्मतनगर रेल लाइन का लोकार्पण तथा गांधीधाम-आदीपुर रेल लाइन के मल्टी-ट्रैकिंग एवं कानालुस-जामनगर रेल लाइन के दोहरीकरण का राष्ट्र को समर्पण किया जाएगा, जिससे उत्तर गुजरात और राज्य के केंद्रीय भाग के

बीच तेज, सुलभ और विश्वसनीय परिवहन व्यवस्था स्थापित होगी। ये परियोजनाएं केवल इंफ्रास्ट्रक्चर विकास तक सीमित नहीं हैं, बल्कि पूरे क्षेत्र के सामाजिक एवं आर्थिक परिवर्तन के लिए प्रेरक सिद्ध होंगी। बेहतर रेल कनेक्टिविटी से व्यापार, पर्यटन, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच आसान होगी, साथ ही स्थानीय स्तर पर रोजगार और उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा।

मियामी की मलिका बनीं सबालेंका

मियामी गार्डन्स, जेएनएन। आर्यना सबालेंका ने लगातार दूसरी बार मियामी ओपन में महिला एकल खिताब जीत लिया है। उन्होंने शनिवार रात खेले गए खिताबी मुकाबले में अमेरिका की कोको गफ को तीन सेट में पराजित कर दिया। इस जीत के साथ ही बेलारूस की 27 साल की दुनिया की नंबर एक महिला टेनिस खिलाड़ी ने 'सनशाइन डबल' भी पूरा कर लिया।चार ग्रैंड स्लैम खिताब जीत चुकीं सबालेंका ने फाइनल में चौथी वरीय 22 साल की कोको गफ को 6-2, 4-6, 6-3 से हराकर लगातार दूसरी बार खिताब पर कब्जा किया। सबालेंका ने इसके साथ ही डब्ल्यूटीए टूर लेवल पर गफ के खिलाफ अपना रिकॉर्ड 7-6 कर लिया। इसके साथ ही सबालेंका 'सनशाइन डबल' पूरा करने वाली पिछले चार साल में पहली खिलाड़ी बनीं। उन्होंने इसी महीने इंडियल वेल्स खिताब भी जीता था। सबालेंका यह कामयाबी हासिल करने वाली कुल पांचवीं महिला हैं। उनसे पहले स्टेफी ग्राफ (जर्मनी, 1994, 96), किम क्लाइस्टर्स (बेल्जियम, 2005), विक्टोरिया अजारेंका (बेलारूस, 2016) और इगा स्वियातेक (पोलैंड, 2022) यह कारनामा कर चुकी हैं।

सबालेंका का 30वां खिताब

इस तरह सबालेंका यह उपलब्धि हासिल करने वाली बेलारूस की दूसरी महिला बन गई हैं। यह जीत सबालेंका के करियर का 24वां डब्ल्यूटीए एकल खिताब और कुल 30वां खिताब है, जिसमें छह युगल और चार ग्रैंड स्लैम खिताब भी हैं। सोमवार को वह लगातार 76वें सप्ताह रैंकिंग में शीर्ष पर रहेंगी। इससे इगा स्वियातेक का सबसे लंबा सिलसिला टूट जाएगा।

मुंबई इंडियंस की ऐतिहासिक जीत कोलकाता को 6 विकेट से हराया

मुंबई इंडियंस ने 14 साल बाद आईपीएल में पहला मैच जीता; रोहित-रिकेल्टन ने लगाई फिफ्टी

मुंबई, जेएनएन। आईपीएल में मुंबई इंडियंस के 13 सीजन का इंतजार आखिरकार खत्म हो गया है। हार्दिक पंड्या की कप्तानी वाली टीम ने 2026 सीजन का अपना पहला मुकाबला जीत लिया। आखिरी बार मुंबई ने 2012 में सीजन का अपना पहला मुकाबला जीता था। लगातार 13 सीजन हार झेलने के बाद मुंबई इंडियंस ने कोलकाता नाइट राइडर्स को वानखेड़े स्टेडियम में 6 विकेट से हराया। पहले बैटिंग करते हुए केकेआर ने 4 विकेट पर 220 रन बनाए थे। मुंबई ने 20वें ओवर में 5 गेंद रहते मैच जीत लिया। यह मुंबई इंडियंस का लीग में सबसे सफल रन चेज है। कप्तान अजिंक्य रहाणे ने 40 गेंद पर 3 चौके और 5 छक्कों की मदद से 67 रन बनाए। मुंबई इंडियंस के लिए शार्दुल ठाकुर ने तीन विकेट लिए। यह मुंबई इंडियंस के लिए उनका डेब्यू मुकाबला था। एक विकेट हार्दिक पंड्या को मिला।

अजिंक्य मैदान से हुए बाहर रिंकू ने संभाली कप्तानी

केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे को रविवार को मुंबई इंडियंस के खिलाफ मुकाबले की दूसरी पारी में मांसपेशियों में खिंचाव के कारण मैदान छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा। रहाणे की गैरमौजूदगी में भारत के ऑलराउंडर रिंकू सिंह ने कप्तानी की जिम्मेदारी संभाली। रिंकू को आईपीएल 2026 शुरू होने से पहले उप-कप्तान बनाया गया था।

प्लेयर ऑफ द मैच : शादुल ठाकुर (मुंबई इंडियंस)

रोहित और रेयान ने तय की जीत

मुंबई इंडियंस को रोहित शर्मा और रेयान रिकेल्टन ने विस्फोटक शुरुआत दिलाई। तीसरे ओवर में वैभव अरोड़ा के खिलाफ दोनों ने तीन छक्के मारे। रोहित शर्मा ने पावरप्ले में ही अपनी फिफ्टी पूरी कर ली। उन्होंने 23 गेंद पर अपने आईपीएल करियर की सबसे तेज फिफ्टी ठोकी। 6 ओवर के बाद मुंबई ने 80 रन ठोक दिए थे। रिकेल्टन ने 9वें ओवर में सुनील नरेन को दो छक्के मारकर 24 गेंद पर फिफ्टी पूरी की। इसी ओवर में मुंबई का स्कोर 100 के पार पहुंचा। रोहित शर्मा शतक की तरफ बढ़ रहे थे लेकिन 78 रन बनाकर आउट हो गए। 38 गेंद पर रोहित ने 6 चौके और 6 छक्के मारे।

स्कोर बोर्ड

कोलकाता: 220/4 (20 ओवर)	रन	गेंद	4	6
रहाणे का. बो. ठाकुर	67	40	3	5
फिन का. तिलक बो. ठाकुर	37	17	6	2
कैमरोन का. रदरफोड बो. ठाकुर	18	10	1	1
रघुवंशी का. तिलक बो. तारिक	32	29	3	0
रिंकू नाबाद	33	21	4	0
रमनदीप सिंह	4	4	0	0
रिंकू सिंह नाबाद	11	4	1	1

अतिरिक्त: 10, **कुल:** 20 ओवर में 4 विकेट पर 220 रन, **विकेट पतन:** 1-69, 2-109, 3-145, 4-205 **गेंदबाजी:** बोल्ट 4-0-38-0, पंड्या 3-0-29-1, अल्लाह 4-0-51-0, बुमराह4-0-35-0, ठाकुर 4-0-39-3, मयंका 1-0-16-1

मुंबई 224/4 (19.1 ओवर)	रन	गेंद	4	6
रायल रिकेलटन रनआउट अनुकूल	81	43	4	1
रोहित शर्मा का. अनुकूल बो. वैभव	78	38	6	6
सूर्यकुमार का. रिंकू बो. कार्तिक	16	8	3	0
तिलक का. मनीष बो. सुनील	20	14	4	0
हार्दिक पंडाया नाबाद	18	11	3	0
नमन धीर नाबाद	5	2	1	9

अतिरिक्त: 6, **कुल:** 19.1 ओवर में 224 रन पर सभी आउट, **विकेट पतन:** 1-148, 2-169, 3-183, 4-214 **गेंदबाजी:** वैभव 4-0-52-1, ब्लेसिंग 3-0-34-0, वरुण 4-0-48-1, कार्तिक त्यागी 4-0-43-1, सुनील नरेन 3-0-30-1, अनुकूल 1.1-0-15-0

ऑरेंज कैप (बल्लेबाज)

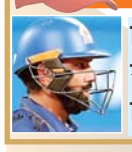

रियान (मुंबई)	81
रोहित शर्मा (मुंबई)	78
विराट कोहली (बेंगलुरु)	69

पर्पल कैप (गेंदबाज)

जैकब डफी (बेंगलुरु)	3
रोमारियो (बेंगलुरु)	3
शार्दुल ठाकुर	3

बाउंड्री मीटर

49 छक्के
66 चौके
07 अर्धशतक

रिकेल्टन के पास भी शतक लगाने का मौका था लेकिन 81 रन बनाकर वह रन आउट हो गए। उनके बल्ले से 4 चौके और 8 छक्के निकले। तिलक वर्मा ने 20, हार्दिक पंड्या ने नाबाद 18 और नमन धीर ने 5 रन बनाकर मुंबई को लक्ष्य तक पहुंचा दिया।

अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
बेंगलुरु	1	1	0	2	+2.907
मुंबई	1	1	0	2	+0.687
कोलकाता	1	0	1	0	-0.687
हैदराबाद	1	0	1	0	-2.907
राजस्थान	0	0	0	0	0
चेन्नई	0	0	0	0	0
दिल्ली	0	0	0	0	0
लखनऊ	0	0	0	0	0
गुजरात	0	0	0	0	0
पंजाब	0	0	0	0	0

आईपीएल से हटने वाले खिलाड़ियों पर लगे भारी जुर्माना: गावस्कर

मुंबई, जेएनएन। आईपीएल 2026 के मिनी ऑक्शन में खरीदे जाने के बावजूद टूर्नामेंट शुरू होने से पहले हटने वाले विदेशी खिलाड़ियों पर दो साल का बैन काफी नहीं है। इसके लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड को उन पर भारी भरकम जुर्माना लगाना चाहिए। ये कहना है भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का। उन्होंने ये बात इंग्लैंड के ओपनर बेन डकेट के आईपीएल 2026 सीजन से हटने के कुछ दिनों बाद कही है। डकेट दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेलने वाला थे। लेकिन, इंटरनेशनल क्रिकेट करियर पर ध्यान देने के लिए घरेलू क्रिकेट का प्राथमिकता देते हुए उन्होंने सोशल मीडिया पर आईपीएल से हटने की घोषणा कर दी। मिनी ऑक्शन में बेन डकेट को दिल्ली कैपिटल्स ने 2 करोड़ रुपये में खरीदा था। लेकिन, न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले आगामी टेस्ट मैचों से पहले उन्होंने आईपीएल के बजाय काउंटी चैंपियनशिप खेलने को प्राथमिकता दी है। इस फैसले के बाद वह अब अगले दो साल के लिए आईपीएल से बैन होने वाले हैं।

गुवाहाटी में आज जीत का आगाज करने उतरेंगी राजस्थान रायल्स और सीएसके

नई दिल्ली, जेएनएन। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 का तीसरा मुकाबला पांच बार की चैम्पियन चेन्नई सुपर किंग्स और पहले सीजन की चैम्पियन राजस्थान रॉयल्स के बीच खेला जाएगा। दोनों टीमों के बीच यह मैच गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। चेन्नई और राजस्थान के बीच इस टूर्नामेंट में कांटे की टक्कर देखने को मिलती है। चेन्नई सुपर किंग्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच अब तक कुल 31 मुकाबले खेले गए हैं। इनमें से 16 मुकाबलों में जीत चेन्नई के हाथ लगी है जबकि राजस्थान ने 15 मुकाबले जीते हैं। साल 2025 में दोनों टीमों के बीच कुल दो मैच खेले गए थे और दोनों में बाजी राजस्थान ने मारी थी। राजस्थान की टीम इस बार नए कप्तान रियान पराग की अगुवाई में मैदान पर उतरेगी। संजू सैमसन के बदले राजस्थान ने ट्रेड करते हुए रवींद्र जडेजा और सैम करन को टीम से जोड़ा है।

संजू पहली बार राजस्थान के खिलाफ उतरेंगे

दूसरी ओर, चेन्नई को सीजन की शुरुआत से पहले ही बड़ा झटका लगा है। एमएस धोनी इंजरी के कारण शुरुआती मुकाबलों के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। धोनी की गैरमौजूदगी में विकेटकीपर की भूमिका संजू सैमसन निभाते हुए दिखाई देंगे। चेन्नई की ओर से ऋतुराज गायकवाड़ और संजू पारी की शुरुआत करते नजर आएंगे। वहीं, आयुष म्हात्रे नंबर तीन पर खेल सकते हैं। सरफराज खान, शिवम दुबे और उर्विल पटेल मिडिल ऑर्डर की जिम्मेदारी संभालेंगे। वहीं, डेवाल्ड ब्रेविस से भी टीम को दमदार प्रदर्शन की उम्मीद होगी। हालांकि, चेन्नई का पेस अटैक इस सीजन थोड़ा कमजोर नज़र आ रहा है। खलील अहमद, अंशुल कंबोज, मुकेश चौधरी, मैट हेनरी और स्पेंसर जॉनसन के ऊपर बड़ी जिम्मेदारी होगी।

दोनों टीमें इस प्रकार हैं

- **राजस्थान रॉयल्स-** रियान पराग (कप्तान), ध्रुव जुरेल, डोनोवन फरेरा, लुआन ड्रे प्रिटोरियस, रवि सिंह, अमन पेराला, शिमरोन हेटमायेर, शुभम दुबे, वैभव सूर्यवंशी, यशस्वी जायसवाल, रविंद्र जडेजा, सैम कुरेन, एडम मिल्ने, ब्रुजेश शर्मा, जोफ्रा आर्चर, कुलदीप सेन, क्वेना मफाका, नांद्रे बर्गर, रवि बिश्नोई और संदीप शर्मा।
- **चेन्नई सुपर किंग्स-** ऋतुराज गायकवाड़ (कप्तान), संजू सैमसन, डेवाल्ड ब्रेविस, शिवम दुबे , आयुष म्हात्रे, मैट हेनरी, अकील हुसैन, नूर अहमद, जैमी ओवर्टन, मैथ्यू शॉर्ट, खलील अहमद, जाक फोकेस, अंशुल कम्बोज, नाथन एलिस, सरफराज खान, राहुल चाहर, कार्तिक शर्मा, उर्विल पटेल, अमन खान, रामाकृष्णा घोष, प्रशांत वीर, श्रेयस गोपाल, गुरजपनीत सिंह और मुकेश चौधरी।

मैच का समय-शाम 7 . 30 बजे से।

आईपीएल 2026 का पहला विवाद

सॉल्ट के कैच पर बवाल, वॉन का अंपायर के फैसले पर सवाल

नई दिल्ली, जेएनएन। आईपीएल 2026 का आगाज धमाकेदार अंदाज में हुआ। विराट कोहली की 69 रनों की धमाकेदार पारी के दम पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 202 रनों के टारगेट को आसानी से 15.4 ओवर में ही चेज कर दिया। हालांकि इस मैच में के दौरान एक विवाद हुआ, जिसने खूब सुर्खियां बटौरी। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने अंपायर के फैसले पर भी सवाल उठाए। इसे आईपीएल 2026 की पहली कॉन्ट्रोवर्सी भी कहा जा रहा है। यह विवाद फिल सॉल्ट की एक कैच को लेकर शुरू हुआ। 14वें ओवर की पहली गेंद पर हेनरिक क्लासेन ने बड़ा शॉट खेलने का प्रयास किया, मगर वह चिन्नास्वामी की छोटी बाउंड्री को पार नहीं कर पाए। वहां मौजूद फिल सॉल्ट ने शानदार कैच पकड़ा, मगर कैच पकड़ने के दौरान वह बाउंड्री रोप के काफी नजदीक थे।

अंपायर ने तुरंत फैसला थर्ड अंपायर की ओर रेफर किया। रिप्ले में थर्ड अंपायर ने देखा कि सॉल्ट मिड विकेट पर बाउंड्री लाइन के काफी नजदीक थे। यह कहना मुश्किल था कि उन्होंने बाउंड्री रोप को छुआ है या नहीं। मगर थर्ड अंपायर ने कहा 'मुझे कुशन में कोई हलचल नहीं दिख रही है'। जिस वजह से उन्होंने क्लासेन को आउट दिया। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन का कुछ अलग मानना है। उन्होंने एक्स पर इस मुद्दे को उठाते हुए लिखा, 'मुझे ऐसा लगा जैसे पैर ने बाउंड्री स्पंज को छुआ हो... यह आरसीबी के लिए एक बड़ा फैसला है।

फिट्जपैट्रिक ने वापसी करते हुए हीरो इंडियन ओपन खिताब जीता

गुरुग्राम, जेएनएन। एलेक्स फिट्जपैट्रिक ने रविवार को यहां वापसी करते हुए चार शॉट की बढ़त से हीरो इंडियन ओपन खिताब अपने नाम किया जो उनका पहला डीपी वर्ल्ड टूर खिताब है। उन्होंने जब आखिरी दिन की शुरुआत की तो वह बीती रात शीर्ष पर चल रहे और गत चैंपियन यूजेनियो चाकारा से चार शॉट पीछे थे। लेकिन 18वें होल तक वह चार शॉट की बढ़त बनाए थे। फिट्जपैट्रिक ने आखिरी होल में डबल बोगी की, लेकिन तब तक वह ट्रॉफी जीतने के लिए दो शॉट की बढ़त बना चुके थे। इंग्लैंड के फिट्जपैट्रिक और चाकारा के बीच लंबे समय से प्रतिद्वंद्विता चली आ रही है, जो उनके एमेच्योर दिनों से शुरू हुई थी। एक साल पहले चाकारा ने हीरो इंडियन ओपन 2025 खिताब जीता था और तब फिट्जपैट्रिक संयुक्त 17वें स्थान पर थे। हीरो मोटोकोर्प के कार्यकारी निदेशक डॉ पवन मुंजाल ने फिट्जपैट्रिक को ट्रॉफी और 433,500 डॉलर का चेक प्रदान किया। उन्होंने 585 अंक भी हासिल किए और रेस टू दुबई रैंकिंग में छठे स्थान पर पहुंच गए।

जापान ग्रांप्री: मर्सिडीज के किमी एंटोनेली ने लगातार दूसरी फार्मूला एफवन रेस जीती

सुजुका, जेएनएन। मर्सिडीज के 19 वर्षीय ड्राइवर किमी एंटोनेली ने रविवार को जापानी ग्रांप्री में मैकलारेन के ऑस्कर पियास्त्री को पछाड़ते हुए लगातार दूसरी फॉर्मूला वन (एफ1) रेस जीत ली। इटली के एंटोनेली ने ऑस्ट्रेलिया के ड्राइवर को 13.7 सेकंड के अच्छे अंतर से पछाड़ा। फेरारी के चार्ल्स लेक्लेर्क तीसरे और मर्सिडीज के जॉर्ज रसेल चौथे स्थान पर रहे। मैकलारेन के लैंडो नॉरिस पांचवें और फेरारी के लुईस हैमिल्टन छठे स्थान पर रहे। एंटोनेली ने अपने करियर की पहली एफवन रेस दो सप्ताह पहले चीन में जीती थी और वह इतिहास के दूसरे सबसे कम उम्र के विजेता हैं। सबसे कम उम्र के विजेता का रिकॉर्ड मैक्स वेरस्टैपेन के नाम है। उन्होंने 2016 में 18 साल की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की थी। एंटोनेली ने चीन में भी पोल पोजीशन से जीत दर्ज की थी। तीन रेस में एंटोनेली के 72 अंक हैं। वह अब सत्र की ड्राइवर की तालिका में शीर्ष पर पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए हैं। एंटोनेली ने कहा, चैंपियनशिप के बारे में सोचना अभी जल्दबाजी होगी, लेकिन हम अच्छी स्थिति में हैं। उन्होंने कहा कि इस जीत के बावजूद उन्हें अपनी शुरुआत को बेहतर करने पर ध्यान देना होगा। इस युवा ड्राइवर ने कहा, मेरी शुरुआत खराब रही, मुझे बस यह देखना होगा कि क्या गलत हुआ। मुझे इसमें सुधार करना होगा क्योंकि इससे रेस में जीत या हार का बहुत बड़ा फर्क पड़ता है।

पेशेवर मुक्केबाजी में उतर सकती हैं मैरी कॉम

नई दिल्ली, जेएनएन। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता और छह बार की विश्व चैम्पियन भारतीय मुक्केबाज एम सी मैरी कॉम ने रविवार को कहा कि वह पेशेवर मुक्केबाजी में उतर सकती हैं। लंदन ओलंपिक 2012 में कांस्य पदक जीतकर ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला मुक्केबाज बनी 43 वर्ष की मैरी कॉम ने कहा कि अमैच्योर सर्किट पर खेलने के लिये अब उनकी उम्र निकल चुकी है। उन्होंने 'संडे आन साइकिल्स' कार्यक्रम से इतर कहा छह विश्व चैम्पियनशिप जीतना खास रहा। अब मैं उस उम्र में हूं कि देश के लिये अमैच्योर सर्किट पर नहीं खेल सकती। पेशेवर मुक्केबाजी एक नया मौका हो सकता है। उन्होंने कहा अभी इस बारे में सोच रही हूं। मैं कड़ी मेहनत करके वापसी की कोशिश में हूं।

कोहली की ऊर्जा और जोश बेजोड़: आर अश्विन

बेंगलुरू, जेएनएन। विराट कोहली की जमकर तारीफ करते हुए भारत के पूर्व आफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कहा कि टेस्ट और वनडे क्रिकेट से संन्यास लेने के बावजूद अपनी बेजोड़ ऊर्जा और जोश के दम पर जो कहते हैं, वह करके दिखाते हैं। पिछले साल तीन जून को आईपीएल फाइनल जीतने के बाद पहली बार टी20 प्रारूप खेलते हुए कोहली ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 38 गेंद में नाबाद 69 रन बनाये जिसकी मदद से गत चैम्पियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू ने आईपीएल 2026 के पहले मैच में छह विकेट से जीत दर्ज की। अश्विन ने कहा कि वह जो कहते हैं, करके दिखाते हैं। ऐसा लगता है कि वह लोगों को दिखा रहे हैं कि कैसे खेला जाता है। इसे जोरदार ढंग से खेलो और वैसे ही खेलो, जैसे खेला जाना चाहिये। विराट ने जो कुछ भी किया उस लिहाज से यह बात मेरे लिये सबसे खास रही। कोहली ने आईपीएल से पहले जनवरी में न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे श्रृंखला में 93, 23 और 124 रन बनाये थे।

कैफ ने पोस्ट कर कोहली की तारीफ की तो लोग बोले- बचाव की कोई जरूरत ही नहीं

कोहली ने 2024 के टी20 वर्ल्ड कप के बाद अंतरराष्ट्रीय टी20 क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। रिटायर होने के बाद भी कोहली यह साबित करते आ रहे हैं कि खेल के सबसे छोटे फॉर्मेट में उनका दौर अभी खत्म नहीं हुआ है। हैदराबाद के खिलाफ आईपीएल 2026 के पहले मैच में उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए 38 गेंदों पर पांच चौके और पांच छक्कों की मदद से नाबाद 69 रन की शानदार अर्धशतकीय पारी खेलते हुए अपनी टीम को जीत दिलाई। कैफ ने इस पोस्ट के माध्यम से कोहली की तारीफ की है, लेकिन कई फैंस ने इसके समय पर सवाल उठा रहे हैं। उन्हें लगा कि अब कोहली का बचाव करने की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि वह लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। कुछ लोगों ने यह भी कहा कि पहले जो आलोचना हो रही थी, वह ज्यादातर टेस्ट क्रिकेट में उनकी संघर्षपूर्ण स्थिति को लेकर थी, न कि लिमिटेड ओवर्स फॉर्मेट को लेकर थी।

हरभजन सिंह से बर्दाश्त नहीं हुई ट्रोलिंग सोशल मीडिया पर खोया अपना आपा

मुंबई, जेएनएन। आईपीएल 2026 में भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व गेंदबाज हरभजन सिंह कमेंट्री करते नजर आ रहे हैं। आईपीएल 2026 के दौरान कमेंट्री पैनल का हिस्सा बने हरभजन का एक ट्रोल यूजर के साथ तीखा विवाद हो गया, जिसने देखते ही देखते सोशल मीडिया पर बड़ा रूप ले लिया। इस पूरे मामले में हरभजन ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल किया, जिसे लेकर भी काफी चर्चा हो रही है। पूरा विवाद एक ट्रोल अकाउंट की टिप्पणी से शुरू हुआ। उस यूजर ने वेस्टइंडीज के पूर्व क्रिकेटर इयान बिशप की तारीफ करते हुए उन्हें हरभजन सिंह, वीरेंद्र सहवाग और नवजोत सिंह सिद्धू से ज्यादा भारतीय बताया। इस टिप्पणी के जरिए यूजर ने भारतीय खिलाड़ियों पर तंज कसने की कोशिश की।

क्या है पूरा मामला?: हालांकि, मामला यहीं नहीं रुका। उसी यूजर ने आगे बढ़ते हुए हरभजन सिंह पर व्यक्तिगत टिप्पणी की और उन्हें सलाह दी कि वह अपनी कमेंट्री पर ध्यान दें। साथ ही यह भी कहा कि अगर उन्होंने ऐसा नहीं किया, तो रविचंद्रन अश्विन उनकी जगह ले सकते हैं, जैसे उन्होंने भारतीय टीम में उनकी जगह ली थी। इस तरह की टिप्पणी से हरभजन नाराज हो गए और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लगातार कई पोस्ट करते हुए ट्रोल को जवाब दिया।

संक्षिप्त समाचार

बेंगलुरुः दिनदहाड़े किडनैप कर युवक की पिटाई

बेंगलुरु, जेएनएन। बेंगलुरु में नागरहोल सर्कल के पास शनिवार को दिनदहाड़े एक आदमी को कथित तौर पर एक गैंग ने किडनैप कर लिया और उस पर हमला किया, जिसे पुलिस ने गलत पहचान का मामला बताया है। पुलिस ने कहा, पीड़ित, शरत, दोस्त चिंतन के साथ सड़क किनारे एक चाय की दुकान के पास खड़ा था, तभी 3 अनजान आदमी उसके पास आए और पूछा कि क्या वह 'नाता' है। उसके मना करने के बावजूद उन लोगों ने कथित तौर पर नटराज नाम के एक व्यक्ति का बेटा होने का आरोप लगाया और वहीं पर उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। घटना के एक वीडियो में तीन आदमी शरत के पास आते दिख रहे हैं। थोड़ी बहस और बहस के बाद वे जबरदस्ती ऑटोरिक्शा में धकेलते हुए दिख रहे हैं। पुलिस ने कहा कि पीड़ित को गाड़ी के अंदर बार-बार पीटा गया, आरोपियों ने उसके चेहरे और सिर को निशाना बनाया।

'जाट' शब्द हटाने पर हंगामा मंच से सांसद की चेतावनी

मेरठ, जेएनएन। उप्र के मेरठ में महाराजा सूरजमल की प्रतिमा के अनावरण कार्यक्रम के दौरान बड़ा विवाद खड़ा हो गया। प्रतिमा की फाउंडेशन वॉल से 'जाट' शब्द हटाए जाने को लेकर लोगों में भारी नाराजगी दिखी, जिसके बाद कार्यक्रम स्थल पर हंगामा, विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया। यह विवाद धीरे-धीरे राजनीतिक रंग लेता गया, जब मंच से नेताओं के तीखे बयान सामने आए। और प्रशासन पर समाज विशेष की उपेक्षा के आरोप लगाए गए। स्थानीय लोगों और जाट बिरादरी के सदस्यों का आरोप है कि प्रतिमा के नीचे पहले 'जाट' शब्द अंकित था, जिसे प्रशासन ने जानबूझकर रातों-रात हटवा दिया। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि यह उनके समाज और महाराजा सूरजमल का अपमान है। आक्रोशित लोग धरने पर बैठ गए और कार्यक्रम स्थल पर नारेबाजी करने लगे। लोगों ने कहा कि प्रशासन उनकी पहचान को नकारने की कोशिश कर रहा है, जिसे वे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेंगे।

सुकमा में पांच लाख के ईनामी नक्सली की मौत

सुकमा (छत्तीसगढ़), जेएनएन। नक्सलियों के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। इस ऑपरेशन में सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता मिली है, जहां 5 लाख रुपये के इनामी नक्सली को मार गिराया गया है। यह कार्रवाई नक्सल उन्मूलन के लिए तय 31 मार्च की डेडलाइन से ठीक पहले हुई है, जिसे सुरक्षा एजेंसियों के लिए एक महत्वपूर्ण ऑपरेशन माना जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, मुठभेड़ सुकमा जिले के पोलमपल्ली थाना क्षेत्र के घने जंगलों में चल रही है। सुरक्षाबलों ने नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू किया था।

विधानसभा चुनावः तमिलनाडु में समर पैकेज, असम में बिहू बोनस, बंगाल में लक्ष्मी भंडार स्कीम

कैश ट्रांसफर पर बड़ा दांवः महिलाओं को 24 हजार करोड़ दे रहे 4 चुनावी राज्य

नई दिल्ली, जेएनएन। अगले माह 5 राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। इनमें से 4 राज्य ऐसे हैं, जिन्होंने जीत के कथित फॉर्मूले यानी कैश ट्रांसफर पर बड़ा दांव लगाया है। चारों राज्य महिलाओं के बैंक खाते में सीधे 24,500 करोड़ ट्रांसफर कर रहे हैं। चुनावी वादा भी यही है कि सत्ता में आए तो ऐसे ही 5 साल तक पैसे खातों में जाते रहेंगे। तमिलनाडु की डीएमके सरकार ने 2-2 हजार रु. स्पेशल समर पैकेज के नाम पर महिलाओं के खाते में डाल दिए। असम की भाजपा सरकार ने बिहू मनाने 4-4 हजार रुपए दे दिए। केरल की वामपंथी सरकार भी स्त्री सुखम योजना ले आई। 10 लाख महिलाओं को हर महीने 1-1 हजार मिल रहे हैं। बंगाल की तृणमूल सरकार तो फरवरी में लक्ष्मी भंडार स्कीम में 500 रु. बढ़ा चुकी है। खस्ताहाल माली हालत के बावजूद ममता सरकार को अगले साल 5 हजार करोड़ देने पड़ेंगे। स्कीम ने 2021 के चुनाव में ममता को जीत दिलाई थी। चारों राज्यों में सभी योजना की लाभार्थी महिलाओं की संख्या 4.1 करोड़ है, जबकि कुल वोटर 17.89 करोड़। यानी इनमें नकद स्कीमों की कुल लाभार्थी 23% हैं।

अब 15 राज्य दे रहे महिलाओं को राशि

बीते 5 साल में हुए चुनावों का ट्रेंड देखें तो पता चला है कि महिलाओं को कैश ट्रांसफर देने वाले राज्यों की संख्या एक से बढ़कर 15 हो गई है। ये राज्य 13 करोड़ से ज्यादा महिलाओं को 2.46 लाख करोड़ रु. तक सालाना नकद पैसा ट्रांसफर कर रहे हैं, जो इन राज्यों के कुल बजट का 0.7% है। झारखंड जैसा राज्य अपने ग्रामीण विकास के कुल बजट का 81% हिस्सा महिलाओं को कैश ट्रांसफर में दे रहा है। लेकिन, ट्रेंड ये भी है कि जो राज्य विकास योजनाओं को रोककर नकद स्कीमों पर खर्च कर रहे हैं, वहां कई योजनाएं शुरू नहीं हो पा रही हैं। नकद स्कीमों के चलते महाराष्ट्र-कर्नाटक जैसे बड़े राज्यों को अपने अहम खर्चों में कटौती करनी पड़ी है।

इन राज्यों में गेमचेंजर बनीं कैश ट्रांसफर वाली योजनाएं

मप्रः (2023): 'लाड़ली बहना' के तहत 1.31 करोड़ महिलाओं को 1250 रुपए/माह; कई सीटों पर बढ़त।
कर्नाटक (2023): 'गृह लक्ष्मी' योजना (2000 रु./माह) ने कांग्रेस को जीत दिलाई।
ओडिशा (2024): 'सुभद्रा' योजना से भाजपा को पहली बार सत्ता।
महाराष्ट्र (2024): 'लाड़की बहिन' योजना (1500 रुपए/माह), बड़ा महिला वोट आधार।
झारखंड (2024): 'मैया सम्मान' योजना का चुनावी असर। हेमंत सोरेन की वापसी हुई।

चुनावी राज्यों में ये भी 'मुफ्त' योजनाएं...

तमिलनाडु में 2.22 करोड़ राशनकार्डधारकों को मुफ्त फ्रिज, एजुकेशन लोन वेवर और हर साल तीन गैस सिलेंडर मुफ्त। केरल में कल्याण पेंशन स्कीम में अब 62 लाख लोग। पेंशन भी 600 रु. बढ़ाकर 2 हजार रु. की। बंगाल में 1500 करोड़ रु. बेरोजगार युवा पेंशन पर खर्च हो रहे हैं ॥ह्यह्यह्य

ये राज्य भी दे रहे सहायता

बिहारः मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना सहायता **राशिः** 10,000 की पहली किस्त
उद्देश्यः महिला स्वयं सहायता समूह (जीविका दीदी) से जुड़ी महिलाओं को लघु उद्योग (जैसे-सिलाई, ब्यूटी पार्लर, डेयरी) शुरू करने के लिए आर्थिक मदद देना।
दिल्लीः महिला समृद्धि योजना सहायता राशिः हर महीने 2,500 की आर्थिक सहायता।
झारखंडः मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना सहायता **राशिः** 5000 तक की राशि
हरियाणाः लाडो लक्ष्मी योजना सहायता राशिः 2100 प्रति माह।

10 में से 4 डिप्लोमा स्टूडेंट चुनते हैं बाइलिंगुअल कोर्स

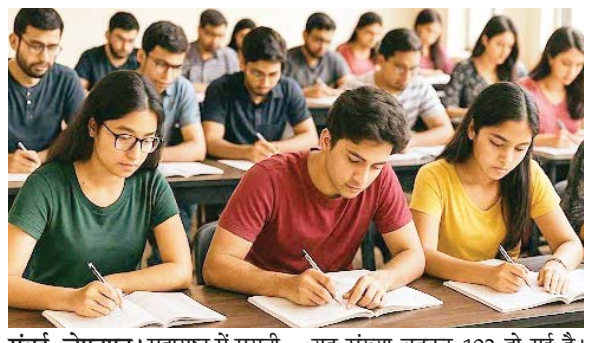

मुंबई, जेएनएन। महाराष्ट्र में मराठी मीडियम एजुकेशन में घटती दिलचस्पी को लेकर चिंताओं के बीच, इंजीनियरिंग में बाइलिंगुअल डिप्लोमा कोर्स शुरू करने की राज्य की कोशिशें जोर पकड़ रही हैं।

इस फॉर्मेट को अपनाने वाले इंस्टिट्यूट की संख्या बढ़ रही है और स्टूडेंट एनरोलमेंट भी लगातार बढ़ रहा है। महाराष्ट्र स्टेट बोर्ड ऑफ टेक्निकल एजुकेशन द्वारा 2023-24 एकेडमिक ईयर में शुरू किया गया, मराठी और इंग्लिश दोनों में इंस्ट्रक्शन देने वाला बाइलिंगुअल मॉडल डिप्लोमा इंस्टिट्यूट में तेजी से अपनाया जा रहा है। 2023-24 में 388 डिप्लोमा इंस्टिट्यूट में से, 175 ने बाइलिंगुअल फॉर्मेट अपनाया था। 2025-26 में 416 इंस्टिट्यूट में से यह संख्या बढ़कर 192 हो गई है। डायरेक्टोरेट ऑफ टेक्निकल एजुकेशन के डेटा के मुताबिक, 45,444 स्टूडेंट जो 2025-26 में डिप्लोमा कोर्स में एनरोल कुल 1,07,910 में से लगभग 42% हैं। अब बाइलिंगुअल प्रोग्राम ऑफर करने वाले इंस्टिट्यूट में पढ़ रहे हैं।

यह मॉडल मराठी और इंग्लिश के मिक्स में पढ़ाने की इजाजत देता है, जबकि स्टूडेंट दोनों भाषाओं का इस्तेमाल करके एग्जाम दे सकते हैं।

इंजीनियरिंग डिप्लोमा कोर्स तीन साल के, स्किल-ओरिएंटेड प्रोग्राम हैं जो क्लास 10 के बाद स्टूडेंट के लिए खुले हैं। ग्रेजुएट या तो वर्कफोर्स में शामिल हो सकते हैं या इंजीनियरिंग डिग्री कोर्स के दूसरे साल में सीधे एडमिशन ले सकते हैं।

वर्ष	कुल संस्थान	कुल स्टूडेंट्स	बाइलिंगुअल फॉर्मेट इंस्टीव्यूट	बाइलिंगुअल में स्टूडेंट्स
2023-24	388	86465	175	34647
2024-26	400	95511	185	39689
2025-26	416	107910	192	45444

असमः कांग्रेस ने किया '5 गारंटी' का ऐलान

गुवाहाटी, जेएनएन। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को चुनावी राज्य असम के लिए अपनी पार्टी की 'पांच गारंटी' की घोषणा की, जिसमें महिलाओं की भलाई, सभी के लिए हेल्थकेयर, ज़मीन के अधिकार और जुबीन गर्ग मौत मामले में न्याय पर ध्यान दिया गया है। उन्होंने राज्य में भाजपा की अगुवाई वाली सरकार पर भी निशाना साधा, उस पर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार में लिप्त होने और दिल्ली में अपने नेताओं और उनके परिवारों के 'खजाने भरने' का आरोप लगाया। लखीमपुर जिले के नाओबोइचा में एक रैली में खरगे ने पार्टी की 'पांच गारंटी' बताईं, जिसमें हर महिला के बैंक अकाउंट में बिना किसी शर्त के हर महीने पैसे ट्रांसफर करना, साथ ही बिजनेस शुरू करने या बढ़ाने की इच्छुक महिलाओं को 50,000 रुपए की अतिरिक्त मदद शामिल है। उन्होंने कहा, 'हमारा ट्रांसफर बिना किसी शर्त के होगा।

महिलाओं को हर महीने कैश ट्रांसफर का वादा

लोस चुनाव हारे रंजन को बहरामपुर से टिकट

गुवाहाटी, जेएनएन। कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए रविवार शाम 284 नामों की लिस्ट जारी की। राज्य में विधानसभा की कुल 294 सीटें हैं। लोकसभा चुनाव हारे अधीर रंजन चौधरी को बहरामपुर से प्रत्याशी बनाया गया है। मालातीपुर से मौसम नूर को टिकट दिया गया है। इधर, पीएम मोदी ने रविवार को केरल पहुंचे। उन्होंने यहां भाजपा के चुनाव प्रचार की शुरुआत की। पलक्कड़ में पहली रैली की। इसके बाद वे त्रिशूर पहुंचे थे। यहां उनकी रैली 34 मिनट की थी। पलक्कड़ में पीएम ने कहा- दशकों से केरल मतलबी पॉलिटिक्स के दो मुखौटों के बीच फंसा हुआ है। एक तरफ एलडीएफ, दूसरी तरफ यूडीएफ; एक तरफ कम्युनिस्ट, दूसरी कांग्रेस। एक करप्ट, दूसरा महा-करप्ट। एक कम्युनल, दूसरा महा-कम्युनल। एलडीएफ और यूडीएफ की सारी पॉलिसी सिर्फ वोट-बैंक पॉलिटिक्स के लिए हैं।

पंजाबः मलेरकोटला में 2 संदिग्ध आतंकी गिरफ्तार

मलेरकोटला (पंजाब), जेएनएन। पंजाब के मलेरकोटला जिले में सुरक्षा एजेंसियों को बड़ी सफलता मिली है। पंजाब पुलिस और जम्मू-कश्मीर पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में दो संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया गया है। दोनों आरोपी पिछले कई वर्षों से इलाके में छिपकर रह रहे थे और मजदूरी कर स्थानीय लोगों के बीच घुलमिल गए थे। पुलिस सूत्रों के अनुसार, गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान अब्बू गाबा और उस्मान के रूप में हुई है। दोनों को शनिवार को शेरवानी कोटे गांव से हिरासत में लिया गया। यह कार्रवाई पंजाब पुलिस की सीआईए विंग और जम्मू-कश्मीर पुलिस के संयुक्त अभियान के तहत की गई। पुलिस टीम ने गांव में छापा मारकर दोनों संदिग्धों को गिरफ्तार किया। पूछताछ के बाद दोनों को जांच के लिए जम्मू-कश्मीर पुलिस के हवाले कर दिया गया है।

भारत चुनौती से निपट रहा अफवाहों में न आएंः पीएम

नई दिल्ली, जेएनएन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात के 132वें एपिसोड में अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का जिक्र किया। पीएम ने कहा कि दुनिया में जंग चल रही है। पेट्रोल-डीजल का संकट पैदा हुआ है, लेकिन भारत इस चुनौती से निपट रहा है। सरकार लोगों से अपील करती है कि किसी तरह की अफवाहों में न आएं। सरकार की तरफ से जानकारी पर भरोसा करें। कुछ लोग माहौल बिगाड़ने की कोशिश में लगे हैं। इससे वे देश का नुकसान कर रहे हैं। मोदी ने कहा, साथियों, जिस क्षेत्र में अभी युद्ध चल रहा है, वह क्षेत्र हमारी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा केंद्र है। इसकी वजह से दुनिया भर में पेट्रोल और डीजल को लेकर संकट की स्थिति बनती जा रही है। हमारे वैश्विक संबंध, अलग-अलग देशों से मिल रहा सहयोग और पिछले एक दशक में देश का जो सामर्थ्य बना है, इनकी वजह से भारत इन परिस्थितियों का डटकर मुकाबला कर रहा है। पीएम ने कहा, मैं सभी से अपील भी करूंगा कि वो जागरुक रहें, अफवाहों के बहकावे में ना आएं 7 सरकार की तरफ से जो आपको निरंतर जानकारी दी जा रही है, उस पर भरोसा करें और उसी पर विश्वास करके कोई कदम उठाएं। मुझे हर बार की तरह इस बार भी विश्वास है कि जैसे देश के 140 करोड़ देशवासियों के सामर्थ्य से पुराने संकटों को हराया था, इस बार भी सब मिलकर के इस कठिन हालत से बहुत ही अच्छी तरह बाहर निकल जाएंगे। वर्तमान में हमारे पड़ोस में एक माह से भीषण युद्ध चल रहा है। हमारे लाखों परिवारों के सगे-संबंधी इन देशों में रहते हैं, खासतौर पर खाड़ी देशों में काम करते हैं। मैं खाड़ी देशों का बहुत आभारी हूं, वे ऐसे एक करोड़ से ज्यादा भारतीयों को वहां पर हर प्रकार की मदद दे रहे हैं।

पीएम ने की मन की बात

दैनिक जागरण वर्गीकृत
आवश्यकता शिक्षा प्रापर्टी दूरसंचार ऑटो मोबाइल, ट्रेवल्स शॉपिंग बाजार इलेक्ट्रॉनिक्स रेस्टोरेंट

FINANCE

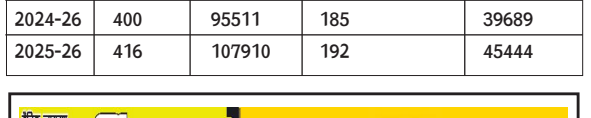

AVAILABLE FOR SALE REPO VEHICLE TATA ACE GOLD DIESAL MODEL 2024 RC NO. - MP-04-ZW-2048 ENG. NO.700 CCDI04JWXSC7719 CHSIS NO. MAT559033PZJ25868 CONTACT SUNDRAM FINANCE LTD. BHOPAL MOB. : 9109107073

अण्डा

BHOPAL EGG RATE 420/-
Rate Suggested by RS Agro P.I.P.L. and Associated Poultry farmers.

सलाह

पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्रवाई करने से पूर्व आवश्यक/सम्पूर्ण जानकारी कर लेवें। यह समाचार पत्र विज्ञापनदाता द्वारा किये गये किसी भी प्रकार के दावे/प्रस्तुतीकरण के लिए जिम्मेदार नहीं है। -व्यवस्थापक

आवश्यकता है

आउटसोर्स एजेंसी को सरकारी कार्यालयों हेतु सुरक्षागार्ड, आफीसबाय सफाईकर्मी, कुक (M/F), कम्प्यूटर आपरेटर, सुपरवाइजरों की आवश्यकता है रिजयुम सहित संपर्क करें - 57,ग्रेस टावर द्वितीय तल, जोन-2 एम पी नगर भोपाल 8817793148 (9-4)

लोकसभा में बिल पेशः अब एक गलती भी पड़ेगी भारी

नियम तोड़ा तो 3 माह के लिए सस्पेंड होगा ड्राइविंग लाइसेंस

नई दिल्ली, जेएनएन। सड़क सुरक्षा नियमों को सख्त बनाने के लिए केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। लोकसभा में पेश जन विश्वास (संशोधन) बिल 2026 के तहत अब ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन पर केवल चालान भरकर बचना आसान नहीं होगा, बल्कि गंभीर चूक होने पर ड्राइविंग लाइसेंस तीन महीने के लिए निलंबित किया जा सकता है। इसके साथ ही 10,000 रुपये तक का जुर्माना भी लगाया जा सकता है। यह प्रस्ताव सड़क सुरक्षा को मजबूत करने और नियमों के पालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लाया गया है।

पूरे देश में लागू होगा नियम

फिलहाल कुछ मामलों जैसे प्रदूषण प्रमाणपत्र (पीयूसी) न होने पर लाइसेंस निलंबन का प्रावधान है, लेकिन यह सख्ती से लागू नहीं हो पाता। अब केंद्र सरकार इस नियम को पूरे देश में एक समान लागू करने जा रही है, जिससे राज्यों में अलग-अलग नियमों की समस्या खत्म होगी।

नियमों में कई बदलाव प्रस्तावित

- लाइसेंस की एक्सपायरी के बाद 30 दिन तक वैध माना जाएगा
- यदि कोई व्यक्ति पहले से लाइसेंस रिन्यू कराता है, तो नई वैधता पुरानी समाप्ति तिथि से ही मानी जाएगी
- देश में कहीं से भी ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने की सुविधा मिलेगी

नेपाल में सरकार ने छात्र राजनीति पर लगाई रोक

5वीं क्लास तक एग्जाम भी खत्म, स्कूलों-कॉलेजों को विदेशी नाम बदलने के निर्देश

काठमांडू, जेएनएन। नेपाल में प्रधानमंत्री बालेन शाह की सरकार ने छात्र राजनीति पर पूरी तरह रोक लगा दी है। कक्षा 5 तक के बच्चों के लिए पारंपरिक परीक्षाएं भी खत्म कर दी गई हैं और स्कूलों-कॉलेजों को अपने विदेशी नाम बदलकर नेपाली में रखने का आदेश दिया गया है। सरकार ने शनिवार रात को जारी आदेश में कहा कि यह सभी फैसले अपने 100 दिन के एक्शन प्लान के तहत लिए हैं, जिसका मकसद शिक्षा को राजनीति से दूर रखना और इसे बेहतर बनाना है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अब स्कूल और कॉलेजों में किसी भी तरह की राजनीतिक गतिविधि नहीं होगी। सभी राजनीतिक पार्टियों से जुड़े छात्र संगठनों को 60 दिनों के अंदर अपने दफ्तर कॉलेज कैंपस से हटाने होंगे।

पूर्व मंत्री खड़का गिरफ्तार

पूर्व पीएम केपी शर्मा ओली और पूर्व गृह मंत्री रमेश लेखक की गिरफ्तारी के बाद नेपाली कांग्रेस के नेता एवं पूर्व ऊर्जा मंत्री दीपक खड़का को मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में रविवार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। नेपाल सीआईबी के प्रवक्ता शिवकुमार श्रेष्ठ के अनुसार, यह कार्रवाई 'मनी लॉन्ड्रिंग जांच विभाग' के अनुरोध पर की गई है।

विरासत रेमंड का कानपुर की गलियों से दुनिया तक का सफर

सिंघानिया के पूर्वजों ने दिया था जेके नाम

नई दिल्ली, जेएनएन। रेमंड ग्रुप के पूर्व चेयरमैन और पद्मभूषण से सम्मानित विजयपत सिंघानिया का 87 वर्ष की आयु में मुंबई में निधन हो गया। उनके परिवार ने शनिवार को यह जानकारी दी। उनके परिवार ने दो बड़े बिजनेस ग्रुप बनाए हैं, जिनमें रेमंड ग्रुप और जेके ग्रुप, जिसे ऑफिशिली जेके ऑर्गेनाइजेशन कहा जाता है। रेमंड ग्रुप की शुरुआत एक विदेशी शख्स ने 1925 में की थी। मगर 1944 में सिंघानिया परिवार ने इसे खरीद लिया था। जेके ऑर्गेनाइजेशन की शुरुआत 1918 में हुई थी। बाद में सिंघानिया परिवार ने कारोबार बांट लिया था, जो रेमंड ग्रुप, जेके ऑर्गेनाइजेशन के तौर पर अलग हुआ। रेमंड ग्रुप की कमान विजयपत सिंघानिया के पास आई थी, जिन्होंने 1980 से 2000 तक संभाला और फिर बेटे गौतम को कमान सौंप दी थी।

विजयपत के परदादा ने शुरू किया था बिजनेस

सिंघानिया परिवार में बिजनेस की शुरुआत विजयपत के दादा लाला कमलापत सिंघानिया और उनके पिता यानी विजयपत के परदादा लाला जुग्गीलाल सिंघानिया ने मिलकर की थी। बिजनेस ग्रुप की शुरुआत काफी सिम्पल थी। सबसे पहले कानपुर में एक कॉटन मिल शुरू की गयी, जिससे कारोबार शुरू हुआ।

ऐसे मिला 'जेके' नाम?

'जेके' नाम, कमलापत और उनके पिता सेठ जुग्गीलाल के नाम के शुरुआती अक्षरों से लिया गया है। 1950 के दशक से 1980 के दशक के दौरान, जेके ग्रुप बिड़ला और टाटा के बाद भारत का तीसरा सबसे बड़ा बिजनेस ग्रुप बन गया था। कमलापत सिंघानिया ने अपने पिता के बिजनेस को पारंपरिक साहूकारी कामों से आगे बढ़ाकर कपास, दालों और गन्ने जैसे क्षेत्रों तक बढ़ाने में मदद की।

आज कई देशों में फैला है कारोबार

आज, जेके ग्रुप का कारोबार भारत के बाहर कई देशों में फैला हुआ है, जिसमें कई तरह के बिजनेस, प्रोडक्ट्स और अलग-अलग जगहों पर ऑपरेशन्स शामिल हैं। इसके अलावा, मेक्सिको, इंडोनेशिया, रोमानिया, बेल्जियम, पुर्तगाल, यूएई और स्विटज़रलैंड में ग्रुप के विदेशी मैन्युफैक्चरिंग ऑपरेशन्स भी हैं। जेके ग्रुप का टर्नओवर 6 बिलियन डॉलर है। भारतीय करेंसी ये इस समय 56910 करोड़ रुपए बनते हैं। ग्रुप की कंपनियों को परिवार के अलग-अलग लोग संभालते हैं, जिनमें डॉ. रघुपति सिंघानिया (अध्यक्ष एवं एमडी, जेके टायर), हर्ष पति सिंघानिया (अध्यक्ष एवं एमडी, जेके पेपर), और भरत हरि सिंघानिया (अध्यक्ष, जेके लक्ष्मी सीमेंट) शामिल हैं।

सार्वजनिक सूचना
ब्यावरा से देवास हाईवे प्रा. लि.
टोल प्लाज़ा पर संशोधित उपयोगकर्ता शुल्क (टोल) दरों पर सार्वजनिक सूचना
(दिनांक 01 अप्रैल 2026 से लागू)

भा रा रा प्रा NHAI | Oriental InfraTrust

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि संशोधित उपयोगकर्ता शुल्क दरों के अनुमोदन के अनुसार एन.एच.ए.आई. के पत्र संख्या **NHAI/RO-MP/PIU-UJJAIN/TOLL/FEES RATE REV.-2026-27/2026/57231 DATED 28.3.26** द्वारा संशोधित सेक्शन शुल्क, राष्ट्रीय राजमार्ग-52 के कि.मी. 191+200 से 332+460 (ब्यावरा से देवास सेक्शन) की उपयोगिता दर **छापरा टोल प्लाजा** (229+910 कि.मी. छापरा ग्राम के पास, जिला राजगढ़ मध्य प्रदेश) और **रोजवास टोल प्लाजा** (291+520 कि.मी., जिला उज्जैन मध्य प्रदेश) में प्रकाशित संशोधित नोटिफिकेशन अनुसार निम्न दरों से लागू होगा:- **(राशि रुपये में)**

स. क्र.	वाहन के प्रकार	छापरा टोल प्लाजा (229+910)					रोजवास टोल प्लाजा (291+520)				
		स्थानीय मासिक पास (गैर-वाणिज्यिक वाहनों के लिए)	एकल यात्रा के लिए शुल्क	वापसी यात्रा के लिए शुल्क (24 घंटे के भीतर 2यात्राएं	मासिक पास के लिए शुल्क (50 एकल यात्राएं)	शुल्क टोल प्लाजा जिले में पंजीकृत वाणिज्यिक वाहनों के लिए एकल यात्रा का शुल्क	स्थानीय मासिक पास (गैर-वाणिज्यिक वाहनों के लिए)	एकल यात्रा के लिए शुल्क	वापसी यात्रा के लिए शुल्क (24 घंटे के भीतर 2 यात्राएं	मासिक पास के लिए शुल्क (50 एकल यात्राएं)	शुल्क टोल प्लाजा जिले में पंजीकृत वाणिज्यिक वाहनों के लिए एकल यात्रा का शुल्क
1	कार, वैन, जीप अथवा हल्के मोटर वाहन	360	110	165	3635	55	360	150	225	4960	75
2	हल्के वाणिज्यिक वाहन, हल्के माल वाहन, मिनी बस	N.A	175	265	5870	90	N.A	240	360	8010	120
3	बस या ट्रक (दो एक्सल)	N.A	370	555	12300	185	N.A	505	755	16785	250
4	3 एक्सल वाणिज्यिक वाहन	N.A	405	605	13420	200	N.A	550	825	18310	275
5	हैवी कंस्ट्रक्शन मशीनरी (HCM)/अर्थ मूविंग मशीनरी (EME) या मल्टी एक्सल वेहीकल (4 से 6 एक्सल)	N.A	580	870	19290	290	N.A	790	1185	26320	395
6	अतिरिक्त आकार के वाहन (7 या अधिक एक्सल)	N.A	705	1055	23480	350	N.A	960	1440	32040	480

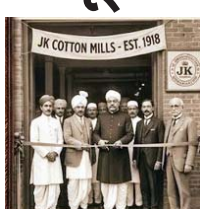

1. उपरोक्त शुल्क पूर्ण निर्मित 141.260 कि.मी. राजमार्ग के लिए लागू है।
2. **उपरोक्त टोल प्लाजा पर निम्न रियायतें उपलब्ध हैं-**
   - भुगतान के समय से एक माह के अंदर 50 यात्राएं (सभी श्रेणी के वाहनों पर **33 प्रतिशत छूट**)।
   - टोल प्लाजा से 20 कि.मी. के दायरे में रहने वाले गैर-वाणिज्यिक वाहनों के लिए रु. 360/- (रुपये तीन सौ साठ) प्रतिमाह के पास की सुविधा उपलब्ध होगी।
3. टोल पर उपलब्ध रियायतों को www.nhai.org.in पर देखा जा सकता है।
4. शुल्क मुक्त वाहनों की तालिका राजपत्र अधिसूचना के अनुरूप रहेगी।
5. अपनी अनुमेय भार क्षमता से अधिक भार से लदे हुए वाहनों को निर्धारित टोल शुल्क के अतिरिक्त जुर्माना राशि का भुगतान भारत के राजपत्र S.O.No.920(E) दिनांक 25-09-2018 के अनुसार करना होगा।
6. राजपत्र में प्रकाशित शुल्क अधिसूचना को http://nhaitis.org पर देखा जा सकता है।
7. अधिक जानकारी तथा/अथवा शिकायत/सुझाव हेतु नाम तथा पता निम्नवत हैं-

विवरण	अनुबंध ग्राही (Concessionaire)	स्वतंत्र अभियन्ता (Independent Engineer)	भा.रा.रा.प्रा. परियोजना कार्यान्वयन इकाई (NHAI)
नाम	श्री अजिताभ झा	श्री मोहनीश पटले	श्री राहुल जाजोरिया
पता	मेसर्स ब्यावरा-देवास हाईवे प्रा.लि., रोजवास टोल प्लाजा, जिला उज्जैन (मध्य प्रदेश)	मेसर्स लायन इंजीनियरिंग कंसल्टेंट्स प्रा. लिमिटेड मकान नंबर 10, वार्ड नंबर 26, आईटीआई कॉलेज के पीछे, इंद्रा नगर, शाजापुर, मध्य प्रदेश, 465001	परियोजना निदेशक कार्यालय, एनएचएआई, पीआईयू उज्जैन, 01-एनएचएआई कार्यालय भवन, प्रेम नगर, चंदेसरी गांव, फ्लाईओवर के पास, देवास रोड, उज्जैन (मध्य प्रदेश)-456664
दूरभाष	7409100423	9424020705	0734-3551395

सतना का उचेहरा रेलवे फाटक सात दिन रहेगा बंद

जागरण, सतना। सतना-मैहर मार्ग पर स्थित उचेहरा रेलवे फाटक सात दिनों के लिए बंद कर दिया है। रेलवे ट्रैक के रखरखाव कार्य के चलते 29 मार्च से 4 अप्रैल तक यहां से वाहनों का आवागमन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। रेलवे के अनुसार कटनी-सतना मेजर सेक्शन के उचेहरा-लगरगवां ब्लॉक में समपार क्रमांक 382 उचेहरा गेट पर अप और डाउन ट्रैक का मेंटेनेंस किया जाएगा। इस दौरान रेल स्लीपर बदले जाएंगे और गिट्टी छनाई का कार्य होगा।

11 से 16 अप्रैल तक चलेगा पंचकल्याणक महोत्सव

जागरण, खंडवा। शहर के बजरंग चौक स्थित 45 साल पुराने महावीर दिगंबर जैन मंदिर में तीसरा पंचदिवसीय भव्य पंचकल्याणक महोत्सव 11 से 16 अप्रैल तक चलेगा। यह धार्मिक आयोजन खासपुरा क्षेत्र में मुनिश्री आदित्य सागर महाराज के ससंघ सानिध्य में होगा। महोत्सव के दौरान पाषाण निर्मित मुनिसुव्रत भगवान एवं भगवान आदिनाथ के पुत्र भरत की लगभग 4 फीट ऊंची खड्गासन प्रतिमाओं की पंचकल्याणक विधि से प्रतिष्ठा की जाएगी।

300 से ज्यादा निजी अस्पतालों को राहत नहीं किए जाएंगे आयुष्मान योजना से बाहर

प्रदेश सरकार ने वापस ली एनएबीएच फाइनल लेवल सर्टिफिकेट की शर्त

जागरण Special

नगर संवाददाता, भोपाल। आयुष्मान भारत निरामयम योजना के तहत मरीजों को मुफ्त इलाज देने वाले निजी अस्पतालों को मप्र सरकार ने राहत पहुंचाई है। एक अप्रैल से लागू होने वाली एनएबीएच (नेशनल एक्रीडिटेशन बोर्ड ऑफ हॉस्पिटल) फाइनल लेवल सर्टिफिकेट की शर्त को फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। यह शर्त प्रदेश के चार जिलों भोपाल, इंदौर, जबलपुर और ग्वालियर के निजी अस्पतालों पर लागू होना थी। लेकिन अंतिम समय में स्वास्थ्य विभाग ने अपना निर्णय बदल लिया। हालांकि स्वास्थ्य विभाग ने उक्त चारों जिलों के सभी निजी अस्पतालों को अगले दो साल का समय दिया है, इन दो साल में अस्पतालों को एनएबीएच का फाइनल लेवल सर्टिफिकेट लेना होगा।

किस जिले में कितने अस्पताल सूचीबद्ध

भोपाल	-194
ग्वालियर	- 71
जबलपुर	- 37
इंदौर	- 82

चार जिलों में सिर्फ 55 अस्पताल कर रहे शर्त पूरी

आयुष्मान भारत निरामयम मप्र के अधिकारियों ने बताया कि हमने एनएबीएच का फाइनल लेवल सर्टिफिकेट अनिवार्य किया था। बीते छह महीने में सिर्फ 55 अस्पताल ऐसे मिले, जिनके पास यह प्रमाण पत्र है। यह संख्या सभी चार जिलों को मिलाकर है। यदि हम अपने नियम को सख्ती से लागू करते तो बहुत से अस्पताल सूची से बाहर हो जाते। इससे सबसे ज्यादा परेशानी गरीब मरीजों को होती। हमने मरीजों की सहूलियत के लिए फिलहाल नियम को लागू करने से रोक लिया है।

क्या है एनएबीएच फाइनल लेवल सर्टिफिकेट

क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया के तहत अस्पतालों को एनएबीएच सर्टिफिकेट दिया जाता है। इसके तीन स्तर होते हैं, इंट्री, प्रोग्रेसिव और फाइनल। यह अस्पतालों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने का मानक है। जिसमें संक्रमण नियंत्रण, बायोमेडिकल वेस्ट प्रबंधन, ऑपरेशन थिएटर के मानक, स्टाफ प्रशिक्षण, मरीज सुविधाएं और रिकॉर्ड प्रबंधन जैसे पहलुओं का गहन मूल्यांकन किया जाता है। जैसे जैसे प्रमाण पत्र का स्तर बढ़ता जाता है, वैसे वैसे अस्पताल की क्वालिटी भी बढ़ती जाती है। फाइनल लेवल प्रमाण पत्र हासिल करना हर किसी निजी अस्पताल के लिए आसान नहीं है। यही कारण है कि इस नियम का निजी अस्पतालों ने मिलकर विरोध भी किया था।

क्यों लटकी थी अस्पतालों पर तलवार

दरअसल सितंबर 2025 में आयुष्मान भारत निरामय मप्र के सीईओ योगेश भरसट ने एक आदेश जारी किया था। इस आदेश में लिखा था कि भोपाल, इंदौर, जबलपुर और ग्वालियर के ऐसे निजी अस्पताल, जो आयुष्मान योजना के तहत इम्पैनल्ड हैं और मरीजों को 5 लाख तक का मुफ्त उपचार दे रहे हैं। वह अस्पताल अप्रैल 2026 से पहले एनएबीएच का फाइनल लेवल सर्टिफिकेट लेकर कार्यालय में जमा करें। यदि ऐसा नहीं करते हैं तो उन्हें आयुषमान योजना की सूची से बाहर कर दिया जाएगा और वह मरीजों को मुफ्त इलाज नहीं कर सकेंगे।

> मरीजों के हित में फिलहाल नियम को लागू नहीं किया जा रहा है। हमारी हाल ही में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया है। लेकिन दो साल बाद इस नियम को सख्ती से लागू किया जाएगा।
>
> ■ **आईएएस योगेश भर्सट**, सीईओ आयुष्मान मप्र

मंगलवार को नहीं भोपाल में आज रहेगा महावीर जयंती का अवकाश

विशेष संवाददाता, भोपाल। प्रदेश में महावीर जयंती का अवकाश कब होगा। सामान्य प्रशासन विभाग ने यह निर्णय लेने के लिए जिलों के कलेक्टर को अधिकार दे दिया है। इधर भोपाल में मंगलवार यानि कि 31 मार्च के स्थान पर सोमवार 30 मार्च को छुट्टी घोषित कर दी है।

जिलों में निर्णय लेने कलेक्टरों को दिया अधिकार

गौरतलब है कि पहले राज्य सरकार ने 31 मार्च को महावीर जयंती की वजह से अवकाश की घोषणा की थी,जिसे अब संशोधित कर दिया गया है। इस संबंध में राज्य शासन के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जिलों के कलेक्टर को स्थानीय परिस्थितियों के आधार पर निर्णय लेने को कहा है। इधर भोपाल कलेक्टर ने इस संबंध में आदेश जारी करते हुए महावीर जंयती की छुट्टी 30 मार्च को कर दी। रविवार को जारी आदेश में कहा गया है कि मध्यप्रदेश शासन,सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देशों तथा स्थानीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए यह बदलाव किया गया है। जिला प्रशासन ने साफ तौर पर आदेश में कहा है कि 31 मार्च को सभी शासकीय कार्यालय एवं संस्थाएं पूर्ववत खुले रहेंगे और सामान्य कार्य होगा।

एम्स बताएगा पीठ दर्द का सटीक कारण, स्पेक्ट सीटी जांच शुरू

नगर संवाददाता, भोपाल। आज के समय में पीठ दर्द एक आम लेकिन जटिल समस्या बन चुकी है, जिसके पीछे कई कारण हो सकते हैं। यह दर्द मांसपेशियों से जुड़ा हो सकता है या हड्डियों और रीढ़ की गंभीर बीमारियों का संकेत भी हो सकता है। कई मामलों में डिस्क की समस्या, हड्डियों के अंदर संक्रमण, सूजन या कैंसर जैसी स्थितियां भी दर्द का कारण बनती हैं। इसके अलावा कूल्हे और रीढ़ के बीच स्थित सैक्रोइलिएक जोड़ में सूजन (सैक्रोइलाइटिस) भी लगातार दर्द की वजह बन सकती है। एम्स भोपाल के न्यूक्लियर मेडिसिन विभाग में अब स्पेक्ट-सीटी मशीन के माध्यम से बोन स्कैन की आधुनिक सुविधा उपलब्ध है। यह जांच न केवल शरीर की संरचना को दर्शाती है, बल्कि उसकी कार्यप्रणाली को भी समझने में मदद करती है। इससे यह स्पष्ट हो जाता है कि समस्या किस स्थान पर है और उसकी प्रकृति क्या है। विशेषज्ञों के अनुसार, इस तकनीक से शुरुआती स्तर पर ही बीमारी की पहचान संभव है, जिससे मरीजों को समय रहते सही उपचार मिल सकता है और टिलताओं से बचाव होता है। लंबे समय से पीठ दर्द से परेशान मरीजों के लिए यह सुविधा काफी उपयोगी साबित हो सकती है। एम्स भोपाल में उपलब्ध स्पेक्ट-सीटी आधारित बोन स्कैन तकनीक पारंपरिक जांचों से अधिक प्रभावी मानी जा रही है। यह जांच शरीर के अंदरूनी हिस्सों में हो रहे सूक्ष्म बदलावों को भी पकड़ लेती है, जो सामान्य एक्स-रे या अन्य जांचों में नजर नहीं आते। इससे डॉक्टरों को बीमारी का सही आकलन करने और मरीज के लिए सटीक उपचार योजना तैयार करने में मदद मिलती है।

स्पेक्ट-सीटी मशीन के जरिए बोन स्कैन की आधुनिक सुविधा उपलब्ध

मुद्रक एवं प्रकाशक **राजीव मोहन गुप्त** द्वारा जागरण पब्लिकेशन्स प्रा. लि. हेतु 'दैनिक जागरण प्रेस' 33, जागरण भवन, प्रेस काम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल, मध्यप्रदेश -462011 (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. 1573/57, पंजीयन संख्या 7 म.प्र., **संस्थापक : स्व. गुरुदेव गुप्त,** संपादक : **राजीव मोहन गुप्त,** स्थानीय संपादक : **हरिमोहन गुप्त** फोन : **कार्या.** : 0755-6723200 **E-mail :** modemdj@gmail.com।